खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 31 मार्च, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-88

प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार संघ मुख्यालय पहुँचे मोदी

संस्थापक हेडगेवार और गोलवलकर को दी श्रद्धांजलि

जहां सेवा कार्य, वहां स्वयंसेवक : पीएम मोदी

नागपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नागपुर के रेशम बाग स्थित राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ के मुख्यालय का दौरा किया। उन्होंने शताब्दी वर्ष मना रहे संघ के मुख्यालय में स्मृति मंदिर जाकर आरएसएस के संस्थापक डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार और द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद वे भीमराव अंबेडकर से जुड़ी दीक्षा जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह आरए-सएस हेडक्काटर की यात्रा ऐतिहासिक है। संघ मुख्यालय जाने वाले वे दूसरे प्रधानमंत्री हैं। इससे पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने 27 अगस्त 2000 को संघ कार्यालय की यात्रा की थी। पीएम मोदी के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहनराव भागवत भी मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने भागवत एवं संघ के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने को लेकर बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागपुर में इसकी तुलना वट वृक्ष से की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चेतना के संरक्षण और संवर्धन के लिए जो विचारों का बीज 100 वर्ष पहले बोया गया, वो एक महान वटवृक्ष के रूप में दुनिया के समक्ष है। सिद्धांत और आदर्श इसे ऊंचाई देते हैं। लाखों करोड़ों स्वयं सेवक इसकी टहनी हैं।

ये कोई साधारण वट वृक्ष नहीं है। बल्कि, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ भारत की अमर संस्कृति का अक्षयवट है। ये अक्षय वट आज भारतीय संस्कृति को, हमारी राष्ट्रीय चेतना को निरंतर ऊर्जावान बना रहा है। ▶10पर

पीएम मोदी ने माधव नेत्रालय का किया शिलान्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागपुर में आज माधव नेत्रालय का शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ये राष्ट्र यज्ञ का पावन अनुष्ठान है। चैत्रशुक्ल प्रतिपदा का ये दिन विशिष्ट है। आज से नवरात्रि का पर्व शुरू हो रहा है। आज हमारे प्रेरणापुञ्ज डॉक्टर साहब की जयंती का भी अवसर है। इसी साल आरएसएस के 100 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। इस मौके पर पीएम मोदी ने बताया कि देश स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। मेडिकल कॉलेजों की सीटों में दोगुनी वृद्धि हुई है और एम्स की संख्या तीन गुना बढ़ गई है।

अगले महीने संविधान निर्माता बाबा साहब अंबेडकर की जयंती भी है। आज मैंने दीक्षाभूमि में बाबा साहब को नमन किया है। माधव नेत्रालय को लेकर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आध्यात्म, ज्ञान गौरव और गुरुता का अद्भुद विद्यालय है। मानवतारत यह सेवा मंदिर कण-कण में देवालय है। माधव नेत्रालय एक ऐसा संस्थान है, जो अनेक दशकों से गुरूजी के आदर्शों पर लाखों लोगों की सेवा कर रहा है। लोगों के जीवन में रोशनी लौटी है। उसके नए परिसर का शिलान्यास हुआ है। ▶10पर

मणिपुर, नगालैंड और अरुणाचल प्रदेश में लागू रहेगा अफस्पा

गृह मंत्रालय ने 6 महीने बढ़ाई अवधि

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मणिपुर राज्य में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम को छह महीने के लिए बढ़ा दिया है.गृह मंत्रालय की ताजा अधिसूचना के अनुसार, मणिपुर राज्य को 1 अप्रैल 2025 से छह महीने के लिए फिर से 'अशांत क्षेत्र' के रूप में घोषित किया गया है। हालांकि, 5 जिलों के 13 पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों को इस आदेश से बाहर रखा गया है ।

गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि मणिपुर के कुछ क्षेत्रों में अशांति और हिंसा की स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

अफस्पा के तहत सशस्त्र बलों को किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को गिरफ्तार करने, तलाशी लेने और यदि जरूरत पड़े तो गोलियां चलाने का अधिकार है। इस राज्य में कानून-व्यवस्था को बनाए रखने और शांति सुनिश्चित करने के लिए यह शक्तियां महत्वपूर्ण मानी जाती हैं, खासकर ऐसे वक्त में जब राज्य में अलग अलग उग्रवादी समूहों और अलगाववादी गतिविधियों का सामना किया जा रहा है।

हालांकि, इस बार मणिपुर के कुछ विशेष क्षेत्र, जिनमें 13 पुलिस स्टेशन क्षेत्रों का उल्लेख किया गया है, अफस्पा से बाहर रखे गए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि स्थिति में कुछ सुधार आया है और केंद्र सरकार उन क्षेत्रों में सुरक्षा स्थिति को सामान्य मान रही है।

मणिपुर के अलावा, केंद्र सरकार ने नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी अफस्पा का समय छह महीने बढ़ाया गया है।

इन दोनों राज्यों में भी कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। नागालैंड के दीमापुर, निउलैंड और मोन जैसे जिलों में अफस्पा लागू रहेगा, जबकि अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी यह नियम जारी रहेगा। इन राज्यों में उग्रवादी गतिविधियां और अलगाववाद की प्रवृत्तियों के कारण सशस्त्र बलों को अतिरिक्त शक्तियां दी जाती हैं।

अफस्पा (सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम) एक कानून है जो भारतीय सेना और अन्य सुरक्षा बलों को विशेष अधिकार देता है, ताकि वे उग्रवाद या आतंकवाद जैसे संकट वाले इलाकों में शांति और सुरक्षा बनाए रख सकें।

इस कानून के तहत, सेना को संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार करने, उनकी जांच करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की शक्ति मिलती है, बिना किसी अदालत के आदेश के। हालांकि, यह कानून विवादास्पद भी है क्योंकि इससे सुरक्षा बलों को ज्यादा ताकत मिलती है, जिससे कुछ मामलों में मानवाधिकार उल्लंघन की आशंका रहती है।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस विराट महोत्सव बना: मोदी

नयी दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि दस साल पहले 21 जून 2015 को शुरू हुआ पहला अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस ने अब एक विराट महोत्सव का रूप ले लिया है।

श्री मोदी ने रेडियो पर अपने मासिक प्रसारण मन की बात की 120वीं कड़ी के सम्बोधन में रविवार को कहा कि मानवता भारत की ओर से यह एक ऐसा अनमोल उपहार है, जो भविष्य की पीढ़ी के बहुत काम आने वाला है। श्री मोदी ने कहा कि साल 2025 के योग दिवस की थीम रखी गई है, 'योगा फॉर वन अर्थ वन हेल्थ' यानि हम योग के जरिए पूरे विश्व को स्वस्थ बनाने की कामना करते हैं।

उन्होंने कहा मेरे प्यारे देशवासियो, आज फिटनेस के साथ-साथ गिनती की बड़ी भूमिका हो गई। एक दिन में कितने कदम चले इसकी गिनती, एक दिन में कितनी कैलोरीज खायी और कितनी कैलोरीज इस्तेमाल हुई इनका हिसाब, इतने सारे हिसाब के बीच, एक और उल्टी गिनती शुरू होने वाला है। विश्व योग दिवस की उल्टी गिनती। ▶10पर

बिलासपुर में प्रधानमंत्री ने कई परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया

बलासपुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक जनसभा में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कई परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मंदिर हसौद के रास्ते अभनपुर-रायपुर खंड पर मेमू ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा कि थोड़ी देर पहले ही 33,700 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया गया है। इनमें गरीबों के लिए घर, स्कूल, सड़क, रेलवे, बिजली, गैस पाइपलाइन। ये सभी परियोजनाएं छत्तीसगढ़ के लोगों को सुविधाएं प्रदान करेंगी। इस विकास कार्य के लिए आप सभी को बहुत-बहुत बधाई। पीएम ने कहा, आप सभी ने अनुभव किया है ▶10पर

लालू ने बिहार को किया बदनाम, राजग सरकार आई तो शुरू होंगी बंद चीनी मिलें : शाह

पटना, 30 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद पर उनकी पार्टी की सरकार में प्रदेश की विधि-व्यवस्था और सहकारिता को चौपट कर राज्य को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए आज वादा किया कि इस वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की फिर से सरकार बनी तो सूबे की बंद पड़ीं सभी चीनी मिलों को शुरू करा दिया जाएगा।

श्री शाह ने रविवार को यहां बापू सभागार में सहकारिता विभाग के कार्यक्रम में चार विभागों की 823 करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। साथ ही मिथिला की महत्वाकांक्षी परियोजना मखाना प्रसंस्करण केंद्र का ऑनलाइन उद्घाटन किया तथा 100 सहकारी समितियों को माइक्रो एटीएम भी बांटें। केंद्रीय सहकारिता मंत्री ने कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान आरोप लगाते हुए कहा कि राजद के शासनकाल में अपहरण, हत्या, लूट और नरसंहार होते थे। उन्होंने राजद अध्यक्ष श्री यादव पर हमला बोला और कहा कि उनके 15 साल के शासन में बिहार की पूरी सहकारिता चौपट हो गई। सैंकड़ों चीनी मिल बंद हो गयीं।

श्री शाह ने श्री यादव पर निशाना साधा और कहा कि उन्होंने चारा घोटाला करके बिहार को पूरे विश्व में बदनाम कर दिया। लेकिन, जब बिहार में श्री नीतीश कुमार की सरकार बनी तो गांव-गांव तक सड़कें पहुंची, बिजली पहुंची और हर घर तक नल का जल पहुंचा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चीनी के उत्पादन में बिहार का हिस्सा ▶10पर

कामाख्या एसी एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतरे, एक की मौत, 8 जख्मी

भुवनेश्वर, 30 मार्च (एजेंसियां) । ओडिशा के कटक में रविवार को बेंगलूरू-कामाख्या एसी एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे में एक यात्री की मौत हो गई है जबकि 8 लोग घायल हो गए हैं। ये ट्रेन बेंगलुरु से गुवाहाटी स्थित कामाख्या स्टेशन की ओर जा रही थी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस घटना की पुष्टि की।

कटक में नेरगुंडी रेलवे स्टेशन के पास कामाख्या एक्सप्रेस ट्रेन के पटरी से उतरने पर डीएम दत्तात्रेय भाऊसाहेब शिंदे ने कहा कि घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, 8 लोग घायल हैं, जिन्हें रेफर करने की जरूरत थी और उन्हें शिफ्ट कर दिया गया है। घटना की जांच की जा रही है।वहीं, ईस्ट कोस्ट रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार मिश्रा ने बताया कि आज सुबह 11:54 बजे नीरगुंडी के पास मंगुली में एसएमवीटी बेंगलुरु-कामाख्या एसी एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए। रेलवे और प्रशासन राहत कार्य में जुटे हुए हैं। वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों की देखरेख में प्रभावित हिस्से पर बचाव और बहाली का काम युद्ध स्तर पर चल रहा है। सीपीआरओ मिश्रा के मुताबिक फंसे हुए यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक राहत ट्रेन की व्यवस्था की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि पटरी से उतरने के कारण तीन ट्रेनों का रूट बदला गया है। ये ट्रेनें धौली एक्सप्रेस, नीलाचल एक्सप्रेस और पुरुलिया एक्सप्रेस हैं। ओडिशा फायर ब्रिगेड सर्विस के महानिदेशक सुधांशु सारंगी ने बताया कि एनडीआरएफ और ओडिशा अग्निशमन सेवा के कर्मचारी बचाव अभियान में रेलवे की सहायता कर रहे हैं।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36^0

न्यूनतम : 25^0

50 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण 68 लाख का था इनाम

बीजापुर, 30 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज छत्तीसगढ़ के दौरे पर हैं। इससे पहले बीजापुर जिले में एक साथ 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। बताया जा रहा है कि इन सभी नक्सलियों पर कुल 68 लाख का इनाम था। छत्तीसगढ़ के बीजापुर-सुकमा में पिछले दिनों हुई दो बड़ी मुठभेड़ के बाद रविवार को 50 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें कुछ महिला नक्सली भी शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वाले 50 में से 13 नक्सलियों पर कुल 68 लाख रुपये का इनाम है। इन्होंने आज बीजापुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधीक्षक, डीआईजी, सीआरपीएफ और अन्य पुलिस अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण कराने में डीआरजी, बस्तर फाइटर, एसटीएफ, केरिपु 85, 153, 168, 170, 196, 199, 222, 229 एवं कोबरा201, 202, 204, 205, 208, 210 का विशेष योगदान रहा है। इस संबंध में बीजापुर पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र यादव ने बताया कि एक साथ इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने से नक्सली संगठन को बड़ा झटका लगा है। ▶10पर

मॉस्को में पुतिन की लग्जरी कार लिमोजिन में हुआ ब्लास्ट

मॉस्का, 30 मार्च (एजेंसियां) । रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के काफिले में शामिल एक लग्जरी कार में धमाका हुआ है। यह धमाका रूस की खुफिया एजेंसी एफएसबी के मुख्यालय के पास हुआ। विस्फोट के बाद, पुतिन की सुरक्षा को लेकर रूस की सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह विस्फोट किसी साजिश का हिस्सा था या कार में तकनीकी खराबी के कारण हुआ था।

रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट उस कार में हुआ जो पुतिन की पसंदीदा लिमोजिन थी। पुतिन इस कार का अक्सर इस्तेमाल करते हैं और उन्होंने इसे कई बार अपने दोस्तों को उपहार के रूप में भी दी है। पुतिन ने यह कार उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन को भी दी थी। विस्फोट का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कार में आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। इस धमाके के बाद पुतिन की सुरक्षा को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। रूस की सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही पुतिन के काफिले और सुरक्षा को लेकर सतर्क हैं, खासकर यूक्रेन युद्ध के बाद। पुतिन को लेकर हाल ही में यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भविष्यवाणी की थी कि पुतिन की तबियत जल्दी खराब हो सकती है ▶10पर

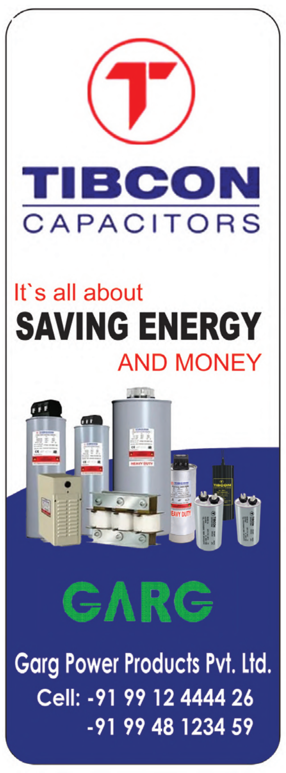

बवाल के पीछे उजागर हुई नेपाल के पूर्व राजा की साजिश, अब भरना पड़ेगा जुर्माना

काठमांडु,30 मार्च (एजेंसियां) ।

बीते कई दिनों से नेपाल में लगातार हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ के साथ विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। इसके पीछे दावा किया जा रहा है कि पूर्व राजा ने साजिश के तहत यह उपद्रव करवाया है।

नेपाल सरकार ने प्रदर्शन को भड़काने के शक में पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह का पासपोर्ट रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नेपाल के एक समाचार पत्र के मुताबिक अधिकारियों का दावा है कि इन प्रदर्शनों के पीछे ज्ञानेंद्र का ही हाथ है। उन पर जुर्माना भी लगाया गया है। काठमांडू के नागरिक निकाय ने शनिवार को ज्ञानेंद्र शाह पर जुर्माना लगाने की मांग करते हुए एक पत्र जारी किया। इस चिट्ठी में उन्हें नुकसान के लिए मुआवजे के रूप में 7,93,000 नेपाली रुपये का भुगतान करने के लिए कहा गया है।

बता दें कि नेपाल में फरवरी में लोकतंत्र दिवस के बाद से राजशाही समर्थक सक्रिय हो गए हैं। उससे पहले ज्ञानेंद्र शाह ने एक बयान जारी कर कहा था कि अब देश की रक्षा करने का समय आ गया है और अब देश के एकता लाने की जिम्मेदारी हमें लेनी चाहिए। राजशाही समर्थक काठमांडू और देश के अन्य हिस्सों में रैलियां आयोजित कर रहे हैं जिसमें 2008 में खत्म किए गए 240 साल पुराने राजतंत्र को बहाल करने की मांग की गई है।

शनिवार को राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारियों ने देश की राजनीतिक पार्टियों के दफ्तरों को निशाना बनाते हुए हमले किए जिसमें कम से कम 2 लोगों के मारे जाने की खबर है। वहीं राजधानी काठमांडू में कर्फ्यू लगा दिया गया है। सरकार ने प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए सेना को भी उतार दिया है। हालांकि यह आंदोलन उग्र होता जा रहा है और राजशाही का समर्थन करने वाले संगठनों ने सरकार को एक हफ्ते का अल्टीमेटम दे दिया है। ये लोग नेपाल में राजशाही के लौटने और देश को हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग कर रहे हैं। ऐसे में यह सवाल उठ रहे हैं कि देश में अचानक इस तरह की मांग क्यों उठ रही है नेपाल की सरकार को शक है कि यह सब देश के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह करवा रहे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

काले बच्चे ही गोद लेता था कपल, राज खुलने पर हैरान हुए लोग

वेस्ट वर्जीनिया। बच्चे भगवान का दिया नायाब तोहफा होते हैं। कई कपल जब खुद मां-बाप नहीं बन पाते, तब वे बच्चे गोद लेते हैं। इन कपल की लोग काफी तारीफ करते हैं, क्योंकि इस कदम से अनाथ बच्चों को भी घर मिल जाता है। वेस्ट वर्जीनिया में रहने वाला एक कपल अपने जान-पहचान वालों के बीच काफी मशहूर था। इस कपल ने पांच बेसहारा बच्चों को गोद लिया था। हालांकि, ये गोरा कपल हमेशा काले बच्चे ही गोद लेता था। लेकिन राज खुलने पर सब हैरान हो गए। 63 साल की व्हाइटफेदर और उसके पति 64 साल के डोनाल्ड लैट्ज़ को सर्किट कोर्ट की जज ने कुल 375 साल जेल की सजा सुनाई है। सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि शायद ईश्वर तुम्हारे ऊपर रहम करे, क्योंकि कोर्ट ऐसा नहीं कर सकता। इस कपल पर पांच बच्चों को गोद लेने के बाद उनका शोषण करने का आरोप लगाया गया था। कपल सिर्फ काले बच्चे गोद लेकर बाद उन्हें गुलाम बनाकर घर के सारे काम करवाता था। कपल ने इन पांच बच्चों को अनाथालय से गोद लिया था। दोनों पहले मिन्नेसोटा में रहते थे। उसके बाद बच्चों के साथ वाशिंगटन और फिर वेस्ट वर्जीनिया आए थे। 2023 में पुलिस वेलफेयर चेकिंग के लिए कपल के घर गई, तब वहां की स्थिति देख घबरा गई। बच्चों को एक पिंजरा नुमा कमरे में बंद रखा गया था। टॉयलेट के लिए वहां सिर्फ एक बाल्टी रखी गई थी। बच्चे सीमेंट की फ्लोर पर सोते थे और उन्हें कई-कई घंटे वहां बंद रखा जाता था। जांच में पता चला कि कपल को काले लोगों से चिढ़ थी। इस कारण वे काले बच्चे ही गोद लेते थे। इसके बाद उन्हें गुलाम बनाकर रखते थे। लेकिन बदले में उन्हें ठीक से खाने को भी नहीं दिया जाता था।

ऑस्ट्रेलिया के सुदूर इलाकों में बाढ़, लोगों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया

सिडनी, 30 मार्च (एजेंसियां) । उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में भारी बाढ़ आई है और इस स्थिति में लोगों को हवाई जहाज से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।रिकॉर्ड तोड़ बारिश के कारण क्वींसलैंड राज्य के बाहरी इलाकों में ब्रिस्बेन से 1,000 किलोमीटर पश्चिम में स्थित कई छोटे शहरों में 100 से ज्यादा घर बाढ़ में डूब गए हैं।

मौसम विज्ञान ब्यूरो (बीओएम) ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण बाढ़ चेतावनी जारी की। इसमें बताया गया कि उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के इस क्षेत्र में बाढ़ का जलस्तर 1974 के रिकॉर्ड को पार कर चुका है।बाढ़ के कारण सड़क मार्ग से संपर्क टूट जाने के बाद, अडावले और जुंडाह के छोटे शहरों के लोग और कई दूरदराज के इलाके के लोग हवाई जहाज से सुरक्षित स्थानों पर भेजे गए। मवेशीपालक ज्योफ लॉयड गुरुवार को उनके घर से हवाई जहाज से निकाला गया था। उन्होंने शनिवार को नाइन नेटवर्क को बताया कि इस क्षेत्र में होने वाला नुकसान भयावह है।

उन्होंने कहा, मैं 30 सालों से उस नदी पर नाव चलाता और रहता हूं, और यह ऐसा हालात हैं जो हमने कभी नहीं देखे।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, यह क्षेत्र ऑस्ट्रेलिया के सबसे महत्वपूर्ण पशुपालन क्षेत्रों में से एक है।

लॉयड ने कहा कि स्थानीय हेलीकॉप्टर पायलट लोगों और मवेशियों की जान बचाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे थे, लेकिन उनके पास विमानन ईंधन की कमी हो रही थी।

शनिवार को ब्रिस्बेन में आम चुनाव अभियान के दौरान बोलते हुए प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित मवेशियों के लिए हवाई मार्ग से चारा गिराने के लिए संघीय और राज्य सरकारों ने 2.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (1.57 मिलियन डॉलर) की राशि आवंटित की है।

उन्होंने कहा, हम ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल सहित जो भी संसाधन उपलब्ध होंगे, उनका उपयोग करेंगे, यह संभव है कि वे कुछ कार्यों में सहायता करें।

शनिवार सुबह तक, क्षेत्र की आठ नदियों और दो खाड़ियों के लिए बड़ी बाढ़ की चेतावनी जारी कर दी थी।

प्रभावित क्षेत्र के लोगों से हवाई मार्ग से निकासी की व्यवस्था करने के लिए अधिकारियों से संपर्क करने का आग्रह किया गया है।

एड्स फंडिंग में रोक से 2030 तक 10 मिलियन संक्रमण और 3 मिलियन मौतों का खतरा !

सिडनी, 30 मार्च (एजेंसियां) ।

एक अध्ययन के मुताबिक एचआईवी रोकथाम और उपचार कार्यक्रमों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फंडिंग में कटौती से 2030 तक 10 मिलियन से ज्यादा संक्रमण और करीब तीन मिलियन मौतें हो सकती हैं। यह बात गुरुवार को प्रकाशित एक अध्ययन में सामने आई। ऑस्ट्रेलिया के एक इंस्टीट्यूट की टीम द्वारा किए अध्ययन में 2026 तक वैश्विक एचआईवी फंडिंग में अनुमानित 24 फीसदी की कमी के प्रभाव का मॉडल बनाया गया है। यह अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और नीदरलैंड समेत प्रमुख दाताओं द्वारा 8 से 70 फीसदी की सहायता कटौती की घोषणा के बाद हुआ है। ये पांच देश सामूहिक रूप से वैश्विक एचआईवी सहायता का 90 फीसदी से ज्यादा फंडिंग करते हैं।

शोधकर्ताओं ने कहा कि अगर अमेरिका और ब्रिटेन समेत शीर्ष पांच दाता देशों द्वारा प्रस्तावित फंडिंग कटौती को कम नहीं किया जाता है, तो अनुमान है कि 2025 और 2030 के बीच बच्चों और वयस्कों में 4.4 से 10.8 मिलियन अतिरिक्त नए एचआईवी संक्रमण और 770,000 से 2.9 मिलियन मौतें हो सकती हैं।

एचआईवी फंडिंग में विश्व में सबसे जयादा योगदान देने वाले अमेरिका ने ट्रम्प के शपथ ग्रहण के बाद 20 जनवरी को सभी सहायता रोक दी है। अध्ययन में खुलासा हुआ है कि एड्स राहत के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की आपातकालीन योजना के नुकसान के साथ-साथ अन्य फंडिंग कटौती के कारण अब 2030 तक वैश्विक स्वास्थ्य संकट के रूप में एचआईवी/एड्स को खत्म करने की दिशा में प्रगति उलटने का खतरा है। एक अध्ययनकर्ता ने कहा कि अमेरिका ऐतिहासिक रूप से एचआईवी के उपचार और रोकथाम के वैश्विक प्रयासों में सबसे बड़ा योगदान देता है, लेकिन पीईपीएफएआर और यूएसएआईडी समर्थित कार्यक्रमों में मौजूदा कटौती ने पहले से ही एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी और एचआईवी की रोकथाम और परीक्षण सहित जरुरी एचआईवी सेवाओं तक पहुंच को बाधित कर दिया है।

संस्थान के सह-लेखक ने बताया कि परीक्षण और उपचार कार्यक्रमों को सीमित करने के अलावा, उप-सहारा अफ्रीका में व्यापक रोकथाम प्रयासों में कटौती देखने को मिलेगी, जैसे कि कंडोम वितरित करना और प्री-एक्सपोज़र प्रोफिलैक्सिस एक दवा जो एचआईवी होने के जोखिम को कम करती है की पेशकश करना। स्थायी वित्तपोषण सुनिश्चित करना और एचआईवी महामारी के फिर से उभरने से बचना जरूरी है, जिसके विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं, न केवल उप-सहारा अफ्रीका जैसे क्षेत्रों में, बल्कि पूरी दुनिया में भी।

तारों के विकास को लेकर नई चिंतनशील बहस शुरू

वाशिंगटन,30 मार्च (एजेंसियां) ।

हाल ही में डच और इटालियन खगोलविदों की टीमों ने इस आकाशगंगा का गहन अध्ययन करने के लिए एएलएमए रेडियो टेलीस्कोप का उपयोग किया। यूरोपियन सदर्न ऑब्जर्वेटरी (ईएसओ) के अनुसार, इस अध्ययन मेंजेएडीईएस-जीएस-झेड14-0 में ऑक्सीजन की मौजूदगी के स्पष्ट संकेत मिले, जो पहले वेब टेलीस्कोप द्वारा देखे गए थे।

खगोलविदों ने आकाशगंगा में ऑक्सीजन के संकेत खोजे हैं, जिससे शुरुआती ब्रह्मांड में तारों के विकास को लेकर नई चिंतनशील बहस शुरू हो गई है। यह आकाशगंगा जेएडीईएस-जीएस-झेड14-0 है, जिसे जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोपने पिछले साल खोजा था। यह इतनी दूर स्थित है कि इसका प्रकाश पृथ्वी तक पहुंचने में 13.4 अरब साल लगा, यानी जब ब्रह्मांड सिर्फ 300 मिलियन साल पुराना था, तब यह आकाशगंगा अस्तित्व में आ चुकी थी।

यह खोज वैज्ञानिकों के लिए चौंकाने वाली है, क्योंकि यह संकेत देती है कि शुरुआती ब्रह्मांड में सितारे अपेक्षा से कहीं ज्यादा तेजी से बने और विकसित हुए। सामान्यत: ब्रह्मांड के शुरुआती दौर, जिसे कॉस्मिक डॉन कहा जाता है, में आकाशगंगाओं में मुख्य रूप से हाइड्रोजन और हीलियम जैसे हल्के तत्व मौजूद होने चाहिए थे। लेकिन जेएडीईएस-जीएस-झेड14-0 में भारी तत्वों की मात्रा उम्मीद से 10 गुना अधिक पाई गई। लीडेन ऑब्जर्वेटरी के खगोलशास्त्री सैंडर शॉव्स ने इस खोज को एक ऐसे किशोर को खोजने जैसा बताया, जहां केवल नवजात शिशु होने की उम्मीद थी। उन्होंने कहा, यह आकाशगंगा अत्यधिक तेजी से विकसित हो रही है, जिससे यह संकेत मिलता है कि आकाशगंगाओं का निर्माण जितना हम सोचते थे, उससे कहीं तेज हुआ।

इटली के खगोल वैज्ञानिक स्टेफानो कार्नियानी ने इसे अविश्वसनीय खोज बताया और कहा कि यह सवाल उठाता है कि आकाशगंगाओं का जन्म आखिर कब और कैसे हुआ। 2022 में जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के सक्रिय होने के बाद से वैज्ञानिकों ने पाया है कि शुरुआती ब्रह्मांड की आकाशगंगाएं पहले के अनुमानों से कहीं अधिक चमकदार और विकसित थीं। यह खोजें इतनी चौंकाने वाली रही हैं कि वैज्ञानिकों को अब ब्रह्मांड की मौजूदा समझ पर सवाल उठाने पड़े हैं।

रुसी ड्रोन हमले के बाद इलाके में मलबा

यूक्रेन के खारकीव में रुसी ड्रोन हमले के बाद इलाके में मलबा नजर आया।

भूकंप की दहशत कायम, म्यांमार में लाखों लोगों ने सड़कों पर गुजारी रात

नेपीडो, 30 मार्च (एजेंसियां) ।

म्यांमार में आए भूकंप ने जमकर तबाही मचाई है। सैकड़ों लोगों की मौत हो गई और हजारों मकान चकनाचूर हो गए। कहीं फिर से भूकंप न आ जाए इसको लेकर लोगों के मन डर है।

दहशत में जी रहे लाखों लोगों ने सड़कों पर रात गुजारी।म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के भूकंप के बाद जन-जीवन अस्तव्यस्त हो गया है। म्यांमार पहले से ही राजनीतिक अस्थिरता का सामना कर रहा था। वहीं भूकंप आने के बाद राहत और बचाव का काम भी ठीक से नहीं हो पा रहा है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर और सड़कों को हुए नुकसान की वजह से राहत सामग्री का पहुंचना भी मुश्किल हो गया है। वहीं भूकंप के झटकों (आफ्टरशॉक) के डर से हजारों लोग अपने घरों को छोड़कर सड़कों पर ही सोए। यूएन ऑफिस फॉर कोऑर्डिनेशन ऑफ ह्यूमनिटेरियन अफेयर्स के मुताबिक घरों को हुए नुकसान और भूकंप के झटकों के डर से बहुत लोगों की हिम्मत घर के अंदर जाने की भी नहीं हुई। ऐसे में उन्होंने घर के बाहर ही रात काटी। कई सड़कों और पुलों को भी नुकसान हुआ है जिसकी वजह से आना-जाना मुश्किल हो रहा है। घायल लोगों तक दवाइयां पहुंचाना भी मुश्किल हो गया है। हाइवे पर दरारें पड़ने की वजह से बसों को भी रोक दिया गया है।

भारत ने भी 15 टन राहत सामग्री पहुंचाई

भारत ने भी 15 टन राहत सामग्री पहुंचाई म्यांमार पहुंचाई है और आपातकालीन मिशन 'ऑपरेशन ब्रह्मा'के तहत बचाव दलों के साथ हवाई और समुद्री मार्ग से और आपूर्ति भेजी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने म्यांमा के सैन्य जनरल मिन आंग ह्लाइंग से बात की और कहा कि भारत उनके देश में आए भीषण भूकंप से मची तबाही से निपटने के प्रयासों में उनके साथ एकजुटता से खड़ा है। भारत ने म्यांमा के लिए अपने बचाव अभियान को ऑपरेशन ब्रह्मा नाम दिया है।

पिरामिडों के नीचे फैली जटिल भूमिगत संरचना का पता चला

काहिरा, 30 मार्च (एजेंसियां) ।

यूनिवर्सिटी ऑफ़ पीसा के वैज्ञानिकों ने एडवांस राडार तकनीक से मिस्र में गीज़ा के पिरामिडों को स्कैन किया, जिससे उनके नीचे फैली एक जटिल भूमिगत संरचना का पता चला है। यूनिवर्सिटी ऑफ़ पीसा के वैज्ञानिक कोराडो मलंगा और यूनिवर्सिटी ऑफ़ स्ट्रैथक्लाइड के फिलिपो बायोन्डी ने खफ़्रे पिरामिड की जांच के लिए सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) टोमोग्राफी का उपयोग किया।

खफ़्रे पिरामिड, गीज़ा की दूसरी सबसे बड़ी संरचना है, और स्कैन में इसके आधार के पास पांच समान भूमिगत संरचनाएं मिलीं। इन संरचनाओं में कई स्तर थे और ये जटिल ज्यामितीय मार्गों से आपस में जुड़ी हुई थीं। इसके अलावा, वैज्ञानिकों ने आठ ऊर्ध्वाधर बेलनाकार कुएं खोजे, जो 648 मीटर तक फैले हुए सर्पिल रास्तों से घिरे थे। इनका अंत दो विशाल घनाकार संरचनाओं में हुआ, जिनकी प्रत्येक भुजा लगभग 80 मीटर की थी। इस खोज के बाद, वैज्ञानिकों ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें उन्होंने बताया कि यह अध्ययन पिरामिडों के पारंपरिक शाही कब्र होने की धारणा को चुनौती देता है। इस भूमिगत नेटवर्क के उद्देश्य को लेकर कई सिद्धांत सामने आए हैं।

कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि इसका संबंध यांत्रिक या ऊर्जा संचयन से हो सकता है। यह खोज निकोला टेस्ला और क्रिस्टोफर डन के सिद्धांतों से मेल खाती है। टेस्ला, जो बिजली और वायरलेस ऊर्जा पर काम करने वाले प्रसिद्ध आविष्कारक थे, मानते थे कि पिरामिड पृथ्वी की प्राकृतिक ऊर्जा को एकत्र कर सकते हैं। वहीं, क्रिस्टोफर डन ने अपनी पुस्तक द गीज़ा पावर प्लांट में दावा किया था कि ग्रेट पिरामिड एक विशाल मशीन हो सकता है, जो कंपन को ऊर्जा में परिवर्तित करता है।

इजराइल के बंधकों को छोड़ेगा हमास, नए समझौते पर बनी सहमति

गाजा पट्टी। हमास ने शनिवार को घोषणा की कि उसने मिस्र और कतर द्वारा प्रस्तावित गाजा युद्धविराम समझौते को स्वीकार कर लिया है। हमास नेता खलील अल-हया ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, कि हमने इस प्रस्ताव को सकारात्मक रूप से लिया है और उम्मीद करते हैं कि इजरायल भी इसे स्वीकार करेगा। इसके तहत अब हमास हर हफ्ते इजराइल के 05 बंधक रिहा करेगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते के तहत हर हफ्ते 05 इजराइली बंधकों को हमास द्वारा रिहा किया जाएगा। इससे पहले, संघर्षविराम का पहला चरण 19 जनवरी को लागू हुआ था, जिसमें युद्धविराम, कुछ इजराइली बंधकों की रिहाई और कुछ फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई शामिल थी। दूसरे चरण पर मतभेद संघर्षविराम के दूसरे चरण का उद्देश्य शेष बंधकों की रिहाई और गाजा से इजरायली सैनिकों की वापसी पर समझौता करना था। हमास का कहना था कि किसी भी प्रस्ताव में इस चरण की अनुमति दी जानी चाहिए, जबकि इजराइल ने पहले 42-दिवसीय चरण का विस्तार करने की पेशकश की थी। इजराइल और अमेरिका का मानना है कि युद्ध के बाद हमास को गाजा के प्रशासन में कोई भूमिका नहीं दी जानी चाहिए। हवाई हमले और हिंसा जारी इस बीच, शनिवार को इजराइली हवाई हमले गाजा में जारी रहे, जिसमें स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार कम से कम 20 फिलिस्तीनी मारे गए। इजरायल ने 18 मार्च से हमास पर अपने हमले तेज कर दिए हैं और साफ किया है कि जब तक सभी बंधकों को रिहा नहीं किया जाता, यह सैन्य अभियान जारी रहेगा।

न्यूक्लियर डील को लेकर ट्रंप की ईरान को धमकी

अगर समझौता नहीं किया तो बमबारी होगी...

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से धमकी दी है कि अगर ईरान न्यूक्लियर डील पर सहमति नहीं बनाता, तो बमबारी की जाएगी। साथ ही उसे कड़े आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा।

रॉयटर्स के मुताबिक एनबीसी न्यूज को दिए टेलीफोन इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत जारी है, लेकिन अगर ईरान समझौता नहीं करता, तो बमबारी होगी। उन्होंने कहा कि अगर ईरान समझौता नहीं करता, तो मैं उन पर फिर से सेकेंडरी टैरिफ (द्वितीयक प्रतिबंध) लगा दूंगा, जैसा मैंने चार साल पहले किया था।

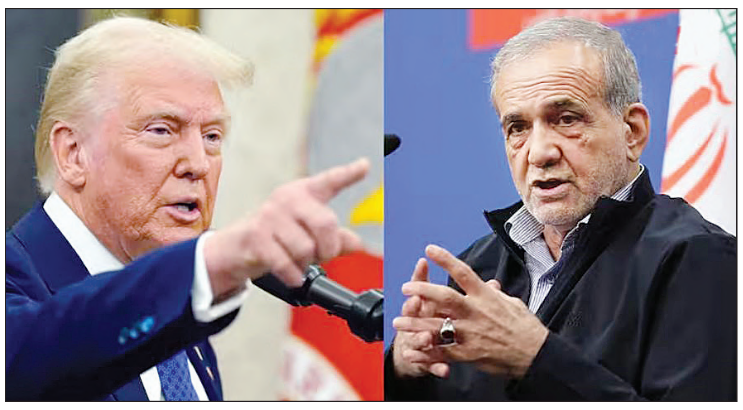

ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में अमेरिका को 2015 के ईरान परमाणु समझौते से अलग कर लिया था। यह समझौता ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर सख्त प्रतिबंध लगाता था, जिसके बदले में उसे आर्थिक प्रतिबंधों से राहत मिलती थी। इसके बाद ट्रंप ने ईरान पर कड़े अमेरिकी प्रतिबंध दोबारा लागू कर दिए, जिससे ईरान का आर्थिक संकट और बढ़ गया।

ईरान ने ट्रंप की धमकी खारिज की

वहीं, तेहरान ने ट्रंप की धमकियों को खारिज कर दिया है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने कहा कि ईरान ने ट्रंप के पत्र का जवाब ओमान के माध्यम से भेज दिया है। पत्र में ट्रंप ने ईरान से नए परमाणु समझौते की अपील की थी। ट्रंप की इस धमकी से मिडिल ईस्ट में तनाव और बढ़ सकता है, क्योंकि ईरान लगातार अपने यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को तेज कर रहा है।

2018 के बाद से अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ा है। इस दौरान, गाजा में इजरायल-हमास संघर्ष के दौरान ईरान समर्थित समूहों के नेताओं पर भी हमले हुए। वर्तमान में अमेरिका यमन में हूती विद्रोहियों पर हवाई हमले कर रहा है, जिससे मिडिल ईस्ट में संघर्ष और गहरा गया है। इसके अलावा ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर सैन्य कार्रवाई की आशंका अब भी बनी हुई है। माना जा रहा है कि अगर ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर कोई समाधान नहीं निकालता, तो अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों की प्रतिक्रिया और सख्त हो सकती है।

हिमाचल के मणिकर्ण में भूस्खलन से बड़ा हादसा

3 महिलाओं समेत 6 की मौत, 5 घायल

कुल्लू, 30 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के मणिकर्ण में एक भीषण भूस्खलन हुआ, जिसमें 6 लोगों (3 महिला और 3 पुरुष) की मौके पर मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल हो गए हैं। हादसा करीब 5 बजे हुआ, जब गुरुद्वारे के सामने कई लोग सड़क किनारे बैठे हुए थे। भूस्खलन के दौरान पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा गिरा, इसी के साथ एक पेड़ भी नीचे आ गिरा। इसकी चपेट में कई लोग आ गए।जानकारी के मुताबिक सड़क किनारे खड़े रेहड़ी संचालक, एक सूमो सवार और तीन पर्यटकों की मौके पर ही मौत हो गई है। हादसे में जान गंवाने वालों की शिनाख्त की जा रही है। घटनास्थल पर रेस्क्यू टीम पहुंच गई है।कूल्लू के एडीएम अश्विनी कुमार ने बताया कि मणिकर्ण गुरुद्वारा

पार्किंग के पास पेड़ उखड़ने से 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया गया है., प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है। मणिकर्ण एसएचओ के नेतृत्व में पुलिस की टीम मौके पर मौजूद है. जो रेस्क्यू ऑपरेशन में कॉर्डिनेट कर रही है. क्षेत्रीय राजस्व एजेंसी भी मौके पर हैं, जो स्थिति का आकलन कर रही हैं. जरी से फायर ब्रिगेड घटनास्थल के लिए रवाना हो चुकी है। डॉक्टरों की एक टीम के साथ बीएमओ जरी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं।कुल्लू के एसडीएम विकास शुक्ला ने बताया कि मैं घटनास्थल पर पहुंच गया हूं और स्थिति की निगरानी कर रहा हूं. मृतकों को ले जाने के लिए शव वाहन को घटनास्थल पर भेजा गया है।

पश्चिम बंगाल में मोथाबाड़ी में सांप्रदायिक तनाव जारी, 57 लोग गिरफ्तार

कोलकाता, 30 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के मोथाबाड़ी में तनाव जारी है। यहां पर पिछले सप्ताह सांप्रदायिक हमले हुए थे। राज्य पुलिस ने इस मामले में अब तक 57 लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है।

जबकि राज्य पुलिस ने कलकत्ता हाईकोर्ट में भी दावा किया कि मोथाबाड़ी की स्थिति लगभग नियंत्रण में है, वहीं राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने इन दावों का खंडन किया।

शुभेंदु अधिकारी के अनुसार, यदि स्थिति नियंत्रण में होती तो तनाव वाले स्थानों से दूर बैरिकेड्स लगाकर विपक्षी पार्टी के नेताओं और मीडियाकर्मियों के प्रवेश पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाता।शुभेंदु अधिकारी ने पिछले सप्ताह राज्यपाल सीवी आनंद बोस को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने उनसे अनुरोध किया था कि वे राज्य सरकार को निर्देश दें कि स्थिति नियंत्रण में आने तक मोथाबाड़ी में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) को तैनात किया जाए।

इस बीच, पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार रविवार को मोथाबाड़ी का दौरा करेंगे और प्रभावित हिंदू परिवारों के सदस्यों से बात करेंगे।

तनाव वाले स्थानों के आसपास पहले से ही बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और बैरिकेड्स लगा दिए गए हैं, संभवतः मजूमदार और उनके साथियों को अशांत क्षेत्र में जाने से रोकने के लिए।

जिला पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इलाके में तनाव को फिर से भड़कने से रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इस बीच, पश्चिम बंगाल में भाजपा नेतृत्व ने इस मामले की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) से जांच कराने की मांग करते हुए इस सप्ताह कलकत्ता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने की तैयारी शुरू कर दी है।

कलकत्ता हाईकोर्ट की एक खंडपीठ ने पहले ही मालदा के जिला मजिस्ट्रेट और जिला पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट मांगी है कि मोथाबाड़ी में तनाव कैसे भड़का। हाईकोर्ट को ये रिपोर्ट सौंपने की अंतिम तारीख तीन अप्रैल है।

शनिवार शाम को पश्चिम बंगाल पुलिस के दो अधिकारियों ने आगामी रामनवमी के शुभ अवसर पर राज्य में शांति भंग करने के संभावित प्रयासों के प्रति चेतावनी जारी की थी। अतिरिक्त महानिदेशक (दक्षिण बंगाल) सुप्रतिम सरकार ने दावा किया कि पुलिस को कुछ निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा आगामी दिनों में हिंसा भड़काने की कोशिश के बारे में विशिष्ट खुफिया जानकारी मिली है। सरकार ने कहा, विभिन्न पोस्टरों या पोस्ट के माध्यम से लोगों को भड़काने की योजना है। पुलिस सतर्क है। विभिन्न समुदायों के लोगों के बीच तनाव भड़काने की कोशिश हो सकती है, खासकर रामनवमी के अवसर पर। हम लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे उकसावे में न आएं। चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन साथ ही हम लोगों से यह भी अनुरोध करते हैं कि वे सतर्क रहें और अपने-अपने क्षेत्रों में किसी भी संदिग्ध गतिविधि को देखने पर स्थानीय पुलिस को सूचित करें।

इंडिगो पर इनकम टैक्स ने लगाई 944 करोड़ रुपये की पेनल्टी

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से लगाई गई 944.20 करोड़ रुपये की पेनल्टी को देश की बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने गलत बताया है और कहा कि इस आदेश को वह कानूनी रूप से चुनौती देगी।

एयरलाइन की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन पर शनिवार को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से पेनल्टी का नोटिस मिला था।

रेगुलेटरी फाइलिंग में रविवार को कंपनी ने कहा कि यह पेनल्टी असेसमेंट ईयर 2021-22 के लिए थी।

कंपनी का मानना है कि यह आदेश कानून के अनुरूप नहीं है। साथ ही इंडिगो ने इस आदेश को गलत बताया।

इंडिगो ने आश्वासन दिया है कि वह पेनल्टी के खिलाफ कानूनी उपाय अपनाएगी। बड़ी पेनल्टी के बावजूद, इंडिगो ने स्पष्ट किया है कि इस आदेश का उसके वित्तीय, परिचालन या समग्र व्यावसायिक गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

यह पेनल्टी ऐसे समय में लगाई गई है जब इंडिगो पहले से ही वित्तीय चुनौतियों से जूझ रही है। वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में इंडिगो के शुद्ध लाभ में 18.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इस दौरान एयरलाइन की आय एक साल पहले के 2,998.1 करोड़ रुपये से घटकर 2,448.8 करोड़ रुपये रह गई थी।

इसके अलावा, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी की ऑपरेशनल लागत 20 प्रतिशत बढ़कर 20,466 करोड़ रुपये हो गई है, जिसका असर कंपनी के मुनाफे पर देखने को मिला है।

डीजीसीए की मासिक यात्री यातायात रिपोर्ट के मुताबिक, इंडिगो 63.7 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ देश की सबसे बड़ी एयरलाइन बनी हुई है। फरवरी 2025 में इस बजट एयरलाइन में 89.40 लाख यात्रियों ने उड़ान भरी।

इंडिगो के बाद एयर इंडिया समूह का स्थान रहा, जिसमें एयर इंडिया एक्सप्रेस भी शामिल है। फरवरी में टाटा ग्रुप की एयरलाइन में 38.30 लाख यात्रियों ने उड़ान भरी, जिससे एयरलाइन का मार्केट शेयर 27.3 प्रतिशत हो गया है।

अकासा एयर में 6.59 लाख यात्रियों ने उड़ान भरी और एयरलाइन का मार्केट शेयर 4.7 प्रतिशत रहा। स्पाइसजेट में 4.54 लाख यात्रियों ने हवाई यात्रा की और एयरलाइन का मार्केट शेयर 3.2 प्रतिशत रहा।

पंजाब पुलिस ने सीमा पार मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया

चंडीगढ, 30 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने रविवार को एक सीमा पार मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से छह किलोग्राम हेरोइन बरामद की।

पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच से पता चला है कि गिरफ्तार लोगों के पास से बरामद हेरोइन पाकिस्तान स्थित तस्करों ने भेजी थी। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, तरनतारन पुलिस ने गुप्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सीमा पार मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया और दो मादक पदार्थ तस्करों हरदीप सिंह उर्फ दीप और हरजीत सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से छह किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है।यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पाकिस्तान स्थित तस्करों की संलिप्तता सामने आई है, जिन्होंने मादक पदार्थ भारत भेजा था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तस्करों का पहले से ही आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। डीजीपी के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

झारखंड के गुमला-सिमडेगा में हाथियों का उत्पात चार दिन में सात लोगों को कुचलकर मार डाला

रांची, 30 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के गुमला और सिमडेगा जिले में गुस्साए हाथियों ने कोहराम मचा डाला है। रविवार को गुमला में जंगली हाथी ने दो लोगों को कुचलकर मार डाला। हमले में एक अन्य व्यक्ति जख्मी है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पिछले चार दिनों के अंदर इन दोनों जिलों में हाथियों के हमले में सात लोगों की मौत हुई है।

गुमला जिले के रायडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत डेरांगडीह अम्बाकोना जंगल में महुआ चुनने गए 45 वर्षीय जेम्स कुजूर को रविवार अहले सुबह हाथी ने कुचल डाला। उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बाद में पुलिस और वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर उनका क्षत-विक्षत शव बरामद किया। इसी तरह अल्बर्ट एक्का प्रखंड में हाथी ने 73 वर्षीय क्लाइमेट एक्का को उनके घर के पास ही सूंड में लपेटकर पटक डाला। गंभीर रूप से घायल हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।इसके बाद यह हाथी पड़ोस के जर्माना गांव पहुंचा, जहां शौच के लिए खेत की तरफ गए 50 वर्षीय शख्स अरविंद सिंह राजावत को भी पटक कर जख्मी कर दिया। इसके पहले शुक्रवार को गुमला के पालकोट थाना के बरडीह-देवगांव में शौच के लिए खेत की तरफ गए क्रिस्टोफर एक्का को भी हाथी ने कुचलकर मार डाला था। उसी दिन इस हाथी ने तेतरटोली गांव में पौधे से लाह निकाल रही हेमवती देवी को सूंड में लपेटकर पटक दिया, जिससे उनकी भी तत्काल

मौत हो गई थी।

बीते गुरुवार और शुक्रवार को हाथी ने पड़ोस के सिमडेगा जिले में तीन लोगों को कुचलकर मार डाला था। महाबुआंग थाना क्षेत्र के बुरुइरगी डेबोटोली में गुरुवार रात घर के बाहर सोए विकास ओहदार जंगली हाथी के हमले में मारे गए थे। शुक्रवार की सुबह सिमडेगा के बानो थाना क्षेत्र के जमांग गांव में हाथी ने 45 वर्षीय सिबिया लुगुन को कुचलकर मार डाला था।ग्रामीणों के अनुसार, दो से तीन हाथी अपने झुंड से बिछड़ गए हैं और पिछले चार-पांच दिनों से गुमला-सिमडेगा जिले के गांवों में घूम-घूमकर उत्पात मचा रहे हैं। इन हाथियों ने कई घरों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। जिस भी इलाके में हाथी पहुंच रहे हैं, वहां अफरा-तफरी मच जा रही है। मशाल जलाकर और ढोल मचाकर हाथियों को भगाने की ग्रामीणों की कोशिश भी नाकाम हुई है। वन विभाग माइक से लगातार अनाउंस कराकर लोगों को जागरूक कर रहा है।

31 मार्च 2026 के बाद नक्सलवाद केवल इतिहास बनकर रह जाएगा : शाह

नयी दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर में रविवार को 50 नक्सलियों के आत्मसमर्पण को हर्ष का विषय बताते हुए कहा कि 31 मार्च 2026 के बाद देश में नक्सलवाद केवल इतिहास बनकर रह जाएगा।श्री शाह ने कहा,बहुत हर्ष का विषय है कि बीजापुर (छत्तीसगढ़) में 50 नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण किया। हिंसा और हथियार छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल होने वालों का मैं स्वागत करता हूँ। मोदी जी (प्रधानमंत्री) की नीति स्पष्ट है कि जो भी नक्सली हथियार छोड़कर विकास का मार्ग अपनाएँगे, उनका पुनर्वास कर उन्हें मुख्यधारा से जोड़ा जाएगा।

श्री शाह ने बाकी लोगों से भी मैं पुनः अपील करता हूँ कि वे हथियार त्याग कर मुख्यधारा में आएँ। आगामी 31 मार्च 2026 के बाद देश में नक्सलवाद केवल इतिहास बनकर रह जाएगा, यह हमारा संकल्प है।गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में रविवार को 68 लाख के इनामधारी 50 नक्सलियों ने सामूहिक आत्मसमर्प कर माओवादी संगठन को करारा झटका दिया है।एक साथ इतनी बड़ी संख्या में नक्सलियों के सरेंडर करने से माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। समर्पण करने वालों में कई वांछित नक्सली शामिल थे।

फिल्म 'एम्पुरान' से हटेंगे वे सीन जिनमें हिंदुओं किया गया बदनाम, मोहनलाल ने माँगी माफी

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)। मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार मोहनलाल की फिल्म 'एल2: एम्पुरान' रिलीज के बाद से ही विवादों में घिरी है। फिल्म में 2002 के गोधरा दंगों को जिस तरह दिखाया गया और हिंदुओं के खिलाफ प्रोपेगेंडा फैलाया, उससे हिंदू समुदाय भड़क गया। कई लोगों का कहना है कि फिल्म में हिंदुओं को गलत और बेरहम दिखाया गया, जिससे उन्हें दुख पहुँचा है।

इस बवाल के बाद मोहनलाल ने रविवार को फेसबुक पर एक भावुक पोस्ट लिखी और अपने फैन्स से माफी माँगी। उन्होंने कहा कि फिल्म में कुछ सीन और बातें ऐसी थीं, जिनसे उनके चाहने वालों को ठेस पहुँची, और वो इसके लिए शर्मिंदा हैं। मोहनलाल ने वादा किया कि फिल्म से वो सारी चीजें हटा दी जाएँगी, जो लोगों को परेशान कर रही हैं।

'एम्पुरान' फिल्म 'लूसिफर' का सेकंड पार्ट है, जिसे एक्टर-डायरेक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन ने बनाया है। फिल्म में पृथ्वीराज का किरदार जायद मसूद है, जिसकी कहानी शुरू होती है गोधरा दंगों से। फिल्म में दिखाया गया कि कैसे हिंदू कट्टरपंथियों ने एक मुस्लिम परिवार को बेरहमी से मार डाला। इसके अलावा, उस वक्त गुजरात में सत्ताधारी बीजेपी और तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया गया। ये सीन देखकर हिंदू संगठनों में गुस्सा भड़क गया। लोगों ने सोशल मीडिया पर मोहनलाल और पृथ्वीराज को खूब खरी-खोटी सुनाई। कुछ ने इसे 'लव जिहाद' की कहानी को बढ़ावा देने वाला बताया, तो कुछ ने कहा कि ये हिंदुओं को बदनाम करने की साजिश है।

मोहनलाल ने अपनी पोस्ट में लिखा, मुझे पता चला कि 'एम्पुरान' में कुछ राजनीतिक और सामाजिक बातों ने मेरे चाहने वालों को बहुत दुख पहुँचाया।

एक कलाकार के तौर पर मेरा फर्ज है कि मेरी कोई फिल्म किसी राजनीतिक आंदोलन, विचारधारा या धर्म के खिलाफ नफरत न फैलाए। इसलिए मैं और एम्पुरान की टीम अपने प्रियजनों को हुई तकलीफ के लिए दिल से माफी माँगते हैं। हमने फैसला किया है कि फिल्म से वो सारी चीजें हटा देंगे। उन्होंने ये भी कहा कि पिछले 40 सालों से उनके फैन्स ही उनकी ताकत हैं और उनके बिना मोहनलाल कुछ भी नहीं।

विवाद इतना बढ़ गया कि फिल्म के प्रोडक्शन हाउस ने ऐलान किया कि 'एम्पुरान' से 17 सीन हटाए जाएँगे। इनमें दंगों के सीन और महिलाओं के खिलाफ हिंसा दिखाने वाले हिस्से शामिल हैं। दूसरी तरफ, बीजेपी की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा के स्टेट जनरल सेक्रेटरी के. गणेश ने पृथ्वीराज पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पृथ्वीराज के 'विदेशी कनेक्शन' की जाँच होनी चाहिए।

गणेश ने दावा किया कि उनकी पिछली फिल्में जैसे 'कुरुथी' और 'जन गण मन' भी 'देश विरोधी' थीं। उन्होंने पृथ्वीराज के जॉर्डन में फिल्म 'आडुजीवितम' की शूटिंग के दौरान उनके संपर्कों पर भी सवाल उठाए।

गोधरा दंगे 27 फरवरी 2002 को शुरू हुए थे, जब अयोध्या से लौट रहे 59 कार-सेवकों को साबरमती एक्सप्रेस के एक कोच में जिंदा जला दिया गया था। ये हमला मुस्लिमों की भीड़ ने किया था। इसके बाद गुजरात में भयानक दंगे भड़क उठे। लेकिन 'एम्पुरान' में सिर्फ हिंदुओं को दोषी दिखाने की कोशिश ने लोगों का गुस्सा बढ़ा दिया। सच ये है कि गोधरा की घटना को लेकर सालों से राजनीति होती रही है, पर उस ट्रेन में जलाए गए कारसेवकों की बात कम ही होती है। इस फिल्म ने उस पुराने दर्द को फिर से कुरेद दिया।

जयपुर से आ रहे विमान का टायर क्षतिग्रस्त होने के बाद चेन्नई में आपात लैंडिंग

चेन्नई, 30 मार्च (एजेंसियां)। जयपुर से रविवार तड़के रवाना हुए विमान का टायर क्षतिग्रस्त होने के बाद उसे चेन्नई हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतार लिया गया।

स्पाइसजेट एयरलाइंस की ओर से जारी बयान के मुताबिक फ्लाइट एसजी-9046 जयपुर से करीब 02.00 बजे रवाना हुई। विमान में 82 यात्री सवार थे। उड़ान भरने के बाद और जब फ्लाइट हवा में उड़ने के लिए तैयार थी, तब एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) अधिकारियों ने फ्लाइट क्रू को रनवे पर टायर का एक टुकड़ा मिलने की सूचना दी। इसके बावजूद फ्लाइट गंतव्य की ओर रवाना हो गयी, क्योंकि फ्लाइट क्रू ने सभी ऑपरेशन और अन्य पैरामीटर सामान्य पाए। इस बीच चेन्नई एटीसी को सूचित किया गया और आपात लैंडिंग के लिए अनुमति मांगी गयी। चेन्नई में एटीसी अधिकारियों ने सभी व्यवस्थाएं कीं और विमान को 05.46 बजे सुरक्षित तरीके से उतार लिया गया।चेन्ई हवाई अड्डे के अधिकारियों के मुताबिक लैंडिंग के बाद अधिकारियों ने पाया कि विमान का एक पहिया क्षतिग्रस्त हो गया था।

औरंगजेब कब्र विवाद पर राज ठाकरे की दो टूक

फिल्म देखकर जागने वाला हिंदू कुछ काम का नहीं

मुंबई, 30 मार्च (एजेंसियां)। गुड़ी पड़वा के मौके पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने दादर के शिवाजी पार्क में विशाल रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में जिन लोगों ने मतदान किया उनका आभार व्यक्त करता हूं। महाकुंभ मेले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि गंगा नदी साफ-सफाई की मुहिम पहले राजीव गांधी ने शुरु की थी। उसके बाद नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जंगल और प्राणी प्रेमी है।

कुंभ मेले का जिक्र करते हुए उन्होंने ये भी कहा कि मेरे पास कुछ उत्तर भारतीय लोग आए। उन्होंने बताया कि गंगा में स्नान करने के बाद बीमार पड़ गए। मंच से उन्होंने गंगा नदी का वीडियो क्लिप भी दिखाया। उन्होंने कहा कि नदियों को लेकर अव्यवस्था है जिसे हम माता और देवी कहते हैं।राज ठाकरे ने औरंगजेब की कब्र पर विवाद को लेकर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, औरंगजेब की कब्र रहनी चाहिए कि नहीं, यह मुद्दा आया कहां से? फिल्म देखकर जागने वाला हिंदू किसी काम का नहीं। विक्की कौशल को मरने के बाद छत्रपति संभाजी महाराज का बलिदान याद आया क्या? औरंगजेब का क्या मामला था किसी को पता है क्या? औरंगजेब का जन्म गुजरात का है। कई मुद्दे सिर्फ आपस में भिड़ाने के लिए हैं।

इसके साथ ही उन्होंने कहा, औरंगजेब की कब्र का जो सजावट किया है उसे हटा दो। सिर्फ कब्र को रखो। वहां पर बड़ा बोर्ड लगा दो। बोर्ड पर लिखो कि जो हमारे छत्रपति शिवाजी महाराज के विचारों को जो मारने आया था उसे महाराष्ट्र की भूमि में दफनाया। छोटे छोटे बच्चों को वहां ट्रिप पर लेकर जाओ और उन्हें दिखाओ औरंगजेब को यहां दफनाया गया।

वहीं मराठी भाषा पर उन्होंने कहा कि हर एक प्रांत की राजभाषा है और महाराष्ट्र की राजभाषा मराठी है। उसका सम्मान होना ही चाहिए। नहीं तो कान के नीचे आवाज आएगी।

रूपहले पर्दे पर वेदना की प्रतिमूर्ति मीनाकुमारी

रजतपट की रूपहली दुनिया में अभिनेत्रियां आती-जाती रहती हैं। कुछ धमाके के साथ फिल्मी दुनिया में पदार्पण करती है, तो कुछ बिना धूम धड़ाके से इस रूपहली दुनिया में प्रवेश करती है। पर बहुत कम अभिनेत्रियां ऐसी होती है, जो अभिनय के माध्यम से दर्शकों के दिलों पर अधिकार कर लेती हैं। स्वर्गीय मीना कुमारी की गिनती भी ऐसी अभिनेत्रियों में होती है, जिन्हें भारतीय सिनेमा के दर्शक आज तक भुला नहीं पाए हैं।

केवल चार साल की मासूम उम्र से अभिनय के क्षेत्र में अपने कदम रखने वाली मीना कुमारी ने जहां गमगीन नारी के अभिनय के नये कीर्तिमान रचे, वही उनका निजी जीवन भी नीर भरी दुःख की बदली बन गया। अत्यंत गरीबी में पलने वाली मीना कुमारी ने अत्यधिक विवशता में अभिनय शुरू किया था। चार साल की आयु में जब उन्हें पैरों में पैजनियां बांधकर ठुमक ठुमक कर चलना था, तब वे रोशनियों की चकाचौंध में कैमरों के सामने अभिनय करने को विवश थी। उनकी पहली, फिल्म थी लेदर फेस जिसमें वे बाल कलाकार के रूप में आयी थी । इसके अलावा उन्होने एक ही भूल, गरीब, लाल हवेली, बहन और प्रतिज्ञा में काम किया । पहिले वे महजबीन के नाम से अभिनय करती थी। पर एक ही भूल में विजय भट्ट ने उन्हें मीना कुमारी के नाम से प्रस्तुत किया। सन् 1946 में मीना कुमारी, जब केवल 14 वर्ष की थी, तब उन्हें नायिका की भूमिका मिली । नायिका के रूप में उनकी पहली फिल्म थी बच्चों का खेल पर उन्हें नायिका के रूप में असली ख्याति मदहोश से मिली।

इसके बाद मीना कुमारी, कमाल अमरोही के सम्पर्क में आयीं । कमाल अमरोही 'महल' बनाकर अच्छी ख्याति अर्जित कर चुके थे । वे अनारकली बना रहे थे। महल की नायिका मधुबाला ने इस फिल्म में काम करने से मना कर दिया था । कमाल अमरोही ने अनार कली में मीना कुमारी को प्रस्तुत किया । इससे फिल्म से जहां मीना कुमारी के अभिनय का डंका बजा, वहीं अत्यंत भावुक एवं संवेदनशील मीना कुमारी कवि एवं कलाकार के रूप में प्रसिद्ध, कमाल अमरोही के प्रेमपाश में बंध गयी। घर वालों के विरोध के बावजूद उन्होंने कमाल अमरोही की दूसरी पत्नी बनना स्वीकार कर लिया । वैवाहिक जीवन मीना कुमारी को रास नहीं आया । कमाल अमरोही और मीना कुमारी के दाम्पत्य संबंधों में दरार आई जो वह रोज की कहा सुनी और मारपीट में परिवर्तित हो गयी। अत्याचारों से दुखी मीना कुमारी ने कमाल अमरोही से रिश्ते तोड़ लिए और वे एकाकी जीवन बिताने लगी । गम, गुस्सा और अकेलेपन से पीड़ित मीनाकुमारी ने मानसिक तनाव दूर करने के लिए नींद की गोलियां खाना शुरू की । बाद में एक डाक्टर की सलाह पर उन्होने नींद की गोलियों की जगह एक पेग ब्रांडी पीना शुरू किया और कुछ ही दिनों बाद शराब उनकी आदत में शामिल हो गयी।

मीना कुमारी बचपन से ही प्यार, पनाह एवं स्नेह को तलाशती रही । उनकी डायरी में यह दर्द बार-बार उभर कर आया है। उनके जीवन काल में उन्हें गम की प्रतिमूर्ति माना जाता था। उन्हें थामस हार्डो की टेस अथवा शेक्सपियर की ओफेलियो कहा जाता था । राही मासूम रजा ने उन्हें अरस्तू की थ्योरी आफ टेजिक प्लेयर कहा है। गमजदा मीना कुमारी शायर भी थी । उनकी कई गजलों और नज्मों में उनका यह गम उभर कर सामने भी आया है। उनकी इसी तरह की एक गजल थी –

चांद तन्हा, आसमा तन्हा
दिल मिला कहां कहां तन्हा।
बुझ गई आस छूट गया तीर,
थर थराता रहां धुआं तन्हां ।
जिन्दगी क्या इसी को कहते हैं
जिस्म तन्हां और जां तन्हां ।
हम सफर कोई मिल गया तो क्या
दोनों चलते रहे तन्हां तन्हां ।

मीना कुमारी ने भारतीय फिल्म जगत को कई यादगार फिल्में दीं, जिनमें चित्रलेखा, आरती, फूल और पत्थर, साहिब बीबी और गुलाम, परिणीता और बैजू बावरा के नाम उल्लेखनीय हैं। उन्हें परिणीता और बेजूबावरा में श्रेष्ठ अभिनय के लिए दो बार फिल्म फेयर पुरस्कार भी मिले । 'पाकीजा' उनकी अंतिम फिल्म थी, इस फिल्म में उन्होंने बीमारी के बावजूद काम किया तथा अपने उत्कृष्ट अभिनय के नये कीर्तिमान कायम किए। पाकीजा प्रदर्शित हुई और सुपरहिट हुई । यह फिल्म जब भारतीय सिने दर्शकों के मन और मस्तिष्क पर छा रही थी तब मीना कुमारी अपनी जिन्दगी के अंतिम दिन गिन रही थी । उनकी गमजदा जिन्दगी दम तोड़ने जा रही थी, उनके ही शब्दों में टुकड़े टुकड़े दिन बीता, धज्जी धज्जी रात मिली। जिसका जितना आंचल था, उसको उतनी सौगात मिली।

–अंजनी सक्सेना

रकुल प्रीत को पसंद है त्यौहार पर सजना-संवरना

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने रविवार को गुड़ी पड़वा के मौके पर बताया कि यह उनके लिए नई शुरुआत और सकारात्मक ऊर्जा का दिन है। सिंह ने यह भी बताया कि उनकी पसंदीदा डिश 'पूरन पोली' है, जो खाकर उन्हें बहुत खुशी मिलती है।

यह पूछे जाने पर कि गुड़ी पड़वा पर उनकी पसंदीदा डिश कौन सी है, रकुल ने कहा, पूरन पोली, इसमें कोई शक नहीं! यह मीठी, मुलायम और घर जैसा एहसास देती है। मैं बचपन से ही त्योहारों के दौरान इसका लुत्फ उठाती रही हूं और इसका हर निवाला मुझे उन खुशनुमा पारिवारिक पलों की याद दिलाता है। इसे इतने प्यार से बनाया जाता है कि आप खुद को रोक नहीं पाते!

रकुल ने बताया, मेरे लिए गुड़ी पड़वा नई शुरुआत और सकारात्मक ऊर्जा का दिन है। यह साल का वह समय है जब सब कुछ नया लगता है। इस दिन नई एनर्जी, उम्मीदें और उत्सव भी रहता है। मुझे यह पसंद है कि यह परिवारों को एक साथ लाता है, चाहे वह पूजा के लिए हो, अच्छे भोजन के लिए हो या फिर सिर्फ क्वालिटी टाइम बिताने के लिए। यह खुशी के साथ बदलाव को अपनाने की याद दिलाता है!अभिनेत्री को त्योहारों पर सजना-संवरना बहुत पसंद है। उन्होंने बताया, गुड़ी पड़वा, साड़ी पहनने का बेहतरीन बहाना है। मैं आमतौर पर पीली या लाल रंग की साड़ी पहनती हूं, बिंदी, बड़े झुमके और बालों में ताजा गजरा लगाती हूं। त्योहारों के दिनों में भारतीय परिधान पहनने में कुछ खास बात होती है- इससे सब कुछ और ज्यादा उत्सवपूर्ण लगता है।

गुड़ी पड़वा चैत्र नवरात्रि के साथ आसपास पड़ता है, जिसे उत्तर भारत में व्यापक रूप से मनाया जाता है। अभिनेत्री ने कुछ यादें साझा कीं।उन्होंने कहा, उत्तर भारत में पले-बढ़े होने के कारण चैत्र नवरात्रि हमेशा एक खास समय होता था। मुझे हर जगह उत्सव का माहौल याद है- सुबह की प्रार्थना, भजन की आवाज और घर पर स्वादिष्ट सात्विक भोजन की सुगंध। आखिरी दो दिन हमेशा मेरे पसंदीदा होते थे क्योंकि हमें रिश्तेदारों के घर कन्या पूजन के लिए आमंत्रित किया जाता था और मुझे उपहार और प्रसाद मिलते थे। यह एक ऐसी परंपरा है, जो आज भी खूबसूरत यादें ताजा कर देती है। मुझे मौका मिलता है तो मैं परंपराओं, खासकर घर पर उपवास और उत्सवों को निभाने की कोशिश करती हूं।

अभिनेत्री कुब्रा सैत ने बताया, फैशन शो के बाद कलेक्शन का क्या होता है

अभिनेत्री कुब्रा सैत ने लैक्मे फैशन वीक 2025 के दौरान डिजाइनर नम्रता जोशीपुरा के लिए शो की शुरुआत की।अपने अनुभव शेयर करते हुए, 'सेक्रेड गेम्स' की एक्ट्रेस ने कहा, लाइट, साउंड, गाने, कपड़े, सब कुछ अद्भुत था – ऊर्जा शानदार थी। शो ओपनर के रूप में यह मेरा पहला रैंप वॉक था, और यह वास्तव में बहुत बड़ी बात है – यह बहुत बड़ा है, मैं अभी जश्न मना रही हूं।

कुब्रा ने बताया कि शो के बाद कलेक्शन का क्या होता है। उन्होंने खुलासा करते हुए कहा, यह बेहतरीन स्टोर में जाता है, बहुत से बेहतरीन लोग इस बेहतरीन कलेक्शन को पहनते हैं – लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मुझे लगता है कि यह जानना महत्वपूर्ण है कि हम क्या पहन रहे हैं – आप अपने दिमाग और सोच को उन कपड़ों को चुनने में लगाते हैं जिन्हें आप पहनना चाहते हैं और मुझे यह कहते हुए बहुत खुशी हो रही है कि नम्रता जोशीपुरा द्वारा इस कलेक्शन में बनाया गया हर एक परिधान, जो एक एथलीजर कलेक्शन है, बोतलों को रिसाइकिल करके बनाया गया है – इसलिए, यह टिकाऊ है, यह अद्भुत है, यह आपकी त्वचा के लिए अच्छा है, यह आपके दिल के लिए अच्छा है, यह आपकी चेतना के लिए अच्छा है।कुब्रा लोकप्रिय वेब सीरीज 'द ट्रायल सीजन 2' के बहुप्रतीक्षित सीक्वल का हिस्सा होंगी। वह इस ड्रामा में काजोल के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। यह शो रॉबर्ट किंग और मिशेल किंग की द गुड वाइफ का रूपांतरण है। इसके अलावा, कुब्रा की लाइनअप में अजय देवगन और मृणाल ठाकुर की 'सन ऑफ सरदार 2' भी शामिल है। विजय कुमार अरोड़ा द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण अजय देवगन ने जियो स्टूडियो के साथ अपने होम बैनर देवगन फिल्म्स के तहत किया है। यह फिल्म 2012 की फिल्म 'सन ऑफ सरदार' का सीक्वल है, जिसमें अजय देवगन और सोनाक्षी सिन्हा मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सामंथा रूथ प्रभु ने कहा, मेरे लिए सफलता का मतलब है दायरों को तोड़ आगे बढ़ना

साउथ फिल्मों की मशहूर अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु अपने विचारों के लिए फैंस के बीच काफी पसंद की जाती हैं। वह महिलाओं से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता से उठाती हैं और उन्हें ऐसे मुद्दों को उठाने में एक सुकून महसूस होता है। हाल में उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि उनके लिए सफलता का असली मतलब क्या है?

हाल ही में सिडनी के भारतीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफएस) के 11वें संस्करण के उद्घाटन समारोह में मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री ने कहा कि महिलाओं के लिए सफलता का मतलब सिर्फ उपलब्धियां हासिल करना नहीं है, बल्कि रूढ़िवादिता और सामाजिक बंधनों से मुक्त होना है। सामंथा ने स्वतंत्रता को अपनाने, कई भूमिकाएं निभाने और महिलाओं को क्या करना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए, इस बारे में पुरानी धारणाओं को चुनौती देने के महत्व पर प्रकाश डाला।

अभिनेत्री ने साझा किया, मैंने पहले भी कहा है – मेरे लिए सफलता का मतलब दायरों को तोड़ आगे बढ़ना है। मैं दूसरों के यह कहने का इंतजार नहीं करती कि मैं सफल हूं। सफलता का मतलब है अपने जुनून को खुले मन से हासिल करना। यह किसी बॉक्स में नहीं रखा जाना चाहिए और यह नहीं बताया जाना चाहिए कि महिलाएं क्या कर सकती हैं या क्या नहीं?

सिडनी के पॉवरहाउस म्यूजियम में फेस्टिवल डायरेक्टर के नेतृत्व में आयोजित एक सत्र के दौरान, सामंथा ने अपनी निजी और पेशेवर यात्रा के बारे में भी खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे उन्होंने बाधाओं का सामना किया और दृढ़ संकल्प के साथ अपने करियर को आकार दिया।सामंथा ने अपने निर्माता की भूमिका में आने के बारे में भी बात की। उन्होंने इसे एक सशक्त कदम बताया। उनके मुताबिक, यह उन्हें विविधतापूर्ण और सार्थक कहानियों को आगे बढ़ाने का अवसर देता है।

फेस्टिवल डायरेक्टर मितु भौमिक लांगे ने कहा, सामंथा की यात्रा सिडनी के भारतीय फिल्म महोत्सव के सार से जुड़ी है। यह फेस्टिवल भी प्रमाणिकता, दृढ़ता और विभिन्न मतों का जश्न मनाता है। हमें गर्व है कि इस साल सामंथा इसका नेतृत्व कर रही हैं।

लापता लेडीज में इंस्पेक्टर मनोहर बनना चाहते थे आमिर खान

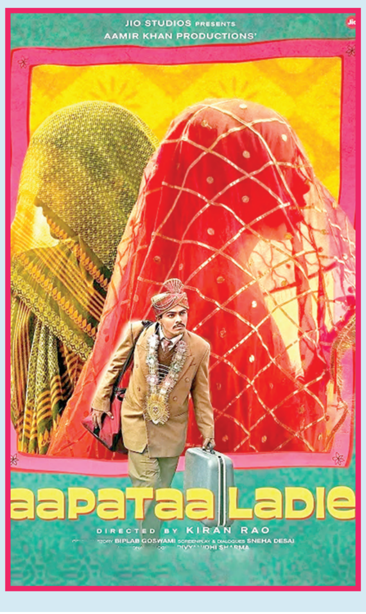

किरण राव की फिल्म 'लापता लेडिज' में सुपरस्टार आमिर खान 'इंस्पेक्टर मनोहर' का किरदार निभाना चाहते थे। हालांकि, वह ऑडिशन में फेल हो गए थे। उन्होंने पुलिस की वर्दी में खुद का एक ऑडिशन टेप शेयर किया, जिसमें वह पान चबाते नजर आए। 'लापता लेडीज' के लिए खारिज किए गए ऑडिशन क्लिप में अभिनेता का एक ऐसा पहलू दिखाया गया है, जो पहले कभी नहीं देखा गया। हालांकि, यह भूमिका बड़े पर्दे पर नहीं आई, लेकिन वीडियो को सोशल मीडिया यूजर्स पसंद कर रहे हैं। आमिर के नए यूट्यूब चैनल 'आमिर खान टॉकीज' ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें किरण राव ने खुलासा किया कि आमिर पहले फिल्म में 'श्याम मनोहर' नामक एक पुलिस वाले की भूमिका निभाने वाले थे, जो बाद में रवि किशन को मिल गई।

सामने आए ऑडिशन क्लिप में आमिर फिल्म के एक सीन में अभिनय करते नजर आए। वीडियो में अभिनेता एक पुलिसकर्मी के रूप में दिखाई दे रहे हैं,

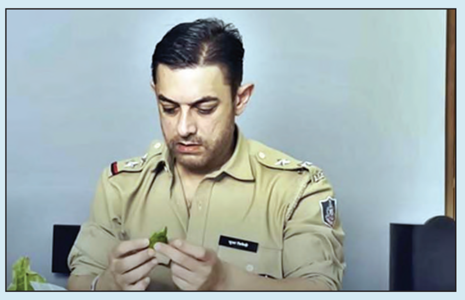

जो आराम से पान चबाते हुए वहां उपस्थित लोगों से बात करते नजर आए। ऑडिशन क्लिप में आमिर पुलिस की वर्दी में 'श्याम मनोहर' की भूमिका के लिए अलग-अलग हाव-भाव के साथ ऑडिशन देते नजर आए। वह क्लिप में कुछ गलतियां भी करते हैं। इससे पहले निर्माता-निर्देशक किरण राव ने खुलासा किया था कि आमिर शुरू में 'श्याम मनोहर' की भूमिका निभाने के लिए उत्सुक थे और उन्होंने इस भूमिका के लिए ऑडिशन भी दिया था। हालांकि, रवि किशन का स्क्रीन टेस्ट देखने के बाद उन्हें लगा कि किशन इसके लिए बेहतर हैं और उन्हें मौका दिया। आमिर खान ने बताया था कि किरण ने उन्हें इस भूमिका के लिए मना कर दिया था, उन्होंने कहा, मैं फिल्म में पुलिस वाले की भूमिका निभाना चाहता था और मैंने स्क्रीन टेस्ट भी दिया था, लेकिन उन्होंने मुझे ऐसा करने नहीं दिया। मैं इस किरदार को निभाने के लिए बहुत उत्सुक था और मुझे लगता है कि मेरा टेस्ट बहुत अच्छा भी हुआ, लेकिन किरण से इस बारे में चर्चा करने के बाद हम दोनों इस बात पर सहमत हुए कि रवि किशन भूमिका के लिए सही हैं। यह आपसी सहमति से लिया गया फैसला था। आईफा 2025 में 'लापता लेडीज' ने 10 ट्रॉफियों को अपने नाम किया था। रवि किशन को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार मिला था।

श्रद्धा व भक्ति का केन्द्र लालकुआँ का माँ अवंतिका मंदिर

कुमाऊं के प्रवेश द्वार लालकुआं नगर में अवन्तिका माता बड़ी ही श्रद्धा के साथ पूजित हैं। मान्यता है, कि मर्यादित, संयमित नीतिसम्मत, सिद्धान्तपरक, मूल्यपरक कुल मिलाकर शान्तिपूर्वक जीवन यापन व्यतीत करने के इच्छुक भक्तों के लिए माँ अवन्तिका की शरणागति ही हर तरह के संशय, संकट ,भय ,रोग,शोक दुःख ,दरिद्र, एवं विपदाओं से मुक्त करती है। शिव के साथ माँ का पूजन वैभव को प्रदान करने वाला कहा गया है।

मानस भूमि के प्रवेश द्वार लालकुआं नगर के उत्तर दिशा में माता अवन्तिका का दरबार सदियों से पूज्यनीय है, इस स्थान पर माता अवन्तिका की पूजा कब से होती है यह सब अज्ञात है। कुछ देवी भक्तों का मानना है, कि पूर्वकाल में घनघोर जंगल में वट वृक्ष के नीचे माता की एक छोटी सी मूर्ति थी जिसे भक्तजन ललिता देवी, वन देवी, कोकिला देवी, त्रिपुर सुन्दरी आदि तमाम रुपों में पूजते थे। हिमालय की और जाने वाले ऋषि मुनि संतजन भी इस देवी को विभिन्न रुपों में पूजकर हिमालय भूमि की ओर प्रस्थान करते थे।

देवभूमि हिमालय के बारे में पुराणों में कथन है

अस्त्युत्तरस्या दिशी देवतात्मा हिमालयों नाम नगाधिराजः

वास्तव में महाशक्ति ही परम ब्रह्म के रुप में हिमालय भूमि के कदम-कदम पर प्रतिष्ठित है। हिमालय भूमि में प्रवेश से पूर्व यहां से गुजरने वाले आगन्तुकों को अवन्तिका माता के दर्शन के बाद ही हिमालय दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होता है, हिमालय भूमि में नौ दुर्गाओं दस महाविद्याओं सहित अनेक स्वरुपों में उनकी लीला दृष्टिगोचर होती है।

परमात्मास्वरुपिणी अवन्तिका शक्ति मन्दिर परिसर में चैत्र, आषाढ़, अश्विन, और माघ मास के चारों नवरात्रों में अवन्तिका देवी का विधि का पूर्वक पूजन किया जाता है।

कुमाऊं के प्रवेश द्वार व जनपद नैनीताल की तलहटी पर स्थित अवन्तिका माता की महिमा का वर्णन अनन्त व अगोचर है, अवन्तिका देवी के बारे में पुराणों में अनेक कथाएं मिलती है। अवन्तिका नाम से प्रसिद्ध रमणीय नगरी उज्जैन देह धारियों को मोक्ष प्रदान करने वाली तथा भगवान शिव की परम प्रिय नगरी कही गयी है। परम पुण्यमयी व लोकपावनी नगरी अवन्तिका की महिमा से ही तमाम देवी व शिव भक्तों की अनेक गाथाएं जुड़ी हुई है, इस नगरी में ही भगवान शिव तीसरे ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर नाम से विराजमान है।

माँ अवन्तिका देवी करुणामयी, दयामयी तथा ममता का अथाह सागर कही गयी है, अपने भक्तों से स्नेह रखना तथा उनका सर्वत्र मंगल करना माँ का परम स्वभाव है। शास्त्रकारों का कथन है, कि विषम परिस्थितियों के बीच जो भक्त सम्पूर्ण श्रद्धा विश्वास व समर्पण की भावना से अपने आराधना के श्रद्धा पुष्प माँ के चरणों में अर्पित करता है, वह कल्याण का भागी बनता है, इसलिए माता अवन्तिका की आराधना, उपासना,वंदना मनुष्य के लिए कल्याणकारी बतलायी गयी है, इसी शक्ति तत्व में माता के सभी रुप समाहित है, जो सृष्टि के कल्याण के लिए अनेकानेक लीलाओं का सतत सृजन करती है।

आधारभूता जगतस्त्वमेवका मही स्वरुपेण यतः स्थितासि'

इस देवी के दरबार में सामान्यतः जीवन में असाध्य रोगों व गम्भीर संकटों से छुटकारा पाने के लिए तथा हर तरह की विघ्न बाधाएं शान्त करने के लिए विधि पूर्वक किए जाने वाले पूजन को अत्यधिक प्रभावशाली व तत्काल फलदायी माना गया है, स्वयं ब्रह्मा जी ने माँ की स्तुति एवं महिमागान करते हुए कहा है, कि हे देवी तुम्हीं इस विश्व ब्रह्माण्ड को धारण करती हो, तुम से ही इस जगत की सृष्टि होती है, तुम्हीं से पालन होता है, देवी तुम्हीं महामाया हो, महाविधा हो महामेधा हो, महास्मृति और महामोहरुपा भी महादेवी व महेश्वरी भी तुम्हीं हो, तुम ही श्री ईश्वरी व बोध स्वरुपा बुद्धि हो तथा लज्जा, पुष्टि, तुष्टि, शान्ति, तथा क्षमा भी तुम्हीं हो तुम खड़्ग धारिणी, घोर रुपा तथा गदा चक्र, और धनुष धारण करने वाली हो तुम सौम्य और सौम्यतर हो इतना ही नही जितने भी सौम्य पदार्थ एवं सुन्दर वस्तुए है, तुम उनमें अत्यधिक सुन्दर हो इस तरह उस सर्वस्वरुपा आद्यशक्ति माँ अवन्तिका की महिमा अनन्त है। उनके अर्धश्लोकी परमश्लोक से यह बात पूर्ण रुप से स्पष्ट हो जाती है।

सर्व खल्विदमेवाहं नान्यदस्ति सनातनम्

(श्रीमद देवी भा. 1/15/52)

अर्थात् सब कुछ मैं ही हूं, और दूसरा कोई भी सनातन नही है।

लालकुआं नगर के उत्तर दिशा के प्रवेश द्वार में माता अवन्तिका की पूजा प्राचीन समय से होती है, इस देवी को यहां अवंती देवी के रुप में भी पूजते हैं।पुराणों के अनुसार माता अवन्तिका का मूल स्थान उज्जैन में है, जो मन्दिरों का शहर है, यहां राम घाट, क्षिप्रा नदी ,ऋषि सांदीपनी आश्रम सहित अनेक मंदिर है, समुद्र मंथन से भी इस नगरी की रोचक गाथा जुड़ी हुई है। देश में अनेक स्थानों पर माता अवंतिका की पूजा होती है, उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर जनपद की अनूप शहर तहसील के अंतर्गत जहांगीराबाद से 15 किमी दूर पतित पावनी गंगा नदी के तट पर भी इस देवी का दरबार सदियों से पूज्यनीय है।

योगेश्वर भगवान श्री कृष्ण ने माता अवन्तिका की कृपा से ही रुक्मिणी को प्राप्त किया और रुक्मिणी की पूजा से ही प्रसन्न होकर माता ने उन्हें भगवान श्री कृष्ण से विवाह होने का वरदान दिया, माता अवन्तिका के प्रसंग में इस संबध में अनेक दंतकथाएं प्रचलित है, गौरतलब बात यह है, कि सात पुरियों में अवन्तिका पुरी का विशेष स्थान है।

प्रथम मोक्ष दायिनी पुरीः- श्री अयोध्या
द्वितीय मोक्षदायिनी पुरीः- श्री मथुरा
तृतीय मोक्षदायिनी पुरीः- श्री हरिद्वार
चतुर्थ मोक्ष दायिनी पुरीः- श्री काशी
पंचम मोक्ष दायिनी पुरीः- श्री कांचीपुरम्
छठी मोक्षदायिनी पुरीः- श्री अवन्तिका
सप्तम् मोक्षदायिनी पुरीः- द्वारिका

लालकुआं स्थित अवन्तिका देवी के बारे में स्थानीय बुजुर्ग बताते है, कि पूर्व में यहां पर माता के वाहन शेर का आवागमन रहता था, बाद में धीरे-धीरे नगर में बढ़ती बसाहट के बाद शेर के दर्शन दुर्लभ हो गये।

इस स्थान पर शक्ति का अवतरण कब और कैसे हुआ यह सब कुछ अज्ञात है।यहां पर कोटगाड़ी देवी भी स्थापित हैं। कोटगाड़ी अर्थात् कोकिला देवी का मूल शक्ति पीठ जनपद पिथौरागढ़ के पाखूं नामक क्षेत्र में है, यह देवी न्यायकारी देवी के रुप में प्रसिद्ध है, यहां पर अवन्तिका माता के साथ साथ कोकिला माता की पूजा करने से भक्तजनों को परम शान्ति की प्राप्ति होती है

माँ अवन्तिका की पूजन विधि

अवन्तिका देवी को अम्बिका माता के नाम से भी पुकारा जाता है।

ये स्वयंभू देवी है, इसलिए भू देवी के रुप में भी इनकी पूजा की जाती है।अवंतिका देवी को सिन्दूर, व चोला एव आभुषण चढ़ाया जाता है।इनके दरबार में घी से दीपक जलाया जाता है। कुंवारी युवतियां अच्छे पति की कामना से अंवतिका देवी का पूजन करती है। रुक्मिणी ने भगवान श्री कृष्ण को पति के रुप में पाने के लिए इनकी ही आराधना की।अंवतिका देवी के पूजन के पश्चात् श्री कृष्ण व रुक्मिणी का पूजन अखण्ड सौभाग्यदायक माना जाता है।अंवतिका देवी पापों का नाश करने वाली तथा भुक्ति और मुक्ति प्रदायनी है।भक्त प्रहलाद भी माता अवन्तिका की कृपा पाकर कृतार्थ हुए थे वामन पुराण में इसका उल्लेख है।भगवान श्री कृष्ण, श्री बलराम व श्री सुदामा को माँ अवन्तिका का विशेष आशीर्वाद प्राप्त था।

स्कंद पुराण के अवंतीखण्ड में विस्तार से देवी के महात्म्य का वर्णन आता है,शरीर रुपी पाप तभी तक गर्जना करते है, जब तक माँ अवन्तिका का स्मरण नही किया जाता है।अत्री ऋषि ने इनकी घोर तपस्या से महाऋषि का स्थान प्राप्त किया। मंगल देव की उत्पति भी माँ अवन्तिका की कृपा से ही हुई इनके पूजन से मंगल का दोष मिट जाता है। माता अवन्तिका के पूजन के साथ महाकाल की पूजा का विधान है।अवन्तिका माता के विशाला देवी, प्रतिकल्पा देवी, मां कुमुदवती, मंदनी, स्वर्णशृगा,नंदनी अमरावती सहित असंख्य नाम है।

-रमाकांत पंत

नवरात्र के दूसरे दिन राशि अनुसार करें इन मंत्रों का जाप, बनने लगेंगे सारे बिगड़े काम

चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन जगत की देवी मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है। साथ ही मां ब्रह्मचारिणी के निमित्त व्रत रखा जाता है। मां ब्रह्मचारिणी को तप की देवी भी कहा जाता है। मां के मुख पर तजोमय प्रकाश है। इस प्रकाश से समस्त जगत प्रकाशवान होता है। मां ब्रह्मचारिणी के एक हाथ में कमंडल है, तो दूजे हाथ में माला है।

धार्मिक मत है कि चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन जगत की देवी मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल मिलता है। साथ ही जीवन में सुखों का आगमन होता है। मां ब्रह्मचारिणी अपने साधक को धैर्यता प्रदान करती हैं। इस वरदान की मदद से साधक विषम परिस्थिति को सुगमता से पार कर लेता है। अगर आप भी मां ब्रह्मचारिणी की कृपा पाना चाहते हैं, तो चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन भक्ति भाव से जगत की देवी मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करें। साथ ही पूजा के समय राशि अनुसार इन मंत्रों का जप करें। वहीं, पूजा का समापन आरती से करें।

राशि अनुसार मंत्र जाप

मेष राशि के जातक चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन पूजा के समय 'ॐ उमायै नमः' मंत्र का जप करें।

वृषभ राशि के जातक मां ब्रह्मचारिणी की कृपा पाने के लिए 'ॐ भारत्यै नमः' मंत्र का जप करें।

मिथुन राशि के जातक चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन पूजा के समय 'ॐ सरस्वत्यै नमः' मंत्र का जप करें।

कर्क राशि के जातक मां ब्रह्मचारिणी को प्रसन्न करने के लिए 'ॐ मायायै नमः' मंत्र का जप करें।

सिंह राशि के जातक चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन पूजा के समय 'ॐ चण्डयै नमः' मंत्र का जप करें।

कन्या राशि के जातक मां ब्रह्मचारिणी की कृपा पाने के लिए 'ॐ अम्बिकायै नमः' मंत्र का जप करें।

तुला राशि के जातक सुख और सौभाग्य में वृद्धि पाने के लिए 'ॐ त्रिनेत्रायै नमः' मंत्र का जप करें।

वृश्चिक राशि के जातक करियर में सफलता पाने के लिए 'ॐ परात्परायै नमः' मंत्र का जप करें।

धनु राशि के जातक चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन पूजा के समय 'ॐ महालक्ष्म्यै नमः' मंत्र का जप करें।

मकर राशि के जातक कारोबार में सफलता पाने के लिए 'ॐ कलहंसिन्यै नमः' मंत्र का जप करें।

कुंभ राशि के जातक मां ब्रह्मचारिणी को प्रसन्न करने के लिए 'ॐ सत्यज्ञानायै नमः' मंत्र का जप करें।

मीन राशि के जातक मां ब्रह्मचारिणी की कृपा पाने के लिए 'ॐ दुर्गापरमेश्वर्यै नमः' मंत्र का जप करें।

शिववास योग समेत बन रहे हैं तीन अद्भुत संयोग, मिलेगा दोगुना फल

वैदिक पंचांग के अनुसार, सोमवार 31 मार्च को चैत्र नवरात्र की द्वितीया तिथि है। चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन जगत की देवी मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा एवं साधना की जाती है। साथ ही मां ब्रह्मचारिणी के निमित्त नवरात्र के दूसरे दिन का व्रत रखा जाता है।

ज्योतिषियों की मानें तो चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन दुर्लभ शिववास योग समेत कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में मां ब्रह्मचारिणी की पूजा करने से साधक को अक्षय फल की प्राप्ति होगी। शुभ योग और मुहूर्त जानते हैं-

शुभ मुहूर्त

चैत्र नवरात्र की द्वितीया तिथि सुबह 09 बजकर 11 मिनट है। इसके बाद तृतीया तिथि प्रारंभ होगी। चैत्र नवरात्र की द्वितीया तिथि पर जगत जननी आदिशक्ति देवी मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की भक्ति भाव से पूजा की जाती है।

शिववास योग

चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन दुर्लभ शिववास योग का संयोग बन रहा है। इस योग का संयोग सुबह 09 बजकर 11 मिनट तक है। इस समय में देवों के देव महादेव कैलाश पर देवी मां गौरी के साथ रहेंगे। शिववास योग में मां गौरी और भगवान शिव की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही आय और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

रवि योग

चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन रवि योग का भी निर्माण हो रहा है। रवि योग दोपहर 01 बजकर 45 मिनट से लेकर 02 बजकर 08 मिनट तक है। इस योग में देवी मां दुर्गा की पूजा-भक्ति करने से आरोग्य जीवन का वरदान मिलेगा। साथ ही सभी प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलेगी।

करण

चैत्र नवरात्र की द्वितीया तिथि यानी दूसरे दिन अश्विनी और भरणी नक्षत्र का संयोग है। इसके साथ ही कौलव, तैतिल और गर करण के योग बन रहे हैं। ज्योतिष कौलव, तैतिल और गर करण को शुभ मानते हैं। इन योग में जगत जननी देवी मां दुर्गा और उनके रूपों की पूजा करने से साधक को मनचाहा वरदान मिलता है।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 06 बजकर 12 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 06 बजकर 38 मिनट पर
चन्द्रोदय- सुबह 07 बजकर 12 मिनट पर
चन्द्रास्त - शाम 09 बजकर 01 मिनट पर
ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 04 बजकर 40 मिनट से 05 बजकर 26 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 30 मिनट से 03 बजकर 19 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 बजकर 37 मिनट से 07 बजे तक
निशिता मुहूर्त - रात्रि 12 बजकर 02 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक

नवरात्र व्रत में इन विशेष बातों का रखें ध्यान, वरना खंडित हो सकता है व्रत

चैत्र नवरात्र का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। यह नौ दिनों का पर्व मां दुर्गा को समर्पित है। इस दौरान साधक नौ दिनों तक व्रत रखते हैं। यह व्रत न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि शारीरिक और मानसिक शुद्धि के लिए भी महत्वपूर्ण माना जाता है। हालांकि, व्रत के दौरान कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना हर किसी के लिए जरूरी है। वरना इससे व्रत खंडित हो सकता है और उसका पूर्ण फल नहीं मिलता है, तो चलिए यहां व्रत के नियम जानते हैं।

नवरात्र व्रत के नियम

इस दौरान सात्विक भोजन ही ग्रहण करें।
इसमें अनाज के अलावा तामसिक चीजें जैस - मांस, मछली, अंडे और प्याज-लहसुन का सेवन न करें।
व्रती फल, दूध, दही, सूखे मेवे, सिंघाड़े का आटा, कुट्टू का आटा और साबूदाना आदि चीजें खा सकते हैं।
व्रत में सेंधा नमक (रॉक सॉल्ट) का ही प्रयोग करना चाहिए।
इस दौरान साधारण नमक का सेवन वर्जित है।
व्रत के दौरान अत्यधिक तले हुए और मसालेदार भोजन से बचें।
इस दौरान कुछ लोग नौ दिनों तक निर्जला व्रत रखते हैं, जबकि कुछ केवल फलाहार करते हैं।
अपनी शारीरिक क्षमता के अनुसार ही व्रत का संकल्प लें।
इस दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करें, व्रती दिन में सोने से बचें।
इस दौरान शांत और प्रसन्न रहने का प्रयास करें।
इस दौरान किसी का भी अपमान न करें।

पूजा-पाठ नियम

नौ दिनों तक मां दुर्गा की नियमित रूप से पूजा-अर्चना करें।
सुबह और शाम दोनों समय आरती और मंत्र जाप करें।
अगर आपने कलश स्थापित किया है, तो उसकी नियमित देखभाल करें और सभी नियमों का पालन करें।
नवरात्र के दौरान दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।
अष्टमी या नवमी के दिन कन्या पूजन का विशेष महत्व है, इसलिए छोटी कन्याओं को भोजन कराएं और उन्हें उपहार दें।

चैत्र नवरात्र में 9 दिनों तक मां दुर्गा को लगाएं ये दिव्य भोग, मिलेगा व्रत का पूरा फल

चैत्र नवरात्र के दौरान साधक पूरी श्रद्धा भाव से व्रत रखते हैं और मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा-अर्चना करते हैं। व्रत का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए मां दुर्गा को प्रसन्न करना अत्यंत महत्व-पूर्ण है। शास्त्रों में मां दुर्गा को विभिन्न प्रकार के भोग अर्पित करने का विधान है। चैत्र नवरात्र के नौ दिनों में मां के नौ रूपों को कौन-कौन से दिव्य भोग लगाए जा सकते हैं, जो इस प्रकार हैं।

मां दुर्गा को लगाएं ये भोग

पहला दिन (मां शैलपुत्री) - नवरात्र के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। इन्हें गाय के घी से बने व्यंजन अर्पित करना शुभ माना जाता है। आप मां को शुद्ध घी, घी और चीनी से बनी पंजीरी या ऋतु फल अर्पित कर सकते हैं।

दूसरा दिन (मां ब्रह्मचारिणी) - दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की आराधना की जाती है। इन्हें मिश्री और पंचामृत का भोग लगाना उत्तम माना गया है। ऐसे में आप मां को पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद और चीनी का मिश्रण) अर्पित कर सकते हैं।

तीसरा दिन (मां चंद्रघंटा) - मां चंद्रघंटा को दूध या दूध से बनी मिठाई जैसे - खीर या बर्फी का भोग लगा सकते हैं।

चौथा दिन (मां कूष्मांडा) - मां कूष्मांडा को मालपुआ का भोग अति प्रिय है। आप उन्हें हलवा या दही-बड़े भी अर्पित कर सकते हैं।

पांचवा दिन (मां स्कंदमाता) - पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा होती है। इन्हें आप केले या अन्य ऋतु फल अर्पित कर सकते हैं।

छठा दिन (मां कात्यायनी) - मां कात्यायनी को शहद का भोग लगाना विशेष फलदायी होता है। ऐसे में आप उन्हें मिठाई में शहद मिलाकर भी अर्पित कर सकते हैं।

सातवां दिन (मां कालरात्रि) - मां कालरात्रि को गुड़ का भोग बहुत प्रिय है। ऐसे में आप उन्हें गुड़ से बने प्रसाद जैसे - हलवा या लड्डू अर्पित कर सकते हैं।

आठवां दिन (मां महागौरी) - अष्टमी के दिन मां महागौरी की पूजा की जाती है। इन्हें नारियल या नारियल से बनी मिठाई का भोग लगाना शुभ माना जाता है। इस दिन कन्या पूजन का भी विशेष महत्व है और कन्याओं को भोजन कराया जाता है।

नौवां दिन (मां सिद्धिदात्री) - नवरात्र के अंतिम दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा होती है। इस दिन मां को हलवा, पूरी, चना और खीर का भोग लगाया जाता है। इसे कन्या पूजन के बाद प्रसाद के रूप में भी बांटा जाता है।

भोग का महत्व

आपको बता दें कि भोग हमेशा शुद्ध और सात्विक होना चाहिए। अपनी श्रद्धा और क्षमता के अनुसार आप मां दुर्गा को कोई भी फल, मिठाई या भोजन अर्पित कर सकते हैं। इसमें महत्वपूर्ण है आपका भाव और भक्ति। इन दिव्य भोगों को अर्पित करके आप मां दुर्गा की कृपा प्राप्त कर सकते हैं और अपने व्रत का पूर्ण फल पा सकते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि चैत्र नवरात्र 2025 में मां दुर्गा की आराधना करने से जीवन में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है।

संपादकीय

फिर कांपी धरती

म्यांमार केंद्रित 7.7 तीव्रता वाले भूकंप ने यहां और थाईलैंड में भारी तबाही मचाई। भूकंप का असर करीब चार मिनट तक रहा। अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार बारह मिनट के अंतराल के बाद भूकंप का दूसरा झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 6.4 थी। भूकंप का केंद्र म्यांमार के सागाइंग से 18 किमी दक्षिण में था। भूकंप से म्यांमार में भारी तबाही दिखी और पुल व बिल्डिंगें ताश के पत्तों की तरह बिखरती दिखी। म्यांमार में तबाही इतनी ज्यादा बतायी जा रही है कि सैन्य प्रशासन ने अंतर्राष्ट्रीय मदद की गुहार लगायी है। इतना ही नहीं भूकंप के झटकों से म्यांमार से करीब एक हजार किमी दूर स्थित थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में कई भवनों के ध्वस्त होने व सड़कें फटने की खबरें हैं। बैंकॉक में एक तीस मंजिला बिल्डिंग धराशायी हो गई। आशंका है कि इसमें अभी 43 मजदूर फंसे हुए हैं। भूकंप के झटकों से सहमे लोग मदद की गुहार लगाते रहे। घायल लोगों से अस्पताल भरे नजर आए। दीवारें फटने, इमारतों के गिरने से लोग दहशत में दिखे। शुरुआत आंकड़ों के अनुसार म्यांमार में 144 लोगों के मरने व सैकड़ों लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। लेकिन अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार मरने वालों का आंकड़ा हजारों तक पहुंच सकता है। भूकंप के केंद्र के निकट स्थित यंगून ही नहीं म्यांमार के अनेक शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां छह प्रांतों में आपात स्थिति घोषित हुई है। इसके अलावा चीन के कुछ हिस्सों व थाइलैंड में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक तीस मंजिला इमारत के धराशायी होने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कई जगहों में इमारतों के रूफटॉप पर बने स्वीमिंग पूल का पानी सड़कों पर बहता नजर आया। भयभीत लोगों के चीखने से मंजर भयावह नजर आ रहा था। लोग मदद की गुहार लगा रहे थे। दरअसल, थाईलैंड भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील नहीं है, लेकिन म्यांमार में आने वाले भूकंप के झटकों का असर यहां दिखता है। भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील न होने के कारण थाईलैंड में भवन निर्माण में भूकंपरोधी तकनीक का उपयोग नहीं होता।जिसकी वजह से ज्यादा नुकसान की आशंका जतायी जा रही है। अस्पतालों में उपचार कराने वालों की लंबी कतारें देखी गई हैं। वहीं 2021 से सैन्य शासन के अधीन और गृहयुद्ध से जूझता म्यांमार इस प्राकृतिक आपदा के बाद हताश नजर आया। इंटरनेट का प्रयोग सीमित होने से वहां की स्थिति जानने में दिक्कत आ रही है। पहली बार सैन्य शासन ने अंतर्राष्ट्रीय मदद की अपील की है। प्रधानमंत्री ने भूकंप पीड़ितों की मदद के लिये अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई को कहा है। म्यांमार के दूसरे बड़े शहर मांडले से भी ऐतिहासिक रॉयल पैलेस व अन्य बिल्डिंगें गिरती नजर आई हैं। मांडले को राजधानी से जोड़ने वाली सड़कों में चौड़ी दरारें देखी गई हैं। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे समेत जर्मनी व चीन की भूकंप पर नजर रखने वाली संस्थाएं भारी जन-धन के नुकसान की आशंका जता रही हैं। अमेरिकी वैज्ञानिक भूकंप का केंद्र धरती से दस किलोमीटर नीचे होना बता रहे हैं। खबरें हैं कि म्यांमार की राजधानी नेपिडो में भी काफी क्षति हुई है। लोग भूकंप के ऑफ्टर शॉक के भय से खुले में रात बिताने को मजबूर हैं। वहीं म्यांमार व थाईलैंड के अलावा इस भूकंप के झटके दक्षिण पश्चिम चीन के यून्नान प्रांत में महसूस किए गए।

> भूकंप का असर करीब चार मिनट तक रहा। अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार बारह मिनट के अंतराल के बाद भूकंप का दूसरा झटका महसूस किया गया, जिसकी तीव्रता 6 .4 थी। भूकंप का केंद्र म्यांमार के सागाइंग से 18 किमी दक्षिण में था। भूकंप से म्यांमार में भारी तबाही दिखी और पुल व बिल्डिंगें ताश के पत्तों की तरह बिखरती दिखी। म्यांमार में तबाही इतनी ज्यादा बतायी जा रही है कि सैन्य प्रशासन ने अंतर्राष्ट्रीय मदद की गुहार लगायी है। इतना ही नहीं भूकंप के झटकों से म्यांमार से करीब एक हजार किमी दूर स्थित थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में कई भवनों के ध्वस्त होने व सड़कें फटने की खबरें हैं। बैंकॉक में एक तीस मंजिला बिल्डिंग धराशायी हो गई। आशंका है कि इसमें अभी 43 मजदूर फंसे हुए हैं। भूकंप के झटकों से सहमे लोग मदद की गुहार लगाते रहे। घायल लोगों से अस्पताल भरे नजर आए। दीवारें फटने, इमारतों के गिरने से लोग दहशत में दिखे। शुरुआत आंकड़ों के अनुसार म्यांमार में 144 लोगों के मरने व सैकड़ों लोगों के घायल होने की पुष्टि हुई है। लेकिन अमेरिकन जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार मरने वालों का आंकड़ा हजारों तक पहुंच सकता है। भूकंप के केंद्र के निकट स्थित यंगून ही नहीं म्यांमार के अनेक शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां छह प्रांतों में आपात स्थिति घोषित हुई है। इसके अलावा चीन के कुछ हिस्सों व थाइलैंड में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए।

सुविधाओं के समाधान के बजाए देश के नेता इतिहास के गढ़े मुर्दे उखाड़ कर वोट पाने का आसान रास्ता चुन रहे हैं

विकास के बजाए विवादित मुद्दे बन गए हैं सत्ता का आसान रास्ता

योगेंद्र योगी

> समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में कहा कि बीजेपी के लोगों का ये तकियाकलाम बन गया है कि इनमें बाबर का डीएनए है। सपा सांसद रामजी लाल ने कहा कि मैं जानना चाहूंगा कि बाबर को आखिर लाया कौन? इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को राणा सांगा लाया था। उन्होंने कहा कि मुसलमान अगर बाबर की औलाद हैं तो तुम लोग उस गद्दार राणा सांगा की औलाद हो, ये हिन्दुस्तान में तय हो जाना चाहिए कि बाबर की आलोचना करते हो, लेकिन राणा सांगा की आलोचना नहीं करते? सांसद सुमन की राज्यसभा में की गई टिप्पणी पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो लोग आज नहीं बल्कि 1000 वर्षों के भारत के इतिहास की समीक्षा करते हैं

बेरोजगारी गरीबी, अपराध, लिंगभेद, चिकित्सा और आधारभूत जैसी सुविधाओं के समाधान के बजाए देश के नेता इतिहास के गढ़े मुर्दे उखाड़ कर वोट पाने का आसान रास्ता चुन रहे हैं। इसी क्रम में नया विवाद महाराणा सांगा पर दिए गए बयान पर पैदा हुआ है। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में कहा कि बीजेपी के लोगों का ये तकियाकलाम बन गया है कि इनमें बाबर का डीएनए है। सपा सांसद रामजी लाल ने कहा कि मैं जानना चाहूंगा कि बाबर को आखिर लाया कौन? इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को राणा सांगा लाया था। उन्होंने कहा कि मुसलमान अगर बाबर की औलाद हैं तो तुम लोग उस गद्दार राणा सांगा की औलाद हो, ये हिन्दुस्तान में तय हो जाना चाहिए कि बाबर की आलोचना करते हो, लेकिन राणा सांगा की आलोचना नहीं करते? सांसद सुमन की राज्यसभा में की गई टिप्पणी पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो लोग आज नहीं बल्कि 1000 वर्षों के भारत के इतिहास की समीक्षा करते हैं, वे बाबर और राणा सांगा की तुलना कभी नहीं कर सकते और उन्हें एक ही तराजू पर नहीं रख सकते। महाराणा सांगा ने आजादी की अलख जगाई थी। उन्होंने भारत को गुलामी से बचाया और साथ ही भारत की संस्कृति को सनातनी बनाए रखने में भी अहम योगदान दिया। कुछ क्षुद्र और छोटे दिल वाले लोग ऐसी बातें करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी चर्चाओं की कोई गुंजाइश नहीं है। यह पहला मौका नहीं है जब नेताओं ने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए इस तरह के विवादों को हवा दी है। इससे पहले भी ऐतिहासिक मुद्दों पर देश में दरार डालने के प्रयास होते रहे हैं। बॉलीवुड के निर्माता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, जिसमें राजपूत समुदाय ने फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया था। इस विवाद का परिणाम यह निकला कि चित्तौडग़ढ़ के किले में स्थित 'पद्मावती' महल में अराजक तत्वों ने उन शीशों को तोड़ दिया, जिनके बारे में कहा जाता है कि दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने इन्हीं आईनों के जरिए राजपूत रानी पद्मावती को देखा था। इसी तरह तीन साल पहले बॉलीवुड फिल्म पानीपत से शुरू हुआ विवाद एक टीवी धारावाहिक तक आ पहुंचा। धारावाहिक में खांडेराव होल्कर

से पूर्व महाराजा सूरजमल को युद्ध में हारना दिखाया गया। वहीं, इतिहासकारों का दावा है कि पूर्व महाराजा सूरजमल कभी युद्ध नहीं हारे। बल्कि खांडेराव होल्कर की मौत उनके साथ युद्ध में हुई थी। इसको लेकर रूपवास व कुम्हेर थाने में दो अलग-अलग एफआइआर दर्ज कराई गई। मैसूर के राजा रहे टीपू सुल्तान की 10 नवंबर को मनाई जाने वाली जयंती को लेकर भी खूब कलह हुआ है। मैसूर का शेर कहलाने वाले टीपू की जयंती की शुरुआत कांग्रेस के शासन में हुई लेकिन बीजेपी इसका विरोध करती रही। कर्नाटक में टीपू सुल्तान की जयंती मनाने को लेकर नौबत यहां तक आ गई कि कई शहरों में सुरक्षा को देखते हुए धारा 144 लगाई गई और विरोध प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया। भारतीय जनता पार्टी और कुछ हिन्दू संगठनों ने सरकार से मांग की थी कि वह टीपू सुल्तान की जयंती मनाने का कार्यक्रम और उन्हें महिमामंडित करने की योजना रोक दें। बीजेपी की निगाह में टीपू सुल्तान धार्मिक रूप से कट्टर और हिन्दू विरोधी शासक था। भाजपा नेता मीनाक्षी लेखी ने उत्तर भारत के 9वीं सदी के राजपूत शासक सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा का अनावरण किया और उन्हें एक गुज्जर बताया। दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) ने जौनपुर गांव में सम्राट मिहिर भोज की एक प्रतिमा भी समर्पित की, जिसमें उन्हें गुज्जर बताया गया। इसका राजपूत समुदाय ने कड़ा विरोध किया। बिहार में गठबंधन से पहले भाजपा ने नीतीश सरकार पर इतिहास के छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। भाजपा ने यहां तक कहा था कि सरकार ने प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह का अपमान किया है। बिहार के पूर्व मंत्री भीम सिंह ने बिहार सरकार खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मोहम्मद युनूस को बिहार के प्रथम प्रधानमंत्री बताते हुए उनके जन्म दिवस पर राजकीय जयंती समरोह मनाए जाने को बिहार केसरी श्रीकृष्ण सिंह का अपमान बताया था। उन्होंने कहा था कि मुस्लिम तुष्टिकरण के तहत इतिहास के साथ छेडछाड की जा रही है। गौरतलब है कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मंदिर-मस्जिद विवाद पर नेताओं ने जम कर रोटियां सेकी। इस संवेदनशील मुद्दे को लेकर हिंसा में पांच लोग मारे गए। इसके बाद देश के दूसरे हिस्सों में इसी तरह के विवाद पैदा हो गए। अजमेर में दरगाह में हिंदू मंदिर का दावा करते स्थानीय अदालत में मामला दायर किया गया। इसी तरह देश के दूसरे हिस्सों में भी मस्जिदों में मंदिर होने को लेकर अदालतों में मामले दायर किए गए। नेताओं ने तभी पैर पीछे खींचे जब सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे विवादों पर रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जब तक पूजा स्थल अधिनियम की वैधता पर फैसला नहीं हो जाता, तब तक देश में मंदिर-मस्जिद विवादों से जुड़े नए मुकदमे दर्ज नहीं किए जा सकते, और न ही कोई चल रहा मामला सर्वेक्षण या अंतिम आदेश के साथ आगे बढ़ सकता है। यह विवाद पूरी तरह थमा भी नहीं कि महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र को लेकर विवाद पैदा हो गया। इस पर भाजपा और विपक्षी दलों ने आरोप-प्रत्यारोप लगा कर देश का माहौल गर्माने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ी। इसका परिणाम यह हुआ कि नागपुर में हिंसा भड़क उठी। इसमें कई लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा। आम लोगों को कर्फ्यू के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ऐसे विवादों की चपेट में अक्सर देश का मजदूर, गरीब और कामकाजी वर्ग आता है। इन विवादों की जड़ में आसान सत्ता की राजनीति की चाहत है। दरअसल नेताओं को पता है कि देश की बुनियादी समस्याओं का समाधान आसान नहीं है, जबकि ऐसे विवादों के जरिए लोगों को बरगला लाकर सत्ता आसानी से प्राप्त की जा सकती है।

दृष्टि कोण

“कुआँ सूखने पर ही पता चलता है पानी की कीमत”

एक सुदूर घाटी में बसे गांव में एक झरना था जिसे जीवन धारा कहा जाता था। पीढ़ियों तक ग्रामीणों ने इसका उपयोग किया, लेकिन जब आधुनिक सुविधाएं आईं, तो यह उपेक्षित हो गया। एक साल, भीषण सूखे ने झरने को सुखा दिया, और तभी ग्रामीणों को इसकी कीमत का एहसास हुआ। यह कहानी दर्शाती है कि हम अक्सर किसी चीज़ के महत्व को तब तक नहीं समझते जब तक वह खत्म नहीं हो जाती। पानी जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं जैसे स्वास्थ्य, संबंध और स्वतंत्रता का प्रतीक है। हम अक्सर मान लेते हैं कि ये हमेशा बने रहेंगे, परंतु जब यह संकट में होते हैं, तभी हम उनकी कीमत समझते हैं। जीवन की क्षणभंगुरता हमें वर्तमान का आदर करने के लिए प्रेरित करती है। जैसे नल से पानी की सतत आपूर्ति को हम सामान्य मानते हैं, वैसे ही हम अपनों, स्वास्थ्य और स्वतंत्रता को भी हल्के में लेते हैं। जब संसाधन प्रचुर मात्रा में होते हैं, तो हम उनकी कद्र करना छोड़ देते हैं। अरस्तू के नैतिक दर्शन के अनुसार, जागरूकता और संतुलन ही सच्चे गुणों को जन्म देते हैं। भरे कुएं का पानी हमें कृतज्ञ नहीं बनाता, परंतु पानी की कमी हमें उसकी महत्ता सिखाती है। 1930 के दशक की महामंदी ने लोगों को यह समझाया कि संसाधनों की उपलब्धता और कमी का चक्र कैसा होता है। ग्रीक त्रासदियों में अक्सर चरित्रों को जीवन का सच्चा अर्थ तब पता चलता है जब वे सब कुछ खो चुके होते हैं। शेक्सपियर के किंग लियर को प्यार की वास्तविकता तब समझ आई जब वह धोखा खा चुका था। महामारी ने भी हमें सामाजिक मेलजोल की अहमियत सिखाई। मानवता बार-बार संसाधनों का दुरुपयोग करती है और फिर संकट के समय उन्हें बचाने का प्रयास करती है। नीत्शे की शाश्वत पुनरावृत्ति की अवधारणा बताती है कि जब तक हम सच में नहीं सीखते, हम वही गलतियाँ दोहराते हैं। 1930 के डस्ट बाउल संकट ने कृषि को नुकसान पहुँचाया, जिससे सबक लेकर सुधार हुए, लेकिन समय के साथ लोग फिर लापरवाह हो गए। उपयोगितावादी दर्शन कहता है कि किसी चीज़ का मूल्य उसकी उपयोगिता से निर्धारित होता है। जल की वास्तविक कीमत उसकी उपलब्धता के अनुसार बदलती है। उप-सहारा अफ्रीका में पानी की कमी ने जल संरक्षण के नए समाधान उत्पन्न किए। इसी तरह, जब कोई संसाधन दुर्लभ हो जाता है, तब उसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। जल संकट सिर्फ मानव जीवन ही नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करता है। पारिस्थितिक दर्शन बताता है कि हमें प्रकृति के प्रति जागरूक होना चाहिए। अरल सागर का सूखना इसका उदाहरण है, जिससे सामाजिक और आर्थिक संकट पैदा हुए। यदि हम संसाधनों को संरक्षित नहीं करते, तो हमारा अस्तित्व भी खतरे में पड़ सकता है। धार्मिक और दार्शनिक परंपराएँ बताती हैं कि वंचना मूल्य की गहरी समझ देती है। रमज़ान के उपवास लोगों को भोजन की कीमत और जरूरतमंदों की स्थिति का एहसास कराते हैं। इसी तरह, कठिनाइयाँ हमें जीवन की असली जरूरतों का महत्व सिखाती हैं। मानव अस्तित्व प्रकृति पर निर्भर है, और जल संकट इस निर्भरता को दर्शाता है। फुकुशिमा परमाणु आपदा ने भी दिखाया कि तकनीकी विकास के बावजूद हम प्राकृतिक शक्तियों के आगे असहाय हैं। यह हमें हमारे संसाधनों की सीमाओं का सम्मान करना सिखाता है। पानी जीवन देता है, परंतु बाढ़ और सुनामी जैसी आपदाओं से विनाश भी ला सकता है। ताओवाद के अनुसार, जीवन विरोधाभासों से भरा है, और हमें संतुलन बनाए रखना सीखना चाहिए। विभिन्न संस्कृतियों में जल को शुद्धिकरण का प्रतीक माना जाता है। ईसाई धर्म में बपतिस्मा का जल आत्मा की पुनर्जन्म का संकेत देता है। कुंए का सूखना हमें चेतावनी देता है कि हमें अपने संसाधनों की रक्षा करनी चाहिए।

कुछ अलग

डिजिटल भारत में विचारों की बेड़ियां

धारा 79 डिजिटल मंचों को मध्यस्थ सुरक्षा प्रदान करती है, लेकिन हालिया सरकारी हस्तक्षेप ने इस सुरक्षा को चुनौती दी है। सरकार द्वारा ओटीटी प्लेटफार्मों पर निगरानी, सोशल मीडिया पर टेकडाउन आदेश, और आईटी नियम 2021 का कड़ा अनुपालन डिजिटल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित कर रहा है। सेंसरशिप और आत्म-नियमन के भय से प्लेटफार्म अधिक सामग्री हटाने लगे हैं, जिससे विचारों की विविधता प्रभावित होती है। हालांकि, झूठी सूचनाओं और साइबर अपराधों को रोकने के लिए कुछ हद तक नियमन आवश्यक है। इसीलिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्लेटफार्म जवाबदेही के बीच संतुलन बनाना जरूरी है। भारत को यूरोप के डिजिटल सर्विसेज एक्ट और अमेरिका के सेक्शन 230 जैसे संतुलित मॉडल से सीख लेकर, एक पारदर्शी और न्यायसंगत डिजिटल नीति अपनानी होगी। सूचना की इस नित परिवर्तनशील धारा में, जहाँ डिजिटल प्लेटफॉर्म विचारों के विस्तृत वितान की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं उन पर लगने वाली बंदिशें एक नवीन प्रश्नचिह्न उत्पन्न करती हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नियमन की कठोरता के मध्य झूलते इस युग में, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 (IT Act) की धारा 79 एक महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि निर्मित करती है। आईटी अधिनियम की धारा 79 डिजिटल मंचों को एक ऐसा आश्रय प्रदान करती है, जो उन्हें उपयोगकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत सामग्री की जवाबदेही से मुक्त रखता है, बशर्ते किः वे मात्र संदेश वाहक की भूमिका निभाएं, न कि नियंत्रक की। किसी अवैध सामग्री की सूचना मिलने पर, नियमानुसार उसे हटाने का यत्न करें। नवीनतम आईटी नियम, 2021 के प्रावधानों का अनुपालन करें। किन्तु, सरकार के हालिया कदमों ने इस कवच को किसी हद तक छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है, जहाँ अभिव्यक्ति की आज़ादी और नियमन की शक्ति के मध्य एक सतत संघर्ष दृष्टिगोचर होता है। सूचना और संप्रेषण के इस युग में सरकार द्वारा लागू किए गए कुछ प्रमुख हस्तक्षेपों पर यदि दृष्टिपात करें, तो पाते हैं कि ओटीटी प्लेटफार्मों पर बढ़ती निगरानी ने रचनात्मकता को एक कठोर परिधि में बाँधने का प्रयास किया है। सोशल मीडिया पर टेकडाउन आदेश विचारों के मुक्त प्रवाह में एक बाधा के समान प्रतीत होते हैं। आईटी नियम, 2021 का क्रियान्वयन डिजिटल संवाद के सहज प्रवाह को नियंत्रित करने की मंशा रखता है। कई डिजिटल प्लेटफार्मों पर सामग्री प्रबंधन को लेकर पारदर्शिता की कमी उपयोगकर्ताओं के अधिकारों पर प्रभाव डालती है। स्वतंत्र पत्रकारिता एवं वैकल्पिक दृष्टिकोणों को प्रतिबंधित करने की प्रवृत्ति लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर सकती है। इन घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि सरकार द्वारा प्लेटफार्मों की स्वतंत्रता को सीमित करने और दायित्व को बढ़ाने की दिशा में एक अनवरत प्रयास किया जा रहा है। सेंसरशिप और कंटेंट टेकडाउन जैसे कदम कलात्मक स्वतंत्रता, पत्रकारिता और राजनीतिक आलोचना पर गहरी छाया डालते हैं। आत्म-नियमन (self-regulation) के भय से कई प्लेटफार्म स्वयं ही अधिक सामग्री हटाने लगते हैं, जिससे संवाद की विविधता प्रभावित होती है। सूचना तक पहुँच की स्वतंत्रता सीमित होने से नवाचार और बौद्धिक विमर्श बाधित होता है। डिजिटल मंचों पर झूठी सूचनाओं, घृणा व द्वेष फैलाने वाली सामग्री का उन्मूलन आवश्यक है। उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु कुछ हद तक नियमन अपरिहार्य है। साइबर अपराध, ऑनलाइन उत्पीड़न और फेक न्यूज़ को रोकने के लिए प्लेटफार्मों को अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

देश दुनिया से

पारंपरिक स्रोतों का संरक्षण और प्रबंधन जरूरी

यह हाल केवल दिल्ली का नहीं, बल्कि देश के अधिकांश बड़े शहरों का है। बेंगलुरु, जो कभी तालाबों और जलस्रोतों से संपन्न था, आज 'केपटाउन' जैसी जल संकट की चेतावनी से जूझ रहा है। मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति बन जाती है। मुंबई की पांच नदियां अब नाले में बदल चुकी हैं, और बरसात का पानी अब समुद्र में मिल जाता है। जरूरत के समय लोग भूजल और टैंकर के जरिए जैसे-तैसे जिंदगी काटते हैं। हैदराबाद, चेन्नई, इंदौर, पटना और श्रीनगर जैसे शहरों में भी जल संकट गहरा रहा है, हालांकि नक्शे पर ये शहर नदी, तालाब और नहरों से जुड़े हुए हैं। राजधानी दिल्ली की 31 प्रतिशत आबादी को स्वच्छ पेयजल उनके घर के नल से नहीं मिल पाता। हजारों टैंकर हर दिन कालोनियों में जाते हैं, और लोगों के लिए पानी जुटाने के लिए भूमिगत जलस्तर को इतनी गहराई तक खोदा गया है कि सरकारी भाषा में कई इलाके अब 'डार्क जोन' के रूप में पहचाने गए हैं। दिल्ली के नजदीक गाजियाबाद, जो यमुना-हिंडन के त्रिभुज पर स्थित है, की अधिकांश कालोनियां पानी की भारी किल्लत से जूझ रही हैं। दोनों नदियां अब कूड़ा ढोने का रास्ता बनकर रह गई हैं। गुरुग्राम में जरूरत की तुलना में 105 एमएलडी कम पानी की आपूर्ति हो रही है। दिल्ली में केवल यमुना ही नहीं, बल्कि 983 तालाब, झील और जोहड़ भी हैं। जल संसाधन मंत्रालय की गणना के अनुसार, इनमें से किसी को भी प्यास बुझाने के लायक नहीं माना जाता। दिल्ली, जो गंगा और भाखड़ा से सैकड़ों किलोमीटर दूर है, पानी मंगवाती है, लेकिन अपने ही तालाबों को इस तरह से संरक्षित नहीं करती कि वे बरसात का पानी जमा कर सकें। जिन तालाबों में पानी जमा हो सकता है और जो जीवन की उम्मीद बन सकते हैं, उनमें से तीन-चौथाई जल निकायों का इस्तेमाल सिर्फ सीवर की गंदगी बहाने के लिए होता है। तालाबों को नष्ट करने का खमियाजा समाज ने किस तरह भुगता, इसकी सबसे बड़ी मिसाल बेंगलुरु है। यहां समाज, अदालत और सरकार सभी जमीन माफिया के सामने असहाय नजर आते हैं। यदि हम शहर की जल स्थिति पर नजर डालें तो यह

अस्वाभाविक-सा लगता है कि वहां जरूरत का महज 80 प्रतिशत जल ही आपूर्ति हो पा रहा है। एक करोड़ 40 लाख की आबादी वाले महानगर में हर कदम पर जल स्रोत हैं। लेकिन अंधाधुंध शहरीकरण और उसके लालच में पारंपरिक जलस्रोतों और हरियाली का अगर यही हाल रहा, तो बेंगलुरु को केपटाउन बनने से कोई नहीं रोक सकता। सरकारी रिकार्ड के मुताबिक नब्बे साल पहले बेंगलुरु शहर में 2789 केरे यानी झील हुआ करती थीं। सन् साठ आते-आते इनकी संख्या घटकर 230 रह गई। वर्ष 1985 में शहर में केवल 34 तालाब बचे और अब इनकी संख्या तीस तक सिमट गई है। जल निधियों की उपेक्षा का ही परिणाम है कि न केवल शहर का मौसम बदल गया है, बल्कि लोग बूंद-बूंद पानी को भी तरस रहे हैं। हैदराबाद और चेन्नई में भी जैसे ही विदेशी कंपनियां आना शुरू हुईं और आबादी बढ़ने के साथ मकान की जरूरत बढ़ी, तालाब-नदियों को ही समेटा गया और जल संकट को स्वयं आमंत्रित कर लिया। देश के 10 में से सात महानगरों में भूजल स्तर अब खतरनाक स्तर पर है और अब उसे और उलीचा नहीं जा सकता। डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की एक रिपोर्ट चेता चुकी है कि जब भारत आजादी के सौ साल मनाएगा तब 30 शहर जलहीन की सीमा तक सूख जाएंगे। इनमें महानगर और राजधानियां तो हैं ही, इंदौर, बठिंडा और कोयंबटूर जैसे शहर भी हैं। यह कड़वा सच है कि जलवायु परिवर्तन के चलते चरम मौसम ने जल-चक्र को गड़बड़ाया है, लेकिन इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की तरफ तेज पलायन, अनियोजित शहरीकरण, कम बरसात, अधिक गर्मी, उथले जलस्रोतों में अधिक वाष्पीकरण और जल का खराब प्रबंधन– ये सभी ऐसे कारण हैं जो जल संकट के लिए प्रकृति से अधिक इंसान को जिम्मेदार ठहराते हैं। हमारी परंपरा पानी की हर बूंद को सहेजने की रही है, जिसमें पारंपरिक जलस्रोतों जैसे तालाब, कुएं और बावड़ियों का संरक्षण शामिल है। आज, अनियोजित शहरीकरण और जल प्रबंधन की कमी के कारण जल संकट गहरा गया है। भारत में औसतन 110 सेंटीमीटर बारिश होती है, लेकिन हम उसका केवल 15 प्रतिशत ही संचित कर पाते हैं, जबकि शेष पानी नालियों और नदियों के माध्यम से समुद्र में बहकर व्यर्थ चला जाता है। प्रकृति ने पानी को एक चक्र के रूप में दिया है, और इस चक्र को बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। यदि हम पुराने जलस्रोतों की स्थिति सुधारें और जल का सही प्रबंधन करें, तो पानी की कमी का समाधान किया जा सकता है। भूजल पर निर्भरता लंबे समय तक नहीं हो सकती, इसलिए नदी-तालाबों को उनकी प्राकृतिक स्थिति में लौटाना और उनका संरक्षण करना आवश्यक है, ताकि पानी की कमी से समाज का कोई वर्ग प्रभावित न हो।

आप का नजरिया

मानव तस्करी पर अंकुश

हरियाणा विधानसभा के मौजूदा सत्र में कई महत्वपूर्ण विधायी पहल हुई हैं, जो एक लोककल्याणकारी सरकार की प्राथमिकताएं सुनिश्चित करती हैं। इसमें किसानों को नकली इनपुट से सुरक्षा कवच देना भी सराहनीय कदम रहा है। वहीं हाल ही में सुनहरे भविष्य की आकांक्षा लेकर विदेश जाने वाले युवाओं की हितरक्षा में उठाये गए कदम निश्चय ही सराहनीय हैं। हरियाणा के मौजूदा विधानसभा सत्र में हरियाणा ट्रैवल एजेंट पंजीकरण और विनियमन विधेयक, 2025 पारित किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो वक्त की सख्त जरूरत भी थी। ट्रैवल एजेंसियों के पंजीकरण को अनिवार्य करना और उल्लंघन पर सख्त दंड का प्रावधान उम्मीद जगाता है कि अब विदेश जाने वाले लोगों के साथ होने वाली धोखाधड़ी पर अंकुश लग सकेगा। इस कानून का उल्लंघन करने पर सात साल की कैद और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। निश्चित रूप से सरकार ने अपने नागरिकों को धोखे और मानव तस्करी से बचाने के लिये एक आवश्यक कदम उठाया है। लगातार होने वाले आव्रजन घोटालों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के मद्देनजर, इस कानून की लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। लेकिन जहां सख्त कानून का सही ढंग से क्रियान्वयन इस दिशा में सफलता सुनिश्चित करेगा, वहीं इसके लिये जन जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है। साथ ही प्रभावी प्रवर्तन के साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि लोग अनधिकृत एजेंटों के चक्रव्यूह में न फंसें। वास्तव में यह विधेयक एक महत्वपूर्ण कदम तो है, लेकिन इसे बेरोजगारी को दूर करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा भी होना चाहिए। यदि हम राज्य के युवाओं के लिये अपने देश में बेहतर रोजगार के अवसर पैदा कर सकें तो युवाओं को फिर अपने सपने पूरे करने के लिये विदेश जाने की जरूरत ही नहीं होगी। निस्संदेह, कोई भी व्यक्ति अपना घर-परिवार, अपना धार्मिक-सांस्कृतिक परिवेश छोड़कर परदेश नहीं जाना चाहता। लेकिन जब आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार के अवसर नहीं मिलते तो ही वह मजबूरी में विदेश जाने की लालसा रखता है। यह एक निर्विवाद सत्य है कि बेहतर रोजगार की स्थितियां हमारे शैक्षिक वातावरण पर भी निर्भर करती हैं। यदि हम परंपरागत शिक्षा से इतर रोजगार व कौशल विकास की शिक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाएं तो स्थिति बदल सकती है। इसके लिये जरूरी है कि राज्य में रोजगारपरक शिक्षा के अनुकूल वातावरण बनाया जाए। इस दिशा में गंभीर प्रयासों की सख्त जरूरत है। उम्मीद की जा रही थी कि विधानसभा सत्र में राज्य में सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिये उत्साहजनक पहल की जाएगी। इस मुद्दे को प्राथमिकताओं में शामिल करके इस बार गंभीर बहस होगी। दरअसल, हाल के दिनों में कई स्कूलों के भवनों की स्थिति व सुरक्षा आदि को लेकर अभिभावक चिंता जताते रहे हैं। हर अभिभावक चाहता है कि सरकारी स्कूलों में बेहतर साफ-सफाई, शौचालयों और पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहें।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज काम पूरा होने पर आप रिलैक्स महसूस करेंगे. आपको किसी मामले में बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है. आप अपने दोस्तों के साथ बाहर जाकर कुछ ख़ुशी के पल बिता सकते हैं. कुछ जरूरी चीजें आपको फायदे दिला सकती हैं. इस राशि के कारोबारियों को किसी से जरूरी मुलाकात करनी पड़ सकती है. धन के मामले में स्थिति ठीक रहेगी. परिवारजनों के लिए समय निकालेंगे. उनकी सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी. शिवलिंग पर जल अर्पित करें, रिश्ते मजबूत होंगे.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

कारोबार में व्यस्तता रहेगी. कार्यक्षेत्र में सम्मान मिल सकता है. मेहनत से धन कमा लेंगे. जो काम पिछले कई दिनों से अधूरे पड़े थे, वे निपट सकते हैं. नए एग्रीमेंट या नए संबंध बनने की संभावना है. समय अच्छा है. कई क्षेत्रों में आप एक साथ सक्रिय भी रहेंगे. आगे बढ़ने के लिए आपको अपने जीवन में कुछ बदलाव करने पड़ सकते हैं. अविवाहित लोगों को रोमांस के अवसर मिल सकते हैं. यात्रा के भी योग हैं.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आपका आत्मविश्वास और साहस चरम पर रहेगा. राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग कई बैठकों आदि में भाग लेंगे. आपको सम्मान मिलेगा और कुछ नई जिम्मेदारी भी मिल सकती है. आप जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे. वित्त में किए गए प्रयास वांछित परिणाम देंगे. पुराना भुगतान भी मिल सकता है. प्रतिद्वंद्वी और प्रतियोगी आपको नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. आप शुभ स्वास्थ्य का आनंद लेंगे. आप में से कुछ के लिए प्रेम सम्बन्ध का आरम्भ हो सकता है.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का अंत हो सकता है. अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से अचानक आया कोई संदेश पूरे परिवार के लिए रोमांचक रहेगा. उलझे हुए काम सुलझाने के लिए स्थितियां आपके फेवर में हो सकती है. आपके सोचने के तरीके में बदलाव हो सकता है. दोस्तों से समय पर मदद मिल सकती है. ऑफिस के कुछ खास काम निपटाने में आप सफल हो सकते हैं.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज माता–पिता अपने बच्चों के साथ कहीं पिकनिक मनाने जा सकते हैं. आप किसी समारोह में जाने की प्लानिंग भी कर सकते हैं. ऑफिस में माहौल थोड़ा गंभीर रह सकता है. आपको अपने बॉस की बातों को ध्यान से सुनने के बाद ही अपनी कोई राय देनी चाहिए. आज आपको थोड़ा आलस्य भी महसूस हो सकता है. आपको अपना खान–पान हेल्दी रखना चाहिए. कुछ मामलों में आप थोड़े भावुक भी हो सकते हैं. अपने गुरु को कुछ उपहार दें, आपकी सभी परेशानियां दूर होंगी.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

कारोबार बढ़ेगा. अपने से निचले स्तर के कर्मचारियों से सहयोग मिलेगा. आपकी मुलाकात खास लोगों से हो सकती है. आपको नियमित कामकाज से कुछ समय के लिए छुटकारा मिल सकता है. आपकी ज्यादातर परेशानियां खत्म होने के योग हैं. जिस काम को आप अधूरा समझ रहे हैं, वह पूरा हो जाएगा. बड़े लोगों से सहयोग मिल सकता है. आपको फायदा भी हो सकता है. दिन थकान भरा रहेगा. आराम करें नहीं तो परेशानी हो सकती है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

यदि आप अपना स्वयं का व्यवसाय कर रहे हैं तो साझेदारी में प्रवेश करने का यह एक अच्छा समय है जो भविष्य में लाभकारी होगा. अगर आप नौकरी के लिए परीक्षा या प्रतियोगिता या साक्षात्कार में उपस्थित होते हैं तो आपको सफलता मिलेगी. सामाजिक गतिविधियों में आपकी रुचि होगी. परिवार में कोई धार्मिक समारोह या कोई अन्य उत्सव मनाया जा सकता है. लंबी दूरी की यात्रा फायदेमंद साबित होगी. आप खुश और शांत रहेंगे.विवाह योग्य संतान का रिश्ता पक्का हो सकता है.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपके रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है. विदेशी संस्थान से छात्रवृत्ति या प्रवेश संबंधी खबर की प्रतीक्षा कर रहे छात्रों को अच्छी खबर मिलेगी. सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे. रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है. ध्यान रखें आज किसी अनजान शख्स से सलाह ना लें. बेहतर होगा आप उनसे बातचीत करके अपनी समस्या का समाधान करने का प्रयास करें.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. शाम को जीवनसाथी के साथ मूवी का प्लान बनायेंगे. इससे आपके रिश्तों के बीच नजदीकियां बढ़ेंगी. नए लोगों से मुलाकात होने से आपको बड़े फायदे होंगे. आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. आज छात्रों के अंदर कॉम्पिटिशन के प्रति जागरूकता पैदा होगी. करियर में तरक्की के योग बन रहे हैं. बिजनेस में आपको बड़ा मुनाफा होगा. आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा. गणेश जी की आरती करें, लाभ के अवसर प्राप्त होंगे.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नए सौदे आज न करें तो ही अच्छा है. पैसा भी रुक सकता है. दिन की शुरुआत ठीक नहीं रहेगी. न चाहते हुए भी पैसा खर्चा हो सकता है. परिवार के लोग आपको किसी कठिन स्थिति में डाल सकते हैं. आज आप अपनी प्लानिंग गुप्त रखें. किसी से शेयर नहीं करें. रिश्तों के क्षेत्र में भी कुछ कठिन स्थितियां बन सकती हैं. वाद–विवाद में उलझ सकते हैं. कामकाज में सुस्ती का माहौल रहेगा. सिर और पेट दर्द हो सकता है. भोजन में सावधानी रखें.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यद्यपि आपकी माँ की स्वास्थ्य–स्थिति आपको चिंतित रखेगी और आपके बच्चे भी अच्छे स्वास्थ्य में नहीं हो सकते हैं. किन्तु भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदेमंद होगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा. आपके कुछ शत्रु मित्र के रूप में आपके घेरे में रह सकते हैं. लेकिन आप उन्हें नियंत्रित करने में सक्षम होंगे. आपके पेशेवर क्षेत्र में आपको प्रशंसा मिलेगी और सामाजिक रूप से आप अधिक लोकप्रिय हो जाएंगे. आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं जो आपको खुश करेंगे.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन–शैली में बदलाव लाने का सही समय है. स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा. विवाद न करें. किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी. लेन–देन के मामले सुलझने से राहत मिलेगी. प्रेम संबंध रोमांटिक रहेंगे. व्यापार में नए अनुबंध हो सकते हैं. यात्रा के दौरान चोरी, दुर्घटना का भय है. मित्रों की सलाह महत्वपूर्ण साबित होगी.

आज का पंचांग

दिनांक : 31 मार्च 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया प्रातः 09:13 तक
नक्षत्र : अश्विनी दोपहर 01:45 तक
योग : वैधृति दोपहर 01:45 तक
करण : कौलव प्रातः 09:13 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:16 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– गणगौर , मन्वादि तिथि , गण्डमूल दोपहर 01:45 तक , खरमास चालू है , रेवती में रवि दोपहर 02:00 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

यमुना का पानी जल्द राजस्थान के इस इलाके तक पहुंचेगा

नायब सैनी ने दिए संकेत

जयपुर,30 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा सरकार राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र को यमुना का पानी देने के लिए जुटी हुई है। इसको लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भी इस बात के संकेत दिए हैं। उन्होंने राजधानी जयपुर के चौमू में शेखावाटी को मिलने वाले यमुना के पानी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि जो एमओयू किया गया है, उसके अनुसार हरियाणा सरकार शेखावाटी को यमुना का पानी देगी। इसको लेकर हरियाणा सरकार लगातार जुटी हुई है। सरकार का प्रयास है कि जल्द ही राजस्थान को यमुना का पानी पिलाया जाए।

शेखावाटी क्षेत्र को हरियाणा से यमुना का पानी मिले इसको लेकर क्षेत्र के लोग काफी इंतजार कर रहे हैं। इस बीच हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने राजस्थान के सीएम भजनलाल के दावे पर मोहर लगा दी है। उन्होंने चोमू के एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में इसके संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि शेखावाटी को यमुना का पानी जल्द उपलब्ध कराया जाएगा। इसको लेकर एसआईटी का गठन कर डीपीआर बनाने का काम शुरू कर दिया गया है, जल्द ही डीपीआर तैयार होते ही पानी पहुंचाने का काम भी शुरू हो जाएगा। हरियाणा के सीएम ने कहा कि उनकी सरकार ईमानदारी से इस कार्य में लगी हुई है।

हरियाणा सीएम नायब सैनी चौमू में आयोजित माली समाज के स्नेह मिलन कार्यक्रम में शिरकत करने आए। इस दौरान समारोह में सैनी ने समाज के शिक्षा और स्वरोजगार बढ़ावा देने के लिए आव्हान किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत, राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, मुकेश सैनी और जय किशन सैनी समेत समाज के कई गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

भजनलाल शर्मा ने चैत्र नवरात्र स्थापना पर पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन मुख्यमंत्री निवास में विधिवत पूजा–अर्चना कर घट स्थापना की तथा राज राजेश्वरी मंदिर में सपरिवार मां दुर्गा की आराधना की। शर्मा ने मां दुर्गा से प्रदेशवासियों के स्वस्थ, सुखी एवं समृद्ध जीवन की प्रार्थना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे।

राजस्थान के राज्यपाल के हेलीकॉप्टर में हुआ धमाका, बाल–बाल बचे बागडे

पाली,30 मार्च (एजेंसियां)।

राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे. एक बड़े हादसे का शिकार होने से बाल–बाल बच गए। दरअसल, राज्यपाल पाली दौरे पर गए हुए थे। इस बीच पाली से राज्यपाल का हेलीकॉप्टर उड़ने के लिए रवाना हुआ। इस बीच हेलीकॉप्टर में छोटा सा धमाका हुआ और स्पार्किंग के साथ धुआं निकलने लगा। इस घटना से मौके पर खलबली मच गई। इस दौरान पायलट ने सूझबूझ के साथ हेलीकॉप्टर को नीचे उतरा। इधर, अधिकारियों का दावा है कि घटना के समय हेलीकॉप्टर में राज्यपाल मौजूद नहीं थे।

राज्यपाल पाली में दो दिवसीय दौरे के तहत गए, यहां उन्होंने कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। इस दौरान राज्यपाल का हेलीकॉप्टर जयपुर के लिए रवाना होने लगा। इस बीच अचानक करीब 10 फीट की ऊंचाई पर हेलीकॉप्टर में हल्का सा धमाका हुआ। इसके बाद हेलीकॉप्टर से धुंआ निकलने लगा। इस घटना से हेलीपैड के आसपास मौजूद लोगों और अधिकारियों में खलबली मच गई। पायलट ने इस दौरान बड़ी सूझबूझ के साथ हेलीकॉप्टर को तुरंत हेलीपैड पर उतारा। वहीं अधिकारी और बचाव दल तत्काल हेलीकॉप्टर के पास पहुंचे। इधर, राज्यपाल के हेलीकॉप्टर में हुई दुर्घटना से हड़कंप मच गया। इसको लेकर पुलिस अधिकारियों का दावा है कि जिस समय हेलीकॉप्टर में स्पार्किंग की घटना हुई, उस समय राज्यपाल हेलीकॉप्टर में सवार नहीं थे।

जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा 2018 पेपर लीक में शामिल तीन जेलकर्मी बर्खास्त

जयपुर,30 मार्च (एजेंसियां)।

जेल प्रहरी भर्ती परीक्षा 2018 पेपर लीक मामले में लिप्त 3 जेल प्रहरियों को विभाग द्वारा बर्खास्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री को मिलने वाली धमकी के बाद बरती जा रही अतिरिक्त सतर्कता के दौरान दौसा जिले के श्यालावास स्थित सेंट्रल जेल में कार्यरत मेल नर्स राजकुमार शर्मा को जेल में सिम कार्ड ले जाते पकड़ा गया। जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा भर्ती परीक्षा में चयनित हुए तीन आरोपियों योगेश कुमार, हरेंद्र सिंह और दीपक मेहता सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। डीआईजी जेल मोनिका अग्रवाल ने बताया कि शनिवार को स्पेशल सेंट्रल जेल श्यालावास दौसा की क्वार्टर गार्ड पर तैनात आरएसी के कांस्टेबल आनंद भाटी द्वारा रोजाना की तलाशी ली जा ही थी इसी दौरान मेल नर्स राजकुमार शर्मा की तलाशी ली गई। तलाशी मे एक सिम जप्त की गई। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

रेल यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना!

राजस्थान से संचालित होने वाली आधा दर्जन ट्रेनें सूरत नहीं रुकेगी

जयपुर,30 मार्च (एजेंसियां)।

राजस्थान के रेल यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण सूचना है। यदि आप अप्रैल माह के शुरुआती दिनों में सूरत जाने की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। भारतीय रेलवे के अधीन उत्तर पश्चिम रेलवे मंडल की ओर से ऐलान किया गया है कि राजस्थान से संचालित कई ट्रेनें पश्चिम रेलवे के सूरत स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्य के कारण सूरत स्टेशन पर नहीं रुकेंगी। रेलवे ने तकनीकी कार्यों को ध्यान में रखते हुए बड़ा बदलाव किया है, जिससे यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाने की सलाह दी जाती है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया कि सूरत स्टेशन पर सुगम रेल संचालन और यात्रियों की सुविधा के लिए प्लेटफॉर्म नंबर 2 और 3 पर एयर कॉनकोर्स निर्माण (फेज 2) का कार्य चल रहा है। इस कार्य के लिए ब्लॉक लिया जा रहा है, जिसके चलते रेल यातायात प्रभावित होगा। प्रभावित ट्रेनों का ठहराव अब सूरत के बजाय नजदीकी 'उधना स्टेशन' पर होगा, साथ ही उनके संचालन समय में भी आंशिक बदलाव किया गया है।बताया कि इस बदलाव से यात्रियों को असुविधा हो सकती है, इसलिए वे अपनी यात्रा से पहले ट्रेनों के नए समय और ठहराव की जानकारी अवश्य जांच लें।

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे इस बदलाव को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा की योजना बनाएं। साथ ही किसी भी जानकारी के लिए रेलवे हेल्पलाइन से संपर्क करें। रेलवे प्रशासन की ओर से यात्रियों को सुझाव दिया गया है कि वे स्टेशन पर समय से पहले पहुंचें और रेलवे हेल्पलाइन या ऑफिशियल वेबसाइट पर नवीनतम अपडेट्स की जांच करें। पुनर्विकास कार्य पूरा होने के बाद सूरत स्टेशन पर बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे भविष्य में यात्रा और सुलभ होगी। तब तक धैर्य बनाए रखें और वैकल्पिक व्यवस्था का लाभ उठाएं।

तेजाजी मंदिर में मूर्ति को खंडित करने वाला सिद्धार्थ सिंह गिरफ्तार

जयपुर,30 मार्च (एजेंसियां)।

राजधानी जयपुर के सांगानेर क्षेत्र में वीर तेजाजी मंदिर में मूर्ति क्षतिग्रस्त करने की घटना ने स्थानीय लोगों की भावनाओं को झकझोर दिया। हालांकि, पुलिस की तत्परता और स्थानीय प्रशासन की सक्रियता के चलते आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

डीसीपी ईस्ट तेजस्विनी गौतम के अनुसार, बीकानेर निवासी और राजापार्क में रहने वाले कैफे संचालक सिद्धार्थ सिंह को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले और 10 से अधिक टीमों की मदद से आरोपी की पहचान की। आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने नशे की हालत में मूर्ति को नुकसान पहुंचाया, लेकिन बाद में अपनी गलती का एहसास हुआ।पूछताछ में सिद्धार्थ सिंह ने बताया कि वह आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव से गुजर रहा था। नशे की हालत में उसने यह कृत्य किया, लेकिन जब होश आया तो उसे अपनी गलती का एहसास हुआ और उसने मंगेतर को भी इस बारे में बताया।

राजस्थान में आईपीएल मैचों में गूंजेगी राजस्थानी में कमेंट्री!

जयपुर,30 मार्च (एजेंसियां)।

राजस्थान में किक्रेट प्रेमियों के लिए बड़ी खुशबरी हैं। इस बार आईपीएल मैच में लोगों को राजस्थानी भाषा में कमेंट्री सुनने को मिलेगी। इसको लेकर खेल संघ ने इसकी तैयारी कर ली है। खेल आयुक्त नीरज के पवन ने आईपीएल मैचों में राजस्थानी भाषा में कमेंट्री सुनने को मिलेगी, इसकी पुष्टि की हैं। इसको लेकर काउंसिल के पास लोगों के राजस्थानी भाषा में कमेंट्री को लेकर सुझाव आए थे। इसके बाद खेल संघ ने इस पर मोहर लगाते हुए राजस्थानी भाषा में कमेंट्री करवाने की पूरी तैयारी कर ली है।

खेल आयुक्त नीरज के पवन ने बताया कि खेल से जुड़े हुए लोगों के सुझाव आए कि इंडियन प्रीमियर लीग में कमेंट्री के लिए राजस्थानी भाषा को भी शामिल किया जाना चाहिए। इससे पहले भोजपुरी और हरियाणवी जैसी भाषाओं में कमेंट्री हो चुकी हैं। खेल आयुक्त ने बताया कि उनका प्रयास है कि इस बार आईपीएल मैच में राजस्थानी भाषा को भी शामिल किया जाए। इसको लेकर खेल परिषद ने राजस्थान रॉयल्स के मालिक के अलावा ब्रॉडकास्ट से भी इसके बारे में बातचीत की है। वहीं 1 अप्रैल को बीसीसीआई के प्रतिनिधि जयपुर आएंगे, जहां उनसे बातचीत की जाएगी। वहां से सहमति मिलने के बाद लोग राजस्थानी भाषा का लुत्फ उठा सकेंगे।

रेप केस में फंसा करते थे उगाही 50 लोगों को फर्जी फंसाया

मोगा सेक्स स्कैंडल केस में आईपीएस समेत 4 पुलिसवाले दोषी

चंडीगढ़,30 मार्च (एजेंसियां)।

मोहाली की स्पेशल उइख कोर्ट ने मोगा सेक्स स्कैंडल मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पंजाब पुलिस के चार पूर्व अधिकारियों को दोषी ठहराया है। स्पेशल जज राकेश गुप्ता ने शनिवार को यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने इन अधिकारियों को भ्रष्टाचार और जबरन वसूली के आरोपों में दोषी पाया है। दोषी पाए गए अधिकारियों में कई बड़े नाम शामिल हैं।

इनमें देविंदर सिंह गरचा भी हैं, जो उस समय मोगा के एसएसपी थे। वे एक आईपीएस अधिकारी भी हैं। दोषी पाए गए पुलिसवालों में परमदीप सिंह संधू, जो उस समय मोगा के एसपी (मुख्यालय) थे, भी दोषी पाए गए हैं। रमन कुमार, जो उस समय थाना सिटी, मोगा के एसएचओ थे, और अमरजीत सिंह, इंस्पेक्टर, जो उस समय थाना सिटी, मोगा के एसएचओ थे, भी दोषी ठहराए गए हैं।

सीबीआई कोर्ट ने देविंदर सिंह गरचा और पी.एस. संधू को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)(व) के साथ धारा 13(2) के तहत दोषी पाया है। इसी तरह, रमन कुमार और अमरजीत सिंह को भी पीसी अधिनियम की इन्हीं धाराओं और भारतीय दंड संहिता की धारा 384 (जबरन वसूली) के तहत दोषी ठहराया गया है। अमरजीत सिंह को अतिरिक्त रूप से धारा 384 के साथ धारा 511 आईपीएस के तहत भी दोषी पाया गया है।

हालांकि, इस मामले में दो लोगों को राहत मिली है। बरजिंदर सिंह उर्फ मक्खन और सुखराज सिंह को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है। सीबीआई की ओर से वकील अनमोल नारंग ने मुकदमा लड़ा। कोर्ट ने सजा का ऐलान 4 अप्रैल को करने का फैसला किया है।

हरियाणा सरकार की कार्रवाई

गन कल्चर को प्रमोट करने वाले हरियाणवी गीतों पर प्रतिबंध

चंडीगढ़,30 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा में गायकों के गीत बैन करने के मुद्दे पर हंगामे के बावजूद सरकार ने बीते 24 घंटों में पांच गीतों को यू टयूब पर बैन कर दिया है। हरियाणा सरकार की इस कार्रवाई की जहां चौतरफा प्रशंसा हो रही है वहीं गायक इसका विरोध कर रहे हैं। प्रदेश सरकार के मंत्री और विधायक अलग–थलग पड़े हुए हैं।

हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को विधायक कुलदीप वत्स ने हरियाणवी गीतों को बैन करने का मुद्दा उठाया था। शुक्रवार को प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा तथा कृष्ण बेदी ने गायकों के समर्थन में बयान दिया था। इसके बावजूद शुक्रवार व शनिवार को सरकार ने पांच गीतों को बैन कर दिया।

हरियाणा में गन कल्चर को बढ़ावा देने वाले गानों पर सरकार की कार्रवाई लगातार जारी है। सरकार ने पिछले 24 घंटों में पॉलिसी का हवाला देते हुए पांच गानों को यूट्यूब से हटाया है। इनमें मासूम शर्मा, सुमित पारता, अमित सैनी रोहतकिया, हर्ष संधु और राज मावर के गाने शामिल हैं। दो गानों में हरियाणवी स्टार प्रांजल दहिया ने एक्टिंग की थी। सरकार अब तक 14 गाने यूट्यूब से हटा चुकी है। सरकार ने शुक्रवार और शनिवार को अमित सैनी रोहतकिया का एफिडेविट, मासूम शर्मा का 2 बंदे, सुमित पारता का पिस्तौल, हर्ष संधू का बंदूक और राज मावर व मनीषा शर्मा का बदमाशी गाने को बैन किया है। राज मावर के गानों में प्रांजल दहिया ने एक्टिंग की है। इन गानों के यूट्यूब से हटाने के बाद हरियाणवी इंडस्ट्री में हड़कंप मचा हुआ है। कुछ सिंगर तो अपने गन कल्चर वाले गानों की जगह दूसरे गाने रिप्लेस करने में लग गए हैं। सुमित पारता के पिस्तौल गाने को जैसे ही सरकार की पॉलिसी का हवाला देते हुए हटाने का ऑप्शन आया तभी सिंगर ने अपनी टेक्निकल टीम की मदद से उस गाने की जगह दूसरे गाने को रिप्लेस कर दिया। अब सुमित का पिस्तौल गाना सर्च करने पर उसकी जगह दूसरा गाना आ रहा है। मासूम शर्मा के 'दो बंदे' गाने को दो माह पहले ही मासूम ने अपने ऑफिशियल चैनल पर अपलोड किया था। इस गाने को सरकार की शिकायत पर पॉलिसी का हवाला देते हुए इंडिया डोमेन पर बैन कर दिया गया है। हर्ष संधू, प्रांजल दहिया के गाने बंदूक को तीन साल पहले यू–टयूब पर अपलोड किया गया था। इस गाने पर 154 मिलियन व्यूज हैं। वहीं सुमित पारता के पिस्तौल गाने को तीन महीने पहले यू–टयूब पर अपलोड किया गया था। तीन महीने में ही इस गाने पर 20 मिलियन व्यूज हो चुके थे। अमित सैनी रोहतकिया के एफिडेविट गाने को 10 महीने पहले यू–टयूब पर अपलोड किया गया था। इस गाने के 23 मिलियन व्यूज थे। राज मावर और मनीष शर्मा के दो साल पहले अपलोड किए गए बदमाशी गाने पर 38 मिलियन व्यूज आ चुके थे। इस गाने को भी रिमूव किया गया है। अब तक हुए 14 गानों में सबसे ज्यादा आठ गाने मासूम शर्मा के बैन हुए हैं। इनमें ट्यूशन सेंटर बदमाशी का, गब्बर भी नाचेगा, 60 मुकदमे, खटोला–2, फिल्डर, पानीपत की लड़ाई, फोर फाइव का पिस्टल, दो बंदे गाना शामिल है। मासूम शर्मा समेत बाकी कलाकारों के गानों के बैन होने से रेवेन्यू लॉस की संभावना है। जो गाने यूट्यूब पर बैन हुए हैं, उन सभी गानों के मिलियन में व्यूज थे।

अब तक 14 गीत यू–ट्यूब से हटाए गए

चैत्र नवरात्रि पर रामनगरी में उमड़ा श्रद्धालुओं का जन-सैलाब

अयोध्या, 30 मार्च (एजेंसियां)। योगी सरकार की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रामनगरी अयोध्या के ऐतिहासिक देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। नवरात्रि के प्रथम दिन माता शैलपुत्री की पूजा-अर्चना के लिए भोर से ही मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। भगवान राम की कुलदेवी बड़ी देवकाली और माता सीता की कुलदेवी छोटी देवकाली सहित अन्य प्रमुख मंदिरों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

नवरात्र के पहले दिन रामनगरी में गूंज रहे हैं जय माता की जयकारे। इस पावन अवसर पर भक्तों ने घर-घर कलश स्थापना के साथ माता को विराजमान कराया और नौ दिनों तक चलने वाले इस उत्सव की शुरुआत की। सुबह से ही मंदिरों के बाहर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। मंदिर परिसर भक्ति भजनों और मंत्रोच्चार से गूंज उठा। बड़ी देवकाली मंदिर में जहां भगवान राम की कुलदेवी के दर्शन के लिए भक्तों ने घंटों इंतजार किया, वहीं छोटी देवकाली मंदिर में माता सीता की कुलदेवी के प्रति आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने माता के चरणों में फूल, प्रसाद और श्रद्धा अर्पित की। कई भक्तों ने नवरात्रि के पहले दिन व्रत रखकर माता की विशेष पूजा की।

इस दौरान मंदिरों को फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया था, जिसने उत्सव के माहौल को और भव्य बना दिया। वहीं श्रद्धालुओं ने नवसंवत्सर 2082 चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के सुअवसर पर सरयू मैया में उदयमान सूर्य को अर्ध देकर अयोध्या के सुख समृध्दि की मंगल कामना की। सभी को नवसंवत्सर 2082 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। देवी मंदिरों में पूजन-अर्चन के बाद भक्तों ने राम मंदिर और हनुमानगढ़ी का रुख किया। देर रात तक दोनों ही मंदिरों में भक्तों की भीड़ जुटी रही। रविवार होने के कारण जन्मभूमि पथ श्रद्धालुओं से पटा रहा। वहीं दर्शन-पूजन के बाद देर शाम को लता चौक व राम की पैड़ी पर भी खूब भीड़ नजर आई।

नवरात्रि के साथ ही रामनवमी का पर्व भी नजदीक होने के कारण प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए हैं। मंदिरों के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया, जिसमें महिला पुलिस कर्मियों की विशेष रूप से नियुक्ति की गई थी। यह कदम महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग और कतार प्रबंधन की व्यवस्था भी की गई थी। वहीं गुप्तारघाट स्थित मरी माता, कैंट स्थित पाटेश्वरी माता, मकबरा स्थित शीतला माता मंदिर समेत अन्य देवी मंदिरों में देर शाम तक रौनक देखी गई।

स्थानीय प्रशासन ने मंदिरों में स्वच्छता, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी खास ध्यान रखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नवरात्रि और रामनवमी के मद्देनजर अधिकारियों को श्रद्धालुओं की हर जरूरत का ध्यान रखने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में आने वाले भक्तों को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। इस बार राम मंदिर में पहली रामनवमी होने के कारण उत्साह और भी बढ़ गया है।

प्रशासन का मानना है कि इस बार श्रद्धालुओं की संख्या में पिछले वर्षों की तुलना में भारी इजाफा होगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि नवरात्रि और रामनवमी का यह संयोग अयोध्या के लिए विशेष महत्व रखता है। भक्तों में उत्साह चरम पर है और आने वाले दिनों में यह आस्था का सैलाब और बढ़ने की उम्मीद है। एसएसपी राजकरण नय्यर ने बताया कि मंदिरों में सुरक्षा के भारी इंतजाम किए गए हैं। नवमी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए सभी के लिए दर्शन की व्यवस्था की जाएगी।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर लागू किए गए आईआईटी दिल्ली के सुरक्षा उपाय

लखनऊ, 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विकास का राजमार्ग कहे जाने वाले यमुना एक्सप्रेस-वे ने दिल्ली आईआईटी की टीम द्वारा सुझाए गए सभी सुरक्षात्मक उपाय पूरे कर लिए हैं। राज्य सड़क सुरक्षा परिषद ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में बताया कि यमुना एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) ने रोड सेफ्टी के सभी 21 मानक पूरे कर लिए हैं। अगस्त 2018 में, यीडा ने राज्य के छह जिलों गौतमबुद्ध नगर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा और बुलंदशहर से गुजरने वाले एक्सप्रेस-वे का सुरक्षा ऑडिट आईआईटी-दिल्ली की टीम से करवाया था। जिसने यमुना एक्सप्रेस-वे पर विशेषतौर से सड़क सुरक्षा संबंधी अपनी रिपोर्ट 2019 में यीडा को सौंपी थी। यीडा, यमुना एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने आईआईटी-दिल्ली के सुझाए गए विशेष 8 सुरक्षात्मक उपायों के साथ अन्य सभी 21 सुरक्षा संबंधी मानकों को पूरा कर लिया है।

उत्तर प्रदेश के 6 जिलों से गुजरने वाले 165 किलोमीटर लंबे यमुना एक्सप्रेस-वे पर सड़क सुरक्षा संबंधी सभी मानक पूरे किए जा चुके हैं। राज्य सड़क सुरक्षा परिषद ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में बताया कि यमुना एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यीडा) ने 2019 में आईआईटी- दिल्ली द्वारा दिये गये सड़क सुरक्षा के सभी 8 सुझाव के साथ अन्य जरूरी 21 मानकों को भी पूरा कर लिया है। यीडा ने आईआईटी द्वारा बताये गये निकास रैंप से पहले अतिरिक्त साइनेज, लेन प्रणाली को हटाना, प्रवेश और निकास बिंदुओं पर रंबल स्ट्रिप्स की स्थापना, निकास रैंप पर ध्वनि की तीव्रता को कम करने वाले क्रैश एटेन्यूएटर्स लगाना, पूरे गलियारे में

ऑडिबिल शोल्डर की मार्किंग, रोड शोल्डर्स से सभी साइनपोस्ट को हटाना, मानक निर्देशों के अनुसार शोल्डर गार्ड रेल को फिर से स्थापित करना और डिवाइडर को फ्लश मीडियन और केंद्रीय गार्ड रेल के साथ बदलना जैसे सभी सुरक्षा उपायों को पूरी तरह लागू किया है। साथ ही 3 क्यूआरटी वाहन, 11 पेट्रोलिंग वाहन, 6 एंबुलेस, 5 अग्निशमन की गाड़ियों के साथ 9 क्रेन एवं 2 जेसीबी भी तैनात की गई हैं।

इसके साथ ही यमुना एक्सप्रेस-वे के समीप ही 3 ट्रॉमा सेंटर भी स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा यमुना साथी एप और टोल फ्री नम्बर के माध्यम से आपात स्थिति में वाहन चालकों की त्वरित सहायता सुनिश्चित की गई है। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से जरूरी प्रशासनिक कार्रवाई भी समुचित तौर पर की जा रही हैं। जिसके तहत वाहन चालकों का ब्रीथ टेस्ट, हेलमेट, सीट बेल्ट व ओवर स्पीडिंग के लिए ई-चालान जैसी सुधारात्मक कार्रवाई को पूरा करना पड़ता है। दूसरी ओर सड़क सुरक्षा संबंधी जागरूकता के संदेशों और स्पीड लिमिट के साईन बोर्ड के माध्यम से सड़क दुर्घटना को रोकने के सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रशासन की सख्ती से यूपी में घटे 85 फीसदी अपराध

लखनऊ, 30 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले आठ वर्षों में कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में ऐतिहासिक सुधार किए हैं। 2017 से राज्य में डकैती, लूट, दंगा, हत्या, अपहरण और बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में 85 फीसदी तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के कारण उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था में बड़े पैमाने पर सुधार हुआ है। साथ ही माफिया और गुंडागर्दी पर शिकंजा कस गया है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार योगी सरकार के कार्यकाल में विभिन्न अपराधिक घटनाओं में उल्लेखनीय गिरावट आई है। डकैती की घटनाओं में 2016 की तुलना में 84.41 फीसदी कमी आई है। इसके अलावा लूट के मामले 77.43 फीसदी कम हुए हैं। इसी के साथ साथ अपहरण, दहेज हत्या एवं बलात्कार की घटनाओं में भी उल्लेखनीय रूप से कमी देखी गई है। इसके अलावा पुलिस की सक्रियता और सीसीटीवी सर्विलांस जैसी आधुनिक तकनीकों ने अपराधियों को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

योगी सरकार ने प्रदेश के माफियाओं, गैंगस्टरों और भू-माफिया पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। इसके तहत 142 अरब रुपये से अधिक की चल-अचल अवैध संपत्तियां जब्त की गई हैं। वहीं, 68 माफिया और उनके करीब डेढ़ हजार सहयोगियों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। जबकि 617 अपराधियों की गिरफ्तारी की गई है। इसके अलावा 752 पर गैंगस्टर एक्ट लागू किया गया है। योगी सरकार के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश न केवल विकास के मामले में आगे बढ़ा है, बल्कि कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भी एक नई मिसाल कायम की है। पुलिस प्रशासन की सक्रियता, तकनीकी उन्नयन और सख्त कानूनों ने अपराधियों को मिट्टी में मिला दिया है। योगी सरकार में उत्तर प्रदेश का हर नागरिक सुरक्षित महसूस करता है। यह सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

यूपी के वनटांगिया ग्रामों में खुलेगा स्कूल

महेशपुर और बुटाहनी वनटांगिया गांव में खुले प्राथमिक स्कूल

गोण्डा, 30 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में जनपद गोण्डा प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। योगी सरकार ने महेशपुर वनटांगिया ग्राम और बुटाहनी वनटांगिया ग्राम में प्राथमिक विद्यालय स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके साथ ही, स्कूलों के निर्माण के लिए बजट भी जारी कर दिया गया है। यह पहल वनटांगिया समुदाय के बच्चों के लिए शिक्षा के नए द्वार खोलेगी और उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेगी।

प्रशासन की इस सकारात्मक पहल से अब वनटांगिया ग्रामों के बच्चों को अपने ही गांव में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। यह निर्णय शिक्षा के प्रचार-प्रसार में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। सरकार ने प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय के लिए 29.45 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया है, जिससे इन विद्यालयों का निर्माण शीघ्र पूरा किया जाएगा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने जून 2023 में पदभार ग्रहण करने के बाद वनटांगिया समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ने की मुख्यमंत्री की प्राथमिकता के दृष्टिगत यहां वनटांगिया ग्रामों का निरीक्षण किया और वहां की स्थिति को नजदीक से देखा। उन्होंने स्थानीय निवासियों की समस्याओं को सुना और शिक्षा की जरूरत को प्राथमिकता दी। उनकी सक्रिय पहल के कारण यह प्रस्ताव शासन तक पहुंचा और इसे मंजूरी मिल गई। यह निर्णय प्रशासन की संवेदनशीलता और शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शासन की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, छपिया के ग्राम पंचायत महुलीखोरी के वन ग्राम बुटहनी और नवाबगंज के ग्राम हरदवा के वन ग्राम महेशपुर में इन प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना की जाएगी। इनके निर्माण कार्य की जिम्मेदारी उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लिमिटेड को सौंपी गई है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा, जिससे अगले कुछ महीनों में इन विद्यालयों का संचालन शुरू होने की उम्मीद है। विद्यालयों की स्थापना की घोषणा से वनटांगिया ग्रामों में खुशी की लहर दौड़ गई है। स्थानीय निवासियों ने शासन और प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

एक स्थानीय निवासी ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा, हमारे बच्चों को अब शिक्षा के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। यह हमारे गांव के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह पहल समाज के हर वर्ग को शिक्षा से जोड़ने और उनके भविष्य को संवारने में सहायक होगी। यह निर्णय वनटांगिया समुदाय के उत्थान में मील का पत्थर साबित होगा। इससे न केवल बच्चों को शिक्षा मिलेगी, बल्कि पूरे समाज को मुख्यधारा में जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति होगी। यह प्रशासन की दूरदर्शी सोच और शिक्षा के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

यूपी-112 सक्रिय, हर रोज 30,000 कॉलर्स को मिल रही मदद

लखनऊ, 30 मार्च (एजेंसियां)। योगी सरकार में प्रदेश की आपातकालीन सेवा यूपी-112 प्रतिदिन औसतन 30,000 लोगों को आपात सहायता पहुंचा रही है। 2017 से पहले यह संख्या केवल 18,500 ही थी। अब पहले के मुकाबले दोगुने लोगों को त्वरित सहायता मिल रही है। इसी के साथ प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ है। यूपी-112 सेवा को और अधिक प्रभावी बनाने में पुलिस रिस्पांस व्हीकल (पीआरवी) विशेष तौर पर कारगर साबित हो रहे हैं जो आपात स्थितियों में तुरंत मदद पहुंचाते हैं।

यूपी सरकार ने पुलिस कार्यवाही में पारदर्शिता लाने के लिए 6,278 पीआरवी पर तैनात कर्मियों को बॉडी वॉर्न कैमरे प्रदान किए हैं। इससे न केवल जनता के साथ पुलिस की बातचीत रिकॉर्ड हो रही है, बल्कि कर्मियों के कामकाज में भी जवाबदेही बढ़ी है। 2017 के बाद से यूपी-112 की आपातकालीन सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय बदलाव आया है।

अब मदद के लिए कॉल करने वालों को औसतन कम समय के भीतर सहायता मिल जाती है। इससे अपराध नियंत्रण और सार्वजनिक सुरक्षा में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। यूपी-112 की सेवा आने वाले समय में अधिक तकनीकी सुधारों के माध्यम से और भी कारगर बनेगी।

आधुनिकतम बनाया जा रहा लखनऊ का ट्रॉमा सेंटर और इमरजेंसी वार्ड

लखनऊ, 30 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में रोड एक्सीडेंट में कमी लाने और घायलों को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। राज्य सड़क सुरक्षा परिषद ने रोड एक्सीडेंट के घायलों को गोल्डन ऑवर में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में इमरजेंसी वार्ड को उच्चीकृत करने के साथ कानपुर, प्रयागराज, मेरठ, गोरखपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेजों के ट्रॉमा सेंटरों को लेवल-2 से लेवल- 1 में अपग्रेड किया जा रहा है। साथ ही राजधानी लखनऊ के के.जी.एम.यू. हास्पिटल के ट्रॉमा सेंटर में 500 अतिरिक्त बेड की सुविधा बढ़ाने का कार्य तेजी से चल रहा है। इसके अतिरिक्त प्रदेश के प्रमुख राजकीय मेडिकल कॉलेजों में एनईएलएस प्रोग्राम के तहत कौशल विकास केंद्र स्थापित किये जा रहे हैं।

जहां डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टॉफ के विशेष रूप से गोल्डन ऑवर में इमरजेंसी केयर का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही रोड एक्सीडेंट के घायल को त्वरित इलाज उपलब्ध कराने के लिए 108 एंबुलेंस के रिस्पांस टाइम को 15 मिनट से घटाकर 8:23 मिनट किया गया है।

राज्य सड़क सुरक्षा परिषद रोड एक्सीडेंट के घायलों को उच्च स्तरीय संस्थानों में रेफर करने के बजाए स्थानीय स्तर पर त्वरित चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के सभी राजकीय मेडिकल कॉलेजों के इमरजेंसी वार्डों को अपग्रेड किया जा रहा है।

जिसके लिए ट्रॉमा सेंटरों और इमरजेंसी वार्डों में निश्चेतक, अस्थि रोग विशेषज्ञ, जनरल सर्जन के साथ ईएमओ पद सृजित किए गए हैं। साथ ही प्रत्येक मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी विंग में सीटी स्कैन, एक्स-रे और अल्ट्रा साउंड की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है। इसके लिए वर्ष 2024-25 के बजट में 300 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। ताकि घायलों को गोल्डन ऑवर में समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। साथ ही कानपुर, प्रयागराज, मेरठ, गोरखपुर के राजकीय मेडिकल कॉलेजों के ट्रॉमा सेंटरों को लेवल-2 से लेवल-1 में अपग्रेड किया जा रहा है। साथ ही राजधानी लखनऊ के केजीएमयू हास्पिटल के लेवल-1 के ट्रॉमा सेंटर में 500 अतिरिक्त बेड की सुविधा बढ़ाने का कार्य तेजी से चल रहा है। वर्तमान में केजीएमयू, लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर में 460 बेड ही उपलब्ध हैं जिनकी संख्या शीघ्र ही 960 हो जाएगी।

प्रदेश में रोड एक्सीडेंट की इमरजेंसी केयर को और अपग्रेड करने के लिए नेशनल इमरजेंसी लाइफ सपोर्ट प्रोग्राम (एनईएलएस) के तहत बीएचयू, वाराणसी तथा गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में कौशल विकास केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त कानपुर, आगरा, मेरठ, झाँसी और प्रयागराज के मेडिकल कॉलेजों में भी कौशल विकास केंद्र बनाए जा रहे हैं। डब्लूएचओ और एम्स दिल्ली के सहयोग से 300 से अधिक डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टॉफ को इमरजेंसी केयर का पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा चुका है। ये प्रोग्राम विशेष रूप से गोल्डन ऑवर में घायलों को इमरजेंसी उपचार देने के लिए बनाया गया है।

इसके साथ ही प्रदेश सरकार की पहल पर लगभग 2916 आपदा मित्रों को फर्स्ट रिस्पांडर के तौर पर प्रशिक्षित किया गया है। जो घायलों को त्वरित रूप से फर्स्ट एड सुविधा उपलब्ध करा सकेंगे।

सेक्स और अश्लीलता के अंतरराष्ट्रीय रैकेट का पर्दाफाश

चल रहा था पोर्न स्टूडियो, 500 युवतियां थीं नौकरी पर

नोएडा, 30 मार्च (एजेंसियां)। नोएडा में ऑडिशन के लिए मॉडलों को बुलाकर उनकी अश्लील तस्वीरें और वीडियो बनाने के अंतरराष्ट्रीय गोरखधंधे का पर्दाफाश हुआ है। गिरोह का नेटवर्क कई यूरोपीय देशों, साइप्रस और अफ्रीकी देशों में फैला है। इस सिंडिकेट में लड़कियों के लिए अलग-अलग काम होता था। लड़कियां जिस हिसाब से एक्ट करती हैं उसी के हिसाब से रकम दी जाती है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कई देशों की स्ट्रीमिंग वीडियो बनाने वाली कंपनियों के साथ नोएडा के दंपति के संबंधों की जांच कर रहा है।

नोएडा के सेक्टर-105 में अश्लील और आपत्तिजनक धंधा किया जा रहा था। ईडी ने शुक्रवार को दंपती के घर छापा मारकर इस अंतरराष्ट्रीय रैकेट को पकड़ा। ईडी ने जिस घर में कार्रवाई की वहां आपत्तिजनक कंटेंट अपलोड करने के लिए स्टूडियो बना मिला। जांच में सामने आया कि कंपनी के डायरेक्टर उज्ज्वल किशोर और उसकी पत्नी नीलू श्रीवास्तव एडल्ट वेबकैम स्टूडियो चला रहे थे। दंपति की कंपनी साइप्रस की कंपनी के लिए काम कर रही थी।दंपति की कंपनी से बनाई गई सामग्री कई वेबसाइट पर अपलोड हो चुकी है। आशंका जताई जा रही है कि साइप्रस के अलावा कई यूरोपीय और अफ्रीकी देशों में भी इनकी कंपनी का संपर्क था। यह रैकेट पांच साल से चल रहा था। जांच में कई अन्य लोग भी रडार पर हैं और आने वाले दिनों में कई गिरफ्तारी हो सकती है। दिल्ली-एनसीआर की कई युवतियों से सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क किया जाता था। सोशल मीडिया पर विज्ञापन में मॉडलिंग ऑडिशन की जानकारी दी जाती थी। जब युवतियां नोएडा स्थित घर पर ऑडिशन देने पहुंचती थीं तो आरोपी की पत्नी उन्हें अश्लील रैकेट का हिस्सा बनने का प्रस्ताव देती थी। इस प्रस्ताव में 1 से 2 लाख रुपए महीने कमाने का प्रलोभन दिया जाता था। इनमें कुछ युवतियां इस जाल में फंस जाती थीं। जब ईडी की टीम छापा मारने पहुंची तब वहां तीन लड़कियां मौजूद थीं।

जांच में पता चला है कि इस रैकेट का सरगना पहले रूस के सेक्स सिंडिकेट का हिस्सा रह चुका है। इसके बाद उसने भारत में पत्नी के साथ आपत्तिजनक सामग्री रैकेट शुरू किया। पहले आरोपियों ने फेसबुक पर पेज बनाया था। जब इनके पास युवतियां आने लगीं तब रैकेट को आगे बढ़ाया और अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सक्रिय हो गए। इस सिंडिकेट में लड़कियों के लिए अलग-अलग काम होता था। लड़कियां जिस हिसाब से एक्ट करती थी उसी के हिसाब से रकम दी जाती थी। जैसे हाफ फेस शो (आधा चेहरा दिखना), फुल फेस शो (पूरा चेहरा दिखना), न्यूड (पूरी तरह नग्न) कैटेगरी होती थी। आरोपियों के पास क्रिप्टो करेंसी में भुगतान आते थे। रकम को पति-पत्नी ही अपने साथ काम करने वाले लोगों को बांटते थे। आशंका जताई जा रही है कि इन लोगों ने अब तक 500 से अधिक युवतियों को हायर किया है।

दंपती ने गलत तरीके से पर्पज कोड देकर अपने बैंक खातों में विदेशी पैसा लिया। इन दोनों ने बैंकों को विज्ञापन, मार्केट रिसर्च से लेकर जनमत संग्रह के नाम पर गलत तरीके से पर्पज कोड दिए थे। दरअसल पर्पज कोड एक विशिष्ट कोड होता है जो किसी देश के केंद्रीय बैंक द्वारा जारी किया जाता है। यह कोड अंतरराष्ट्रीय भुगतान के लिए लेनदेन की प्रकृति को स्पष्ट करता है।

मिचेल स्टार्क के आगे सनराइजर्स के बड़े-बड़े दिग्गज फेल, दिल्ली कैपिटल्स के हाथों हारकर हुए शर्मसार

विशाखापट्टनम, 30 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के 10वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना दिल्ली कैपिटल्स से हुआ। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने आसानी से 7 विकेट से बाजी मारी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स की टीम सिर्फ 163 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में दिल्ली की टीम ने आसानी से 16 ओवर्स में चेज कर लिया। सनराइजर्स हैदराबाद की ये इस सीजन लगातार दूसरी हार है।गेंदबाजों के कमाल के प्रदर्शन के बाद दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाजों ने भी कमाल का प्रदर्शन किया। इस मैच में दिल्ली के लिए फाफ डु प्लेसिस ने 50 रन की पारी खेली। वहीं 38 रन की पारी जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने खेली। इसके अलावा अभिषेक पोरेल 34 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं ट्रिस्टन स्टब्स ने नाबाद 21 रन बनाए। हैदराबाद के लिए जीशान अंसारी ने 3 विकेट हासिल किए।मिचेल स्टार्क और कुलदीप यादव की धारदार गेंदबाजी से दिल्ली कैपिटल्स ने पहले ही सनराइजर्स हैदराबाद को 163 रन पर

समेट दिया। स्टार्क ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए 35 रन पर पांच जबकि कुलदीप ने 22 रन पर तीन विकेट चटकाए जिससे सनराइजर्स की पूरी टीम 18.4 ओवर में पवेलियन लौट गई।सनराइजर्स ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और सिर्फ अनिकेत वर्मा (74 रन, 41 गेंद, छह छक्के, पांच चौके) और हेनरिक क्लासेन (32) ही टिककर बल्लेबाजी कर पाए। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी भी की। इन दोनों के अलावा ट्रेविस हेड (22) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए।पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन सनराइजर्स ने पांचवें ओवर में 37 रन तक ही सलामी बल्लेबाजों हेड और अभिषेक शर्मा (01) तथा इशान किशन (02) और नितीश कुमार रेड्डी (00) के विकेट गंवा दिए। हेड ने स्टार्क के पहले ओवर में लगातार दो चौकों से शुरुआत की लेकिन इसी ओवर में अभिषेक रन आउट हो गए। स्टार्क के अगले ओवर में इशान ने बाउंड्री पर ट्रिस्टन स्टब्स को कैच थमाया जबकि एक गेंद बाद नितीश भी दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल को कैच दे बैठे। स्टार्क ने हेड को विकेटकीपर लोकेश राहुल के हाथों कैच कराके सनराइजर्स को चौथा झटका दिया।हेनरिक क्लासेन ने आते ही स्टार्क की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ तेवर दिखाए। सनराइजर्स ने पावर प्ले में चार विकेट पर 58 रन बनाए। अनिकेत ने भी विपराज निगम की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का मारा और फिर अक्षर पर लगातार दो छक्के जड़े। क्लासेन ने 10वें ओवर में कुलदीप यादव पर छक्के के साथ टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। क्लासेन हालांकि अगले ओवर में पवेलियन लौट गए जब मोहित शर्मा की गेंद पर विपराज ने उनका शानदार कैच लपका। उन्होंने 19 गेंद की अपनी पारी में दो छक्के और दो चौके मारे।अभिनव मनोहर भी चार रन बनाने के बाद कुलदीप का शिकार बने जिससे सनराइजर्स का स्कोर छह विकेट पर 119 रन हो गया। अनिकेत ने कुलदीप की गेंद पर एक रन के साथ 34 गेंद में अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगली गेंद पर कमिंस (02) जैक फ्रेजर मैकगर्क को कैच थमा दिया। अनिकेत ने अक्षर के अगले ओवर में लगातार गेंदों पर एक चौका और दो छक्के मारे लेकिन कुलदीप की गेंद पर मैकगर्क को कैच दे बैठे।

न्यूज ब्रीफ

वाराणसी के रोशन मौर्य ने 10 दिन में जीते तीन पदक

वाराणसी। वाराणसी के सारनाथ के पास रहने वाले रोशन मौर्य ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा की चमक बिखेरी है। मात्र 10 दिनों में उन्होंने तीन राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया है। रोशन, काशी विद्यापीठ के छात्र होने के साथ-साथ कराटे के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने इससे पहले भी कई पदक जीतकर अपने परिवार और शहर का नाम रोशन किया है। रोशन मौर्य ने हाल ही में आयोजित अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय क्वान की-डो प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर अपनी सफलता की शुरुआत की। यह प्रतियोगिता 18 से 20 मार्च तक राजस्थान के जे.जे. विश्वविद्यालय में आयोजित हुई थी, जिसमें उन्होंने पुरुष 61 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया। इसके तुरंत बाद, उन्होंने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में भी अपना दमखम दिखाया। यह प्रतियोगिता 21 से 25 मार्च तक उत्तर प्रदेश के मेरठ में स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में आयोजित हुई थी। इस प्रतियोगिता में उन्होंने पुरुष 63 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर काशी विद्यापीठ का नाम रोशन किया।

हैदराबाद में जीता तीसरा राष्ट्रीय पदक- मेरठ में पदक जीतने के बाद रोशन सीधे हैदराबाद पहुंचे, जहां उन्होंने केआईओ राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। यह प्रतियोगिता 26 से 29 मार्च तक गच्चीबावली इंडोर स्टेडियम में आयोजित हुई थी। इस प्रतियोगिता में उन्होंने उत्तर प्रदेश की ओर से पुरुष 60 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता। उनकी इस उपलब्धि पर उनके कोच, परिवार और शुभचिंतक उन्हें बधाइयां दे रहे हैं। रोशन की इस सफलता ने यह साबित कर दिया कि मेहनत और लगन से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

पूरन ने अकेले ही लगाये हैं नौ टीमों से ज्यादा छक्के

नई दिल्ली। आईपीएल में आक्रामक बल्लेबाज की बात करें तो वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन की अधिक चर्चा नहीं होती पर अगर आंकड़ों की बात करें तो इस बल्लेबाज ने अकेले ही कई टीमों से ज्यादा छक्के लगाये हैं। पूरन ने आईपीएल की 9 टीमों से ज्यादा छक्के मारे हैं। पूरन ने साल 2024 से अब तक वह इस प्रारुप में सबसे ज्यादा 200 छक्के लगाये हैं। अब तक 86 पारियों में पूरन ने 41 की औसत और 161 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 2777 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने 20 अर्धशतक और एक शतक लगाया है। वहीं छक्के मारने के मामले में दक्षिण कोरिया के हेनरिच क्लासेन दूसरे नंबर पर हैं। क्लासेन ने 64 पारियों में 119 छक्के लगाए हैं। वहीं अब तक की बात करें तो आईपीएल में केवल सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने ही मिलकर पूरन से ज्यादा छक्के लगाये हैं। 2024 सत्र से अब तक हैदराबाद के बल्लेबाजों ने कुल 202 छक्के लगाये हैं। वहीं आरसीबी के बल्लेबाजों ने 182 छक्के मारे हैं। सबसे कम 83 छक्के गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजों ने लगाये हैं। एक साल में टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा 170 छक्के मारने का विश्व रिकॉर्ड भी पूरन के नाम दर्ज है। टी20 क्रिकेट में पूरन के नाम चौके से ज्यादा छक्के हैं। अभी तक उन्होंने अपने करियर में 386 मुकाबले खेले हैं। इसमें उनके बल्ले से 586 चौके और 612 छक्के लगाये हैं।

जोकोविच मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचे , जीत सकते हैं 100 वां खिताब

फ्लोरिडा। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गये हैं। जोकोविच ने सेमीफाइन में बुलगारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव को 6-2, 6-3 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। अब जोकोविच के पास अपने 100वें एटीपी खिताब को जीतने का अच्छा अवसर है।

जोकोविच ने सेमीफाइनल में पहला सेट जीतने के दौरान लगातार 5 गेम जीते। वहीं दिमित्रोव की शुरुआत दूसरे सेट में अच्छी नहीं रही जिससे जोकोविच को आसानी से जीत मिल गयी। जोकोविच ने कहा कि अब मेरा लक्ष्य 100 खिताब जीतना है। साथ ही कहा कि मैंने अब तक इस टूर्नामेंट में जिस प्रकार से खेला है। उससे मैं बहुत खुश हूं। वहीं दिमित्रोव कभी भी मैच में हावी नहीं हो पाये। उन्होंने जोकोविच की सर्विस पर पहला गेम जीता पर इसका लाभ नहीं उठा पाए। दूसरे सेट में दिमित्रोव की शुरुआत धीमी रही।

सीएसके के लिए नहीं चला माही मैजिक, आखिरी ओवर के रोमांच में राजस्थान ने पलटी बाजी, दर्ज की पहली जीत

गुवाहाटी, 30 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 11वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स की टीम ने आखिरी ओवर के रोमांच में चेन्नई सुपर किंग्स को 6 रन से हरा दिया। लगातार दो हार के बाद राजस्थान को 18वें सीजन में पहली जीत मिली है। इस मुकाबले में राजस्थान की टीम ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए 182 रन का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में सीएसके ने दमदार खेल बावजूद 20 ओवर के खेल में 6 विकेट पर 176 रन ही बना पाई। इस तरह राजस्थान रॉयल्स की टीम 18वें सीजन में हार की हैट्रिक से बच गई।राजस्थान के खिलाफ इस मैच में लक्ष्य का पीछा का करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत कुछ खास नहीं थी। पहले ही ओवर में ओपनर बल्लेबाज रचिन रविंद्र को जोफ्रा आर्चर ने आउट कर दिया। इसके बाद राजस्थान के गेंदबाजों ने कसी हुई बॉलिंग की, जिससे सीएसके की टीम एक समय पर दबाब में आ गई थी, लेकिन कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने धैर्यपूर्ण पारी खेलते हुए मैच को रोमांचक बना दिया।सीएसके की तरफ से कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 44 गेंद में 63 रनों की पारी खेली। गायकवाड़ जब तक क्रीज पर थे मैच सीएसके के पक्ष में लग रहा था, लेकिन वानिंदु हसरंगा ने उन्हें आउट कर राजस्थान के लिए मौका बना दिया। कप्तान के आउट होने के बाद खुद महेंद्र सिंह धोनी बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे। आरसीबी के खिलाफ 9वें नंबर पर बल्लेबाजी के कारण आलोचना झेलने वाले धोनी इस बार 7वें नंबर पर आए। धोनी जब क्रीज पर आए तो सीएसके को जीत के लिए 25 गेंद में 54 रन की जरूरत थी। धोनी टीम के लिए 15.5 ओवर में बैटिंग के लिए उतरे थे। राजस्थान के लिए पारी का 17वां ओवर संदीप शर्मा लेकर आए। इस ओवर में धोनी और जडेजा ने मिलकर टीम के लिए सिर्फ 9 रन जुटाए।इसके बाद महीश तिक्षणा ने भी धोनी और जडेजा को बांधे रखा और सिर्फ 6 रन दिए। इस तरह सीएसके को जीत के लिए 12 गेंद में 39 रन बनाने थे। पारी के 19वें ओवर में धोनी और जडेजा ने अपना गियर बदला और तुषार देशपांडे के खिलाफ 19 रन जुटाकर राजस्थान पर दबाव बना दिया। आखिरी ओवर में अब टीम को 20 रन की जरूरत थी, लेकिन संदीप शर्मा ने दूसरी ही गेंद पर धोनी को कैच आउट करा दिया। धोनी के आउट होते ही एक बार फिर से राजस्थान की मैच में वापसी हो गई। संदीप ने सधी हुई गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 13 रन खर्च किए, जिससे टीम को 6 रन से जीत मिली।इससे पहले राजस्थान के लिए बल्लेबाजी में नितीश राणा ने कमाल का खेल दिखाया। नीतिश राणा ने 36 गेंद में 81 रन बनाए लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजों ने शानदार वापसी करते हुए राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल के मैच में रविवार को नौ विकेट पर 182 रन पर रोक दिया। नीतिश ने चेन्नई के गेंदबाजों पर दबाव बनाते हुए अपनी पारी में 10 चौके और पांच छक्के लगाए। इससे पहले चेन्नई के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था।अपने घरेलू मैदान पर खेल रहे रॉयल्स के कप्तान रियान पराग (37) ने दो चौके और दो छक्के लगाए लेकिन उनकी पारी में लय का अभाव दिखा । रॉयल्स आखिरी पांच ओवर में 37 रन ही बना सके। लेकिन रॉयल्स के लिये अच्छी बात यह है कि 2019 के बाद से चेन्नई की टीम 180 से ऊपर के लक्ष्य का पीछा कर पाने में नाकाम रही है।मुकाबले में रॉयल्स की शुरूआत अच्छी नहीं रही और पहली गेंद पर चौका जड़ने के बाद सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को खलील ने आउट कर दिया।

विदेशी खिलाड़ियों को जीआई-पीकेएल में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं : कार्तिक डम्मू

गुरुग्राम, 30 मार्च (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय कबड्डी सितारे ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) में भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। यह बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट 18 अप्रैल से गुरुग्राम में शुरू होने वाला है। पहले सीजन में 12 टीमें (6 पुरुष और 6 महिला टीमें) हिस्सा ले रही हैं। जीआई-पीकेएल के संस्थापक कार्तिक डम्मू ने एक बयान में कहा कि मैं विदेशी खिलाड़ियों को ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग में अपनी प्रतिभा दिखाते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं।

कबड्डी एक ऐसा खेल है जिसकी जड़ें भारत में हर जगह फैली हुई हैं और इसे वैश्विक स्तर पर फैलते देखना काफी रोमांचक करने वाला है। विभिन्न देशों के एथलीटों के प्रतिस्पर्धा करने से न केवल खेल की तीव्रता बढ़ेगी, बल्कि खेल में नई शैलियां और रणनीतियां भी आएंगी। यह लीग वास्तव में एक अंतरराष्ट्रीय कबड्डी अनुभव की शुरुआत है और मैं इसे देखने के लिए उत्साहित हूं।

आईपीकेएल के संस्थापक सोहन तुसीर ने खिलाड़ियों की गुणवत्ता को लेकर भरोसा जताते हुए कहा कि यह लीग दुनियाभर में कबड्डी के नए उभरते सितारों के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी और उन प्रतिभाओं को एक बड़ा मंच देगी जो इस मौके का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान जीआई-पीकेएल ने अपनी चैंपियनशिप ट्रॉफी का अनावरण किया था।

महिला टीमें: हरियाणवी ईगल्स, भोजपुरी लेपर्डेस, मराठी फाल्कन्स, पंजाबी टाइग्रेस, तेलुगु चीतास, तमिल लायनेस।

पुरुष टीमें: भोजपुरी लेपर्ड्स, हरियाणवी शार्क्स, मराठी वल्चर्स, पंजाबी टाइगर्स, तमिल लायंस, तेलुगु पैंथर्स।

न्यूकास्टल में विजयी परेड

न्यूकास्टल में विजयी परेड में बस में जश्न मनाते हुए न्यूकास्टल यूनाइटेड के खिलाड़ी।

विजय शंकर के नाम अनोखा रिकॉर्ड हुआ दर्ज प्लेइंग 11 में मौका मिलते ही किया ऐसा काम

चेन्नई, 30 मार्च (एजेंसियां)।

विजय शंकर ने रविवार को फिर से चेन्नई के खेमे में वापसी की। इस दौरान विजय शंकर ने कुल 123 माच खेले, जिसमें सीएलटी20 के मैच भी शामिल हैं। यानी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए पहला मुकाबला खेलने और फिर से वापसी करने के बीत उनके लिए कुल 123 मैच का अंतर रहा। ये चेन्नई के लिए दो मैचों के बीच सबसे बड़ा अंतर है। इससे पहले ये रिकॉर्ड रविचंद्रन अश्विन के नाम पर था।

विजय शंकर ने साल 2014 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए रांची में डेब्यू किया था। इसके बाद विजय शंकर ने रविवार को फिर से चेन्नई के खेमे में वापसी की। इस दौरान विजय शंकर ने कुल 123 माच खेले, जिसमें सीएलटी20 के मैच भी शामिल हैं। यानी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए पहला मुकाबला खेलने और फिर से वापसी करने के बीत उनके लिए कुल 123 मैच का अंतर रहा। ये चेन्नई के लिए दो मैचों के बीच सबसे बड़ा अंतर है। इससे पहले ये रिकॉर्ड रविचंद्रन अश्विन के नाम पर था। अश्विन ने सीएसके लिए आईपीएल 2014 का फाइनल मैच खेला था। इसके बाद उन्होंने इस सीजन का पहला मैच चेन्नई के लिए खेला।

आज के मैच में खेलते हुए विजय शंकर को गेंदबाजी का मौका नहीं मिला। हालांकि, उन्होंने फील्डिंग में शानदार प्रदर्शन किया। विजय शंकर ने वानिंदू हसरंगा का शानदार कैच पकड़ा। इससे पहले चेन्नई की टीम ने कुछ कैच छोड़े थे। ऐसे में जब वानिंदू हसरंगा ने जडेजा की गेंद पर मिडविकेट की दिशा में शॉट खेला। विजय शंकर ने आगे की तरफ डाइव लगाते हुए बेहद शानदार कैच पकड़ा। उन्होंने मैदान से कुछ इंच ऊपर ही ये कैच लपककर हसरंगा को चलता कर दिया।

अक्टूबर-नवंबर में सफेद गेंद सीरीज के लिए भारतीय पुरुष टीम आयेंगी ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न, 30 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष टीम अक्टूबर-नवंबर में होने वाले तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर आयेंगी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने 2025-26 के अपने घरेलु अंतरराष्ट्रीय सत्र के कार्यक्रम की घोषणा की है। जिसके तहत भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के आठ शहरों में आठ मैच खेलेंगी। यह मैच 19 अक्टूबर से शुरू होकर आठ नवंबर तक खेले जायेंगे। टी-20 श्रृंखला में कैनबरा और होबार्ट जैसे स्थानों पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी होगी।

अन्य मैच मेलबर्न, गोल्ड कोस्ट और ब्रिसबेन में होंगे। एकदिवसीय मैच पर्थ, एडिलेड और सिडनी में खेले जाएंगे।

रूट के साथी खिलाड़ियों को नसीहत, भारत के खिलाफ प्रदर्शन में निरंतरता रखनी होगी

भारतीय टीम जून में इंग्लैंड के दौरे पर जाएगी

नई दिल्ली, 30 मार्च (एजेंसियां)।

दुनिया के ज्यादातर क्रिकेटर जब आईपीएल में व्यस्त हैं, तब जो रूट टेस्ट सीरीज की प्लानिंग बनाने में लगे है।इंग्लैंड के जो रूट ने भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए अपने खिलाड़ियों को नसीहतें दे डाली है। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ प्रदर्शन में निरंतरता रखनी होगी क्योंकि इसतरह के मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कोई छुपने की जगह नहीं होती। रूट की गिनती मॉडर्न ग्रेट्स में होती है। उन्हें इस शताब्दी के फैब फोर में विराट कोहली, स्टीव स्मिथ और केन विलियम्सन के साथ शामिल किया जाता है। भारतीय टीम को जून में इंग्लैंड के दौरे पर जाना है। दोनों टीमें 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेंगी। यह सीरीज 2025-27 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होगी। सीरीज का

पहला मैच 20 जून से हेडिंग्ले में खेला जाएगा। इंग्लैंड के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले रूट ने कहा, भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में कोई छुपने की जगह नहीं है। यह एक लंबी और मुश्किल सीरीज होगी। इसमें जिताने के लिए हमें निरंतरता बनाए रखनी होगी।

बात दें कि रूट ने 2017 से 2022 तक इंग्लैंड टेस्ट टीम की कप्तानी की है। उन्होंने इस दौरान अपनी टीम को 64 मैचों में से 27 में जीत दिलाई। उन्होंने एशेज में हार के बाद कप्तानी छोड़ दी थी। लेकिन वे टीम के नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं। रूट ने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी में तीन पारियों में 225 रन बनाए थे। रूट ने कहा, 'चैंपियंस ट्रॉफी निराशाजनक थी। हम अपनी क्षमता के अनुसार नहीं खेल सके। लेकिन अब हमें आगे बढ़ना है। अब भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज अच्छा मौका है कि हम फिर से टीम के रूप में आगे बढ़ें और उन ऊंचाइयों पर जाएं, जिसमें हम सक्षम हैं। रूट ने जॉस बटलर के इस्तीफे के बाद वनडे में इंग्लैंड की कप्तानी करने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अब वह समय बीत चुका है। मैंने इंग्लैंड के कप्तान के रूप में अपना समय पूरा कर लिया है। हां, मुझे यकीन है कि जिसे भी यह मौका मिलेगा, वह गर्व महसूस करेगा और शानदार काम करेगा।

बीसीसीआई ने पांड्या पर 12 लाख का जुर्माना लगाया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने धीमी ओवर गति के लिए मुम्बई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। पंड्या पर पिछले सत्र में भी इसी कारण जुर्माना और एक मैच का प्रतिबंध भी लगा था। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मुंबई इंडियंस ने समय रहते 20वें ओवर की शुरुआत नहीं की। इसके लिए मुंबई इंडियंस को सजा के तौर पर अंतिम ओवर में केवल चार ही खिलाड़ियों को 30 गज के दायरे के बाहर रखने की अनुमति थी। इससे भी मुंबई इंडियंस को हुआ था। इसके अलावा उनपर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा है। आईपीएल की ओर से कहा गया कि मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या पर जुर्माना लगाया गया है, क्योंकि उनकी टीम ने गुजरात के खिलाफ आईपीएल 2025 के मैच में धीमी ओवर गति रखी थी। यह आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत न्यूनतम ओवर-रेट से जुड़ी है। इस बार धीमी ओवर गति के तीन अपराधों के बावजूद किसी खिलाड़ी को प्रतिबंधित नहीं किया जाएगा। इस बार इसकी जगह पर नकारात्मक अंक दिये जाएंगे।

फलों के निर्यात में पिछले पांच वर्षों में हुई जोरदार बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। **पिछले पांच वर्षों में भारत के फलों के निर्यात में 47.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसके बाद सरकार नए बाजारों की तलाश कर रही है। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के अनुसार, यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से यूएई और ऑस्ट्रेलिया को फलों के निर्यात में क्रमशः 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।**

नए बाजारों की तलाश कर रही है सरकार

राज्य मंत्री प्रसाद ने राज्यसभा को बताया कि मुक्त व्यापार समझौते से भारत द्वारा यूएई को निर्यात बढ़ाने में मदद मिली है, जहां फलों के निर्यात में 27 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और ऑस्ट्रेलिया को फलों के निर्यात में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मंत्री ने कहा कि सरकार इन निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए कोल्ड चेन इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करते हुए गुणवत्ता को लेकर आश्वासन और नए बाजारों की खोज पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि देश से जाने वाला कोई भी उत्पाद ब्रांड इंडिया और भारत का नाम है, इसलिए विदेशों में भेजे जाने वाले उत्पादों और फलों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। वाणिज्य विभाग, एपीडा के माध्यम से, ताजे फलों के व्यापार को समर्थन देने के लिए संबंधित राज्य सरकारों के साथ सहयोग करता है। भारत वर्तमान में 85 से अधिक देशों को ताजे फलों का निर्यात करता है। एपीडा ऑस्ट्रेलिया, यूरोप, यूएसए और उभरते नए बाजारों में प्रवेश करने के लिए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के राष्ट्रीय पौध संरक्षण संगठन (एनपीपीओ) के साथ मिलकर काम करता है। सरकार जल्दी खराब होने वाले उत्पादों, खासकर ताजे फलों के लिए, समुद्री प्रोटोकॉल के विकास पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, जिससे अधिक मात्रा में निर्यात संभव होगा, खासकर लंबी दूरी के बाजारों में अधिक प्रतिस्पर्धी कीमतों पर, जिससे किसानों सहित निर्यात सप्लाई चेन में सभी हितधारकों को अधिक लाभ मिल सकेगा। मोदी सरकार के कार्यकाल में भारत ने कृषि निर्यात में नई ऊंचाइयों को छुआ है। देश के फलों की खेप पहली बार पश्चिमी देशों के आकर्षक बाजारों में पहुंची है। चावल के निर्यात में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे किसानों को अधिक आय प्राप्त करने में मदद मिली है।

न्यूज ब्रीफ

ब्ल्यूस्मार्ट के सीईओ समेत कई बड़े अधिकारियों ने दिया इस्तीफा, नंदन शर्मा को नया सीईओ नियुक्त किया गया

नई दिल्ली। ब्ल्यूस्मार्ट कंपनी अपनी वित्तीय स्थिति को बेहतर बनाने बड़े स्तर पर पुनर्गठन कर रही है।

लेकिन इस दौरान कंपनी से कई बड़े अधिकारियों ने इस्तीफा दे दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी सहित कई बड़े अधिकारियों ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि नंदन शर्मा को नया सीईओ नियुक्त किया गया है। वह पहले वाइस-प्रेसिडेंट ऑफ बिजनेस एंड ऑपरेशंस थे। ब्ल्यूस्मार्ट का पुनर्गठन ऐसे समय में हो रहा है, जब इसकी मूल कंपनी जेन्सोल इंजीनियरिंग अपनी मौजूदा लीज व्यवस्थाओं को खत्म करने की ओर बढ़ रही है। इस प्रक्रिया के तहत जेन्सोल 2,997 इलेक्ट्रिक वाहनों को चेन्नई की कंपनी रिफेक्स ग्रीन मोबिलिटी को बेच रही है। ये वाहन ब्ल्यूस्मार्ट के कुल 8,700 ईवीएस के बेड़े का 34 प्रतिशत हैं। इन्हें बेचने के बाद ये वाहन ब्ल्यूस्मार्ट को वापस लीज पर दिए जाएंगे। इसके अलावा, रिफेक्स जेन्सोल का मौजूदा 315 करोड़ रुपये का कर्ज भी अपने ऊपर लेगी। हालांकि, यह सौदा अभी रेगुलेटरी मंजूरी का इंतजार कर रहा है। इन बदलावों के बावजूद ब्ल्यूस्मार्ट ने आश्वासन दिया है कि उसकी राइड-हेलिंग सेवाएं प्रभावित नहीं होंगी।

अमेरिका के ट्रंप की नई टैक्स नीति से वैश्विक बाजारों पर पड़ेगा प्रभाव, 2 अप्रैल को आने वाली है सबसे बड़ी तबाही

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल को एक नई टैक्स नीति की घोषणा करने की

संभावना जताई है, जिससे कि वैश्विक व्यापार और बाजारों में अस्थिरता आ सकती है। यह नीति अमेरिका के घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखती है, लेकिन इससे बहुदेशी व्यापारिक संबंध प्रभावित हो सकते हैं। ट्रंप की योजना के अनुसार अमेरिका के कुछ विशेष व्यापारिक साथियों पर नए टैक्स लगाने की संभावना है, जो अमेरिका के साथ अधिक निर्यात करते हैं। इस निर्णय का असर भारत और अन्य कई देशों पर हो सकता है। भारत अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और अगर इसे नए टैक्स का सामना करना पड़ा, तो इसका निर्यात पर प्रभाव हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था अधिकतर घरेलू मांग पर निर्भर है, तो इसका दीर्घकालिक प्रभाव सीमित रहेगा।

प्रतिकूल वैश्विक स्थितियों से प्रभावित हुआ प्राइमरी मार्केट, अगले सप्ताह एक भी नया आईपीओ नहीं

पिछले सप्ताह लॉन्च हुए तीन आईपीओ में पैसे लगाने का है मौकाचार कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के जरिये कारोबार की करेंगे शुरुआत

नई दिल्ली, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्लोबल मार्केट में बनी प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण प्राइमरी मार्केट में नए आईपीओ की लॉन्चिंग के लिहाज से पूरी तरह से सूखा पड़ा रहने वाला है। एक अप्रैल से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान एक भी नया आईपीओ लॉन्च होने वाला नहीं है। हालांकि पिछले सप्ताह 27 और 28 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले तीन आईपीओ में दो और तीन अप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी।

जहां तक लिस्टिंग की बात है तो इस सप्ताह चार कंपनियों के शेयर लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में कारोबार की शुरुआत करेंगे। पिछले सप्ताह 27 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले रैटेगियो इंडस्ट्रीज के 15.5 करोड़ रुपये के पब्लिक इश्यू में 2 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 25 रुपये प्रति शेयर का भाव तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 6,000 शेयर का है।

इस आईपीओ को अभी तक 0.84 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। इश्यू क्लोज होने के बाद तीन अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट होगा, जबकि सात अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इनकी लिस्टिंग होगी। इसी तरह पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबार दिन 28 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले स्पिनेरो कॉमर्शियल लिमिटेड के आईपीओ में तीन अप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 51 रुपये प्रति शेयर का भाव तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। इस आईपीओ को अभी तक 0.16 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है।

इश्यू क्लोज होने के बाद चार अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट होगा, जबकि आठ अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इनकी लिस्टिंग होगी। इसी तरह 28 मार्च को ही सब्सक्रिप्शन के लिए खुले इनफोनेटिव सॉल्यूशंस के 24.71 करोड़ रुपये के पब्लिक इश्यू में तीनअप्रैल तक बोली लगाई जा सकेगी।

आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 75 रुपये से लेकर 79 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। इस आईपीओ को अभी तक 0.52 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका है। इश्यू क्लोज होने के बाद चार अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट होगा, जबकि आठ अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इनकी लिस्टिंग होगी। जहां तक इस सप्ताह स्टॉक मार्केट में होने वाली लिस्टिंग की बात है, तो एक अप्रैल से लेकर तीन अप्रैल के बीच चार कंपनियां के शेयर लिस्टिंग के जरिए अपने कारोबार की शुरुआत करेंगे।

इनमें एक अप्रैल को डेस्को इंफ्राटेक के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत करेंगे। इसी तरह दो अप्रैल को श्री अहिंसा नेचुरल्स और एटीसी एनर्जीज के शेयरों की एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग होगी। इसके अलावा तीन अप्रैल को आईडेंटिक्स वेब के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

भारत में जर्मनी की कंपनी करेगी 1.5 बिलियन डॉलर का निवेश, राज्य ने इसके लिए जमीन भी चिह्नित कर ली है

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि जर्मनी की एक रसायन क्षेत्र की कंपनी ने भारत में 1.5 बिलियन डॉलर (लगभग 150 करोड़ डॉलर) का निवेश करने का फैसला किया है। साथ ही एक राज्य ने इसके लिए जमीन भी चिह्नित कर ली गई है। हालांकि मंत्री ने कंपनी का नाम या राज्य का नाम नहीं बताया, लेकिन उन्होंने कहा कि कंपनी का प्रमुख जल्द राज्य के मुख्यमंत्री से मिलने वाला है। गोयल ने यूनियन इंटरनेशनेल डेस एवोकेट्स के एक सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जमीन का आवंटन उसके हाथ में होगा और हमारे देश में अगले 12 महीनों में डेढ़ बिलियन डॉलर का विदेशी प्रत्यक्ष निवेश आएगा। कंपनी एक ऐसी जमीन की तलाश में है, जो लगभग 250 एकड़ की हो और किसी बंदरगाह के पास हो। जर्मनी भारत में नौवां सबसे बड़ा निवेशक देश है। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2024 के बीच देश को लगभग 15 बिलियन डॉलर का विदेशी प्रत्यक्ष निवेशमिला है। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक कंपनियां भारत में व्यापार के अवसरों को तलाशने के लिए आ रही हैं।

ऑडी ने लोकप्रिय ए5 सेडान और एस्टेट को किया अपडेट

नई दिल्ली, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। लग्जरी कारों का निर्माण करने वाली कंपनी ऑडी ने अपनी लोकप्रिय ए5 सेडान और एस्टेट को नए प्लग-इन हाइब्रिड पावरट्रेन (पीएचईवी) के साथ अपडेट किया है। नई ऑडी ए5 ई-हाइब्रिड अब पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर के संयोजन से जबरदस्त परफॉर्मेंस और ईंधन दक्षता प्रदान करती है। नई ए5 में 2.0-लीटर, चार-सिलेंडर टर्बो-पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 252एचपी की पावर जनरेट करता है। इसे गियरबॉक्स के अंदर रखी गई इलेक्ट्रिक मोटर से जोड़ा गया है, जो 142एचपी की अतिरिक्त पावर प्रदान करती है।

इस हाइब्रिड सिस्टम का संयुक्त आउटपुट दो वेरिएंट्स में उपलब्ध है एक 300एचपी और 450 एनएम टॉर्क के साथ, और दूसरा 367एचपी और 500एनएम टॉर्क के साथ। दोनों ही वेरिएंट्स में 7-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स और ऑडी का क्वाट्रो ऑल-व्हील ड्राइव सिस्टम दिया गया है। ए5 ई-हाइब्रिड में 25.9 केडब्ल्यूएच की बैटरी लगी है, जो 110 किलोमीटर तक की इलेक्ट्रिक रेंज प्रदान करती है। यह 11 केडब्ल्यू की एसी चार्जिंग को सपोर्ट करता है, जिससे बैटरी को केवल 2.5 घंटे में 0 से 100 प्रतिशत तक चार्ज किया जा सकता है। इसमें ईवी और हाइब्रिड दो ड्राइव मोड मिलते हैं। नई ऑडी ए 5 का इंटीरियर भी बेहद प्रीमियम है।

इसमें 11.9 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और 14.5 इंच का इंफोटेनमेंट टचस्क्रीन मिलता है। इसके अलावा, पैनोरमिक सनरूफ, एम्बिएंट लाइटिंग और तीन-ज़ोन क्लाइमेट कंट्रोल जैसी सुविधाएं दी गई हैं। भारत में इसकी कीमत रुपए 45.5 लाख से शुरू होती है, जबकि अवंत एस्टेट वेरिएंट की कीमत सैलून मॉडल से करीब रुपए 2.2 लाख ज्यादा है।ऑडी ने इस कार में रीजनरेटिव ब्रेकिंग टेक्नोलॉजी को भी बेहतर बनाया है, जिसे स्टीयरिंग व्हील पर पैडल शिफ्टर्स के जरिए एडजस्ट किया जा सकता है।

हल्दीराम स्नैक्स में यूएई सुरक्षा सलाहकार करने जा रहा है बड़ा निवेश

मुंबई। हल्दीराम स्नैक्स भारत की प्रमुख नमकीन, भुजिया, और मिठाई कंपनी, इन दिनों उदारीकृत संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनून बिन जायद के निवेश के चर्चे में है। खबर आई है कि उन्होंने हल्दीराम स्नैक्स में 6 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने का फैसला किया है, जिसके माध्यम से प्राय: 600 मिलियन डॉलर की बड़ी करोड़पति की गणना हुई है। सूत्रों के मुताबिक इससे पहले उन्होंने गौतम अडानी की मदद की थी और इसका व्यापारिक में स्वागत किया जा रहा है। तहनून ने अपने बीमा कंपनी अल्फा वेव ग्लोबल के माध्यम से चिमेरा कैपिटल के साथ मिलकर हल्दीराम स्नैक्स में हिस्सेदारी खरीदने का सौदा किया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जहां सेवा कार्य...

आज जब हम माधव नेत्रालय की बात कर रहे हैं तो दृष्टि की बात स्वाभाविक है। जीवन में दृष्टि ही दिशा देती है। वेदों में भी कामना की गई है। पश्यम सरल: शतम। हमारे पास बाह्य और अंत: दृष्टि भी होनी चाहिए।विदर्भ के महान संत श्री गुलाबराव को प्रज्ञा चक्षु कहा जाता था। बहुत ही कम आयु में उन्हें आंखों से दिखाई देना बंद हो गया था, लेकिन फिर भी उन्होंने कई पुस्तकें लिखी। उनके पास एक दृष्टि थी, जो कि बोध से आती है। हमारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी एक ऐसा संस्कार यज्ञ है, जो कि अंत: और बाह्य दोनों ही दृष्टि के लिए काम कर रहा है। बाह्य दृष्टि के तौर पर माधव नेत्रालय है। लेकिन अंत: दृष्टि ने संघ को सेवा का पर्याय बना दिया।पीएम मोदी कहते हैं कि हमारे यहां कहा गया है कि परोपकाराय फलन्ति वृक्षः, परोपकाराय वहन्ति नद्यः:, परोपकाराय दुहन्ति गावः परोपकारार्थमिदं शरीरं। हमारा शरीर सेवा के लिए ही है। जब ये सेवा संस्कारों में आ जाती है तो ये साधना बन जाती है और ये साधना हर एक स्वयंसेवक के जीवन की प्राणवायु होती है। ये सेवा संस्कार और साधना हर स्वयंसेवक को तप के लिए प्रेरित कर रही है। ये साधना स्वयंसेवक को निरंतर गतिमान रखती है। उसे कभी भी थकने नहीं देती है, रुकने नहीं देती।पीएम मोदी ने श्री गुरुजी का जिक्र करते हुए कहा कि वह कहा करते थे कि जीवन की अवधि नहीं, उसकी उपयोगिता का महत्व होता है। हम देव से देश और राम से राष्ट्र के जीवन मंत्र लेकर करके चले हैं। हम देखते हैं, बड़ा छोटा कैसा भी काम हो, सीमाई गांव हो, पहाड़ी हो या वन क्षेत्र हो संघ के स्वयंसेवक निस्वार्थ भाव से काम करते रहते हैं। वनवासी कल्याण संघ इसे अपना ध्येय बनाकर जुटा है। कहीं कोई एकल विद्यालय के जरिए वनवासी बच्चों को पढ़ा रहा है, कहीं कोई सांस्कृतिक जागरण कर रहा है तो कोई सेवा भारती से जुड़कर वंचितों और गरीबों की सेवा कर रहा है।महाकुंभ का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि प्रयागराज में हमने महाकुंभ में देखा है कि नेत्र कुंभ में कैसे स्वयंसेवकों ने लाखों लोगों की मदद की। मतलब ये कि जहां सेवा कार्य वहीं स्वयंसेवक हैं। कहीं कोई आपदा, बाढ़ की तबाही या भूकंप की विभीषिका हो। स्वयंसेवक एक अनुशासित सिपाही की तरह ही मौके पर तुरंत पहुंचते हैं। कोई अपनी परेशानी और पीड़ा नहीं देखता। बस सेवा भावना से कार्य में लग जाते हैं। हमारे तो हृदय में बसा है, 'सेवा है यज्ञकुंड समिधा हम जलें, ध्येय महासागर में सरित रूप हम मिले।'प्रधानमंत्री बताते हैं कि एक बार एक इंटरव्यू में गुरुजी से संघ को सर्वव्यापी कहे जाने को लेकर प्रश्न किया गया था। उस पर उन्होंने संघ को प्रकाश बताया था। हमें गुरूजी के वचनों के अनुसार प्रकाश बनकर अंधेरा दूर करना है। हमें बाधाएं दूर करके रास्ता बनाना है और इसी ध्येय के साथ हर कोई कम या अधिक मात्रा में जीने का प्रयास करता रहा। मैं नहीं आप, अहं नहीं वयम्। जब राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि होती है और नीतियों व निर्णयों में देश के लोगों का हित ही सबसे बड़ा होता है तो सर्वत्र उसका प्रभाव और प्रकाश दिखता है।विकसित भारत के लिए आवश्यक है कि हम उन बेडियों को तोड़ें, जिनमें देश उलझा हुआ था। आज भारत गुलामी की मानसिकता को छोड़कर आगे बढ़ रहा है। अब इस मानसिकता की जगह राष्ट्रीय गौरव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। अंग्रेजी कानूनों को बदल दिया गया है। पीएम मोदी ने कहा कि गुलामी की मानसिकता से बनी आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता ने ले ली है। लोकतंत्र के प्रांगण में राजपथ नहीं कर्तव्यपथ है। नौसेना के ध्वज से गुलामी के प्रतीकों को हटाकर उसकी जगह क्षत्रपति शिवाजी महाराज का प्रतीक लहरा रहा है।

पीएम मोदी ने ...

इससे सेवाकार्यों को गति मिलेगी। हजारों लोगों के जीवन में प्रकाश फैलेगा।इसके साथ ही पीएम मोदी ने लोगों को शुभकामनाएं । पीएम मोदी ने कहा कि लालकिले से मैंने सबके प्रयास की बात की थी। आज माधव नेत्रालय उन प्रयासों को बढ़ा रहा है। देश के सभी नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले। इस दिशा में माधव नेत्रालय प्रयास कर रहा है। कोई भी देशवासी जीवन जीने के गरिमा से वंचित न रहे, अपने जीवन देश के लिए दे चुके बुजुर्गों को इलाज की चिंता न हो यही सरकार की नीति है। आयुष्मान भारत के कारण करोड़ों लोगों को मुफ्त इलाज मिल रहा है।हजारों जनऔषधि केंद्र गरीबों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करा रहे हैं। इन दिनों देश में गरीब एक हजार डायलिसिस सेंटर, जो मुफ्त में सेवा का यज्ञ चला रहे हैं। इससे हजारों करोड़ रुपए लोगों के बचे हैं। बीते 10 साल में गांवों में लाखों आयुष्मान आरोग्य मंदिर बने हैं। इससे देशवासियों को मुफ्त में टेलीकंसल्टेशन से अच्छा इलाज मिल रहा है।प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने न केवल मेडिकल कॉलेजों की संख्या में दोगुनी वृद्धि की है, बल्कि देश में हमने ऑपरेशनल एम्स की संख्या को भी तीन गुना बढ़ा दिया है। देश में मेडिकल सीटों की संख्या भी दोगुनी हो गई हैं। कोशिश है कि आने वाले वक्त में ज्यादा से ज्यादा अच्छे डॉक्टर उपलब्ध हों।इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने बताया कि चिकित्सा के क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हमने छात्रों के लिए अपनी मातृभाषा में डॉक्टर बनने की सुविधा हमने उपलब्ध कराई है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से जुड़े इन प्रयासों के साथ ही देश अपने पारंपरिक विज्ञान को भी आगे बढ़ा रहा है। हमारे योग और आयुर्वेद को भी आज पूरे विश्व में नई पहचान मिली है। भारत का सम्मान बढ़ा है।

अन्तर्राष्ट्रीय योग...

योग दिवस में अब 100 दिन से भी कम समय रह गया है। अगर आपने अपने जीवन में अब तक योग को शामिल नहीं किया है तो अब जरूर कर लीजिए अभी देर नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि यह हम सबके लिए गर्व करने वाली बात है कि आज हमारे योग और परंपरागत दवाओं को लेकर पूरी दुनिया में जिज्ञासा बढ़ रही है। बड़ी संख्या में युवा योग और आयुर्वेद को स्वस्थ होने के एक बेहतरीन माध्यम मानकर इसे अपना रहे हैं। अब जैसे दक्षिण अफ्रीका का देश चीली है। वहां आयुर्वेद तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। पिछले साल मैं ब्राज़ील की यात्रा के दौरान चीली के राष्ट्रपति से मिला था। आयुर्वेद की इस प्रसिद्धि को लेकर हमारे बीच काफी चर्चा हुई थी। मुझे 'सोमोस इंडिया' नाम की टीम के बारे में पता चला है। (स्पेनिश में इसका अर्थ है - हम भारत हैं। यह टीम करीब एक दशक से योग और आयुर्वेद को बढ़ावा देने में जुटी है।) उनका ध्यान उपचार के साथ-साथ शैक्षिक कार्यक्रमों पर भी है। वे आयुर्वेद और योग से संबंधित जानकारियों को स्पेनिश भाषा में अनुवाद भी करवा रहे हैं। सिर्फ पिछले वर्ष की बात करें तो उनके अलग-अलग कार्यक्रम और पाठ्यक्रम में करीब नौ हजार लोगों ने हिस्सा लिया था।श्री मोदी ने कहा, मैं इस टीम से जुड़े सभी लोगों को उनके इस प्रयास के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

बिलासपुर में प्रधानमंत्री...

कि हमारी सरकार कितनी तेजी अपनी गारंटियां पूरी कर रही है। छत्तीसगढ़ की बहनों से जो हमने वादा किया था, वो पूरा करके दिखाया है। धान किसानों से दो साल का बकाया बोनस मिला है। बढ़े हुए एमएसपी पर धान की खरीदी की गई है। इसे लाखों किसान परिवारों को हजारों करोड़ रुपए मिले हैं।कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा, कांग्रेस की सरकार में यहां भर्ती परीक्षाओं में भी खूब घोटाले हुए, भाजपा सरकार ने भर्ती परीक्षाओं में हुए घोटालों को लेकर जांच बैठाई है। हमारी सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ परीक्षाएं करवा रही है। इस ईमानदार प्रयासों का ही नतीजा है कि भाजपा पर जनता का भरोसा बढ़ता जा रहा है।पीएम ने कहा, छत्तीसगढ़ को राज्य बने 25 साल हो रहे हैं। ये वर्ष छत्तीसगढ़ का रजत जयंती वर्ष है और संयोग से यह साल अटल जी का जन्म शताब्दी वर्ष भी है। छत्तीसगढ़ सरकार 2025 को अटल निर्माण वर्ष के रूप में मना रही है। हमारा संकल्प है- हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे।' उन्होंने आगे कहा, अब छत्तीसगढ़ की तस्वीर भी बदल रही है और तकदीर भी बदल रही है। छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल हो गया है जहां शत प्रतिशत रेल नेटवर्क बिजली से चलने लगा है।पीएम ने बताया कि वह आदिवासी समाज के विकास के लिए भी विशेष अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमने आपके लिए धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष अभियान शुरु किया है। आदिवासियों में भी अति पिछड़ी आदिवासी जनजातियां होती हैं। पहली बार हमारी सरकार ने ऐसे अति पिछड़े आदिवासियों के लिए पीएम जनमन योजना बनाई है।

लालू ने बिहार...

30 प्रतिशत से भी अधिक था, राजद शासन की कुव्यवस्था के कारण घटकर छह प्रतिशत के नीचे चली गई है। बिहार में अन्न का उत्पादन काफी घट गया। उन्होंने कहा, मैं बिहार की जनता को कहने आया हूं कि वर्ष 2025 के चुनाव में फिर से राजग की सरकार बनाइए हम सारी चीनी मिलों को चालू कर देंगे।श्री शाह ने कहा कि बिहार के गरीबों को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा चिंता करते हैं। उन्होंने कहा कि श्री लालू यादव संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार में मंत्री थे तो बिहार को दस वर्ष में मात्र दो लाख 80 हजार करोड़ रुपये मिले जबकि केंद्र की मौजूदा मोदी सरकार ने दस साल में बिहार को नौ लाख 23 हजार करोड़ रुपए दिए। साथ ही चार लाख करोड़ रुपये के सड़क-पुल की परियोजनाएं, एक लाख करोड़ रुपये की रेल परियोजना और दो लाख करोड़ रुपये की हवाई परियोजनाएं मिली हैं।केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दस साल के भीतर जनता की सुविधा के हर क्षेत्र में काम किया। उन्होंने कहा कि 81 करोड़ परिवारों को पांच किलो प्रति व्यक्ति मुफ्त अनाज दिया जा रहा है। चार करोड़ लोगों को घर दिया गया। उन्होंने दावा किया कि यदि गरीबों के लिए किसी ने काम किया तो वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।श्री शाह ने कहा, बीते 10 साल में मोदी सरकार ने देश के 60 करोड़ गरीब के लिए काम किया। मैं लालू जी से पूछता हूं कि आपने गरीबों के लिए कुछ किया हो तो खाका लेकर आइए। लालू यादव ने गरीबों के लिए कुछ नहीं किया। मोदी जी ने गरीबों की मदद के लिए सहकारिता क्षेत्र में काम किया। सहकारिता क्षेत्र का सबसे ज्यादा फायदा बिहार को होने वाला हैं।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने 11 करोड़ से अधिक लोगों को गैस का सिलेंडर दिए। करोड़ों लोगों को घर दिया गया। पांच किलो मुफ्त अनाज के साथ पांच लाख रुपये के मुफ्त इलाज की सुविधा दी। प्रधानमंत्री ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसान, महिला, मत्स्य पालन के कार्यों को गति देने के लिए सहकारिता मंत्रालय बनाया। 75 वर्ष तक किसी सरकार ने सहकारिता को मजबूत करने की कोशिश नहीं की लेकिन, श्री नरेंद्र मोदी ने इस विभाग को गति दी।श्री शाह ने कहा, जब-जब बिहार में श्री लालू यादव की सरकार आई है तो बिहार नीचे गया है और जब भी राजग की सरकार बनी है तो बिहार आगे बढ़ा है। इसलिए अपील करता हूं कि वर्ष 2025 में फिर से बिहार में राजग की सरकार बनाइए और भारत सरकार को बिहार में काम करने का मौका दीजिए।इस मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद, दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, सहकारिता मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, मंत्री रेणु देवी एवं जीवेश मिश्रा सहित कई वरीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

रकामाख्या ...

रेलवे ने सहायता के लिए दो हेल्पलाइन नंबर- 8455885999 (भुवनेश्वर) और 8991124238 (कटक) जारी की हैं। अशोक कुमार मिश्रा ने कहा कि हमने प्रभावित यात्रियों के लिए एक कंट्रोल रूम और हेल्पलाइन की व्यवस्था की है। हम जल्द ही यात्रियों के बारे में ज्यादा जानकारी शेयर करेंगे।

घायल यात्री खतरे से बाहर

हादसे के बाद असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने एक्स पर पोस्ट में कहा था कि बेंगलुरु-कामाख्या एसी एक्सप्रेस में सवार 2 लोग घायल हुए हैं और खतरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि ट्रेन नंबर-12551 से जुड़ी घटना पर अपडेट शेयर कर रहा हूं, असम से कोई हताहत नहीं हुआ है। राज्य के दो लोग- उदलगुरी के विल्सन डिगल और बक्सा के अमीरन निशा घायल हैं और उनका इलाज चल रहा है। दोनों खतरे से बाहर हैं।

मॉस्को में पुतिन...

और उनकी मृत्यु हो सकती है। जेलेंस्की का कहना था कि अगर पुतिन मरते हैं तो युद्ध खत्म हो जाएगा।पुतिन की सुरक्षा को लेकर रूस की सुरक्षा एजेंसियां इस समय अत्यधिक सतर्क हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एफएसओ (फेडरल प्रोटेक्शन सर्विस) पुतिन के आसपास के स्थानों की भी जांच करती रहती है। एक पूर्व अंगरक्षक के अनुसार, पुतिन को अपनी जान का बहुत डर है और वह अपने कर्मचारियों पर भरोसा नहीं करते। इसके अलावा, खबरें आई हैं कि पुतिन सार्वजनिक स्थलों पर भी बुलेटप्रूफ जैकेट पहनते हैं।

50 नक्सलियों ने ...

आत्मसमर्पित नक्सलियों में पीएलजीए बटालियन नम्बर एक का 01 सदस्य, पीएलजीए कंपनी नम्बर दो के चार सदस्य, कंपनी नम्बर सात का एक सदस्य , कुतुल एरिया कमेटी, नेशनल पार्क एरिया कमेटी से एसीएम स्तर के 03 सदस्य, जनताना सरकार अध्यक्ष, केएएमएस अध्यक्ष, मिलिशिया कमाण्डर, मिलिशिया डिप्टी कमांडर, मिलिशिया प्लाटून सदस्य, मिलिशिया सदस्य एवं सावनार, कोरचोली, कमलापुर आरपीसी के अन्य सदस्य शामिल हैं। आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में जुड़ने वाले सभी नक्सलियों को प्रोत्साहन स्वरूप 25-25 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया है।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों के आत्मसमर्पण के पीछे जिले में हो रहे विकास कार्य बड़ा कारण रहा। तेजी से बनती सड़कें, गावों तक पहुँचती विभिन्न सुविधाओं ने इन्हें प्रभावित किया है। संगठन के विचारों से मोहभंग एवं मिली निराशा, संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद इनके आत्मसमर्पण का बहुत बड़ा कारण है। छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति ने कई नक्सलियों नई उम्मीद दी है और उन्हें संगठन के भीतर शोषण और क्रूर व्यवहार से बाहर निकलने के लिए प्रेरित किया है।यह नीति उन्हें समाज की मुख्यधारा में लौटकर सामान्य जीवन जीने की आशा देती है। इसके अलावा सुरक्षाबलों के लगातार अंदरूनी क्षेत्रों में कैम्प स्थापित करने और क्षेत्र में चलाए जा रहे आक्रामक अभियानों ने भी माओवादियों को संगठन छोड़ने के लिए प्रेरित किया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

राज्यपाल ने राजभवन में राजस्थान स्थापना दिवस समारोह की शोभा बढ़ाई

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थान की जीवंत सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक महत्व को भव्यता के साथ मनाया गया तथा हैदराबाद के राजभवन के प्रतिष्ठित दरबार हॉल में 'राजस्थान का स्थापना दिवस' मनाया गया।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही, साथ ही हैदराबाद के प्रतिष्ठित अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति और राजस्थानी समुदाय के सदस्य भी उपस्थित थे।राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए राजस्थान स्थापना दिवस समारोह का हिस्सा बनने पर बहुत खुशी जताई। उन्होंने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में राजस्थान के अद्वितीय योगदान की सराहना की और इसके अलग-अलग रंग-कोड वाले शहरों - जयपुर (गुलाबी शहर), जोधपुर (नीला शहर), उदयपुर (सफेद शहर) और जैसलमेर (स्वर्ण शहर) का उल्लेख किया।राज्यपाल ने राज्य के

विशाल ऐतिहासिक और भौगोलिक महत्व पर प्रकाश डाला, खासकर प्राचीन अरावली पर्वतमाला के घर के रूप में, जो भारतीय उपमहाद्वीप के सबसे पुराने पर्वत हैं। उन्होंने सिंधु घाटी सभ्यता के एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल कालीबंगन को भी स्वीकार किया, जो भारत की प्राचीन विरासत पर प्रकाश डालता है।अपने भाषण के दौरान राज्यपाल ने राजस्थान के विश्व प्रसिद्ध किलों, महलों और स्थापत्य कला की प्रशंसा की। उन्होंने आमेर किला, मेहरानगढ़ किला, चित्तौड़गढ़ किला और राजसी सिटी पैलेस जैसी प्रतिष्ठित संरचनाओं के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित किया, जो राज्य के गौरवशाली अतीत और कलात्मक उत्कृष्टता के प्रमाण हैं।राजस्थान की विविध संस्कृति, जीवंत लोक परंपराओं और अनुकरणीय आतिथ्य पर भी जोर दिया गया, जिससे यह घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों पर्यटकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बन गया।राज्यपाल ने भारत सरकार की दूरदर्शी पहल 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की सराहना की , जिसका उद्देश्य पूरे देश में सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तरह की पहल विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को भारत की विशाल विविधता को अपनाने और सराहने के लिए प्रोत्साहित करती है, साथ ही एकता और राष्ट्रीय एकीकरण की भावना को मजबूत करती है।उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह कार्यक्रम अंतर-राज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान को और गहरा करेगा तथा लोगों को एक-दूसरे की परंपराओं और विरासत को समझने के लिए करीब लाएगा।इस कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री एम. दाना किशोर, आईएएस, अन्य उच्च पदस्थ अधिकारियों, राजभवन के कर्मचारियों और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। हैदराबाद में राजस्थानी समुदाय के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया, जिससे समारोह में जोश और उत्साह बढ़ गया।

भाग्यनगर श्री रामनवमी उत्सव समिति का कार्यालय उद्घाटित

हैदराबाद, 20 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भाग्यनगर श्री म नवमी उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवत राव, महामंत्री गोविंद नारायण राठी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार रविवार को सुबह 10:00 बजे बाहेती भवन में उत्सव समिति का कार्यालय एवं भगवान श्रीराम जी की पूजा समिति के सदस्य करोड़ीमल नरसिंह पुरिया द्वारा किया गया। भगवान श्रीराम की पूजा मंदिर के पुजारी राजू महाराज ने विधिपूर्वक करवाया। उगादि के शुभ अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष वैकुंठम द्वारा गौ माता की पूजा की और पछड़ी प्रसाद का वितरण किया गया।

महामंत्री गोविंद राठी ने अपने विज्ञप्ति में बताया कि वर्ष 2010 से समिति द्वारा रामनवमी की शोभायात्रा बड़ी धूमधाम से

निकाली जा रही है। इस शोभायात्रा में 2010 से 2024 तक अलग-अलग संतों ने भाग लिया और अपने प्रवचनों से भक्तों को लाभान्वित किया। गोविंद राठी ने आगे कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा अच्छी व्यवस्था पहले भी रही है और इस बार भी समिति को उम्मीद है कि अच्छी व्यवस्था रहेगी। परंतु समिति को जीएचएमसी का पूरा सहयोग नहीं मिल रहा है। इस पर समिति के अध्यक्ष डॉ भगवत राव ने कहा कि सनातन धर्म को बचाने के लिए शोभायात्रा अतिआवश्यक है। समिति के कोषाध्यक्ष श्रीराम व्यास ने सभी आए राम भक्तों का धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर डॉक्टर भगवत राव गोविंद राठी एम वेंकुनतमडॉक्टर मोहन गुप्ता श्री राम व्यासकरोड़ीमल नरसिंहपुरिया कॉरपोरे टररराकेश जयसवाल कमल सिंह राजेश सिंह नटराज नामधारी गोलकुंडा के अध्यक्ष उमा महेंद्र अशोक गांधी मुरली विपिन रामावत रामू विजू अश्विन सुमित राठी परमेश्वरी सिंह पवन मिश्रा संजय गनाते वेंकटेश गोडश्रीमती अरुणा ज्योति रघुनंदन यादव चिंता सम मूर्ति निरंजन यादव नवल सांखला संतोष दर्शन बंगारू सुधीर राजेश शर्मा संतोष शर्मा वही कृष्णा राकेश श्रीमती संगीता जुगल सोनी श्रीनिवास रवि आदि उपस्थित रहे।

जेसीआई हैदराबाद का 60वां स्थापना दिवस सम्पन्न

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जेसीआई हैदराबाद का 60वां स्थापना दिवस बंजारा हिल्स स्थित होटल एबोनी बुटिक मे मानाया गया।प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में जेसीआई का 60 वां अध्यक्ष जेसीआई दामोदर सोमानी को बनाया गया। जेसीआई मोहित झंवर को मंत्री एवं जेसीआई आदित्य साहा को कोषाधयक्ष नियुक्त किया गया। जेसीआई हैदराबाद संस्था 60 साल पूर्व तेलंगाना में स्थापित की गई थी। नवनियुक्त अध्यक्ष का पूर्व अध्यक्ष जेसीआई विवेक चौगले ने जेसीआई मेडल एवं शाल से सम्मनित किया। इस अवसर पर जॉन अध्यक्ष जेसीआई चतुर्वेदी, वुतुकुरू, उपाध्यक्ष जेसीआई वेणुगोपाल, पूर्व अध्यक्ष जेसीआई श्याम अग्रवाल, जेसीआई रवीना ददानी लो, जेसीआई पीयूष शरोती, जेसीआई फैनीध एलेंटाला अन्य जेसीआई उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत रविवार को स्व. डीमती पूजा गोयल की पुण्यतिथि पर हनुमानदास मुरारीलाल गोयल परिवार (दीपक स्टील्स एवं कलावती ज्वैलर्स) तथा कृष्ण गोयल के जन्मदिवस पर मुन्नालाल बजरंगप्रसाद गोयल परविार द्वारा नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर श्रीमती विद्या गोयल आशी गोयल, शैली गुप्ता, नवीन गोयल, मुरली मोहन गुप्ता, हर्ष गोयल, आदित्य गोयल, गौरव गोयल,नमन गोयल, त्वेशा गोयल, अजय गोयल, संजय गोयल, नीरज गोयल, ममता गोयल, वैशाली, अवीश,-सतीश गुप्ता, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, महेश अग्रवाल, गोपाल गोयल, ई. जगन, विशाल अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, अनिल अग्रवाल, विद्या गोयल, आशी गोयल, शैली गुप्ता, नवीन गोयल, मुरली मोहन गुप्ता, हर्ष गोयल, -आदित्य गोयल, गौरव गोयल, नमन गोयल, त्वेशा गोयल, अजय गोयल, संजय गोयल, नीरज गोयल, ममता गोयल, वैशाली, अवीश, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, रेयांश अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

हिन्दी नगर स्थित स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स में जामबाग पार्षद राकेश जैसवाल द्वारा आयोजित उगादि एवं हिन्दू नववर्ष में भाग लेते हुए श्री परशुराम सेवा मंडल संस्थापक अध्यक्ष नवरतन इंदौरिया व भाजपा नेता बालाजी हिवरे, भाजपा के वरिष्ठ राजनीतिक गोविंद राठी, भाजपा गोलकुंडा जिला अध्यक्ष टी. उमा महेंद्र, श्रीनिवास यादव, अमरसिंह, सुधीर, मयूर केलकर, रघु कांबले, रामकृष्णा, शिवांश हिवरे, संदीप, विजय एवं अन्य उपस्थित थे।

कोरेमुला स्थित सीरवी समाज मंदिर (बडेर) के तत्वावधान में आयोजित चैत्र नवरात्रि महोत्सव के तहत रविवार को हवन का आयोजन किया गया। शुभ मुहूर्त में पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ हवन में आहुति दी। इस अवसर पर उपस्थित अध्यक्ष कालूराम काग उपाध्यक्ष राजाराम पंवार, सह सचिव राजाराम गेहलोत, सुरेश लचेटा, नगाराम काग, महिला मंडल कंचन देवी काग, कमला देवी पवार, कविता लचेटा, सुनीता काग व पंडित बाबूलाल शर्मा आदि उपस्थित थे।

शोभा देवी उपाध्याय के आगपुरा स्थित आवास पर आयोजित गणगौर कार्यक्रम में भाग लेती हुईं शोभा देवी, पूजा देवी, सोनिया उपाध्याय, श्री व्यास, प्रेमलता व्यास और अन्य।

जीडिमेटला स्थित सीरवी समाज मंदिर (बडेर) के तत्वावधान में आयोजित चैत्र नवरात्रि महोत्सव के तहत रविवार को हवन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ हवन में आहुति दी। इस अवसर पर मांगीलाल काग, अर्जुनलाल बर्फा, प्रेम पंवार, सोहनलाल परिहार, भंवरलाल काग, राजुराम बर्फा, भंवरलाल मुलेवा ,भुडाराम बर्फा, सोहनलाल,जसाराम लचेटा, सोहनलाल हाम्बड़,थानाराम पंवार, हेमन्त काग महिला मंडल सुनीता हाम्बड़, कमला देवी पंवार, प्रेमा लचेटा आदि उपस्थित थे।

हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद स्थापना दिवस का 90वाँ वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद की स्थापना के 90 दशक पूर्ण होने पर सभा प्रांगण में 90वाँ वार्षिकोत्सव का आरंभ धूम-धाम से किया गया है। इस संदर्भ में सभा के प्रधान मंत्री एस. गैबुवली ने बताया कि 1935 में युगादि पर्व के दिन राष्ट्रीय एकता को जताने के लिए एक भाषा की आवश्यकता है वह हिंदी भाषा को ही साध्य है ऐसा विचार कव लक्ष्मीनारायण गुप्त ऐ.ए.एस., वंशीधर विद्यालंकार, रामगोपाल सिंग्वि, जितेंद्र वाघ्रे, लक्ष्मीनिवास गनेरिवाल, विनायक राव विद्यालंकार, इंद्रमल लूनिया, राजा पन्नालाल पित्ति, जोरावर मोतीलाल, बद्रिविशाल पित्ति, जयकरण दास, हरिलाल वाघ्रे, डॉ. मधुसुदनराव, गणपति लाल, दत्तात्रेय प्रसाद आदि ने हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद केंद्र के रूप में हैदराबाद, नामपल्ली में स्थापना की। आगे चलकर हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के द्वारा चलाए गए कोर्स से लाखों विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा सीखी, हजारों छात्र सरकारी-गैर सरकारी तथा निजी हिंदी अध्यापक, प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद हिंदी भाषा सीखाने के साथ-साथ हजारों छात्रों को हिंदी अध्यापक, प्राध्यापकों के रूप में सरकारी-गैर सरकारी पाठशालाओं, कॉलेजों में रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के देश भर के प्रमुख व्यक्तियों को अतिथियों के रूप में आह्वान किया है। सभा के दिक्षान्त समारोह कार्यक्रम में भारत के प्रथम राष्ट्रपति महामहीम स्वर्गीय डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, भूतपूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय श्री पी.वी. नरसिम्हाराव, स्वर्गीय डॉ. के.एल. श्रीमाली, स्वर्गीय श्री भीमसेन सच्चर, स्वर्गीय श्री के.जी. सय्यदैन, स्वर्गीय श्री ओंकारनाथ ठाकुर, स्वर्गीय आचार्य क्षितिमोहन सेन, स्वर्गीय डॉ. बाबूराम सक्सेना, स्वर्गीय श्री भक्तदर्शन, स्वर्गीय श्री रामधारी सिंह दिनकर, स्वर्गीय प्रो. रामलाल राही, स्वर्गीय पं. वन्देमातरम् रामचन्द्रराव, सुप्रसिद्ध कवि स्वर्गीय श्री हरिवंशराय बच्चन, पूर्व गृहमंत्री स्वर्गीय एस.बी. चौह्वान, पूर्व राज्यपाल सुश्री कुमुद बेन जोशी, श्री सुरजीत सिंह बरनाला, श्री कृष्णकान्त, श्री सुशिल कुमार शिंदे, श्री रामेश्वर ठाकुर, पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय श्री एन.टी. रामाराव, पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय ज्ञानी ज़ैल सिंह, स्वर्गीय श्रीमती सुषमा स्वराज, पूर्व शिक्षा मंत्री कडियम श्रीहरि, स्वर्गीय श्री एर्रमन्नायुडु, कई मुख्य मंत्री, राज्यपाल, केंद्र एवं राज्य सरकार के मंत्रीगण, एम.पी., एम.एल.सी., एम.एल.ए., कई केंद्र एवं राज्य सरकार के अधिकारी उपस्थित हुए हैं। उसी प्रकार देश के कई प्रसिद्ध साहित्यकारों ने भी उपस्थित होकर कार्यक्रमों की शोभा बढ़ाई है।राष्ट्रभाषा हिंदी सिखाने के साथ ही हजारों छात्रों को हिंदी अध्यापक, प्राध्यापकों के रूप में सरकारी-गैर सारकारी पाठशालाओं, कॉलेजों में अपनी जीविका का निर्वाहन कर रहे हैं।

आज से आरंभ हुआ 90 वाँ वार्षिकोत्सव समारोह कार्यक्रम दो महिने तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके मई-2025 में समापन कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर होगा। इस कार्यक्रम में हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के परीक्षा मंत्री प्रो. सुरेश पुरी, संचालक श्रुतिकांत भारती, तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा के अध्यक्ष के. रामचंदर, मंत्री ए.के. राजु, रजिस्ट्रार नामदेव वाघमोडे, कार्यालय मंत्री के. वेंकटेश्वर, कार्यकर्ता संघ के मंत्री शिवा, हिंदी प्रमुख शंकर सिंह ठागुर, कल्पना, मिलिंद प्रकाशन के संचालक विभा भारती, प्रमुख अर्थवेत्ता धीरज, हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के कार्यकर्ता, हिंदी प्रेमी आदि उपस्थित हुए।

रविवार 6 अप्रैल 24 को आयोजित होने वाले श्री सीताराम कल्याण महोत्सव के संदर्भ में श्री महादेव हनुमान मंदिर, चूड़ी बाजार में रविवार को समिति की तैयारी बैठक सम्पन्न हुई जिसमें सदस्यों, प्रतिभागियों सागर पुजारी, गोपाल राव (अध्यक्ष), सुनील साहू, पवन कुमार, डी.राजेंदर, दत्तिक राजेंद्र, देवेंद्र, कमल महाराज अनिल कुमार, डी.श्रीनिवास और अन्य उपस्थित थे।

अत्तापुर में बाबू जगजीवन राम कम्युनिटी हॉल मेंबर्स की ओर से नवनिर्मित माता के मंदिर में उगादि एवं नव वर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विधि विधान से नए फल, पुष्प एवं पत्तियों से पूजा अर्चना की गई तथा सभी लोग नववर्ष की एक दूसरे को बधाई दी ।

अत्तापुर में गणगौर महामहोत्सव आज

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। महिला सत्संग समिति अत्तापुर के तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सोमवार को गणगौर महामहोत्सव मनाया जाएगा।

जिनकी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। पवन भारती द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार महिला सत्संग समिति की संयोजिका ज्योति शर्मा ने बताया कि उक्त गणगौर महामहोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी प्रवीण नावंदर एवं अनीता नावंदर शामिल होंगे तथा विशिष्ट अतिथि नरेंद्र मिश्रा हेमा मिश्रा एवं गोपाल जाज, संगीता जाजू होगी। मंचीय कार्यक्रम तेजस्वी नगर स्थित शिव मंदिर में किया जाएगा। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सोना चांदी तंबोला विशेष रूप से आयोजित होगा। गणगौर शोभा यात्रा 4:30 बजे से तेजस्वी नगर स्थित साइ बाबा मंदिर से मुख्य मार्ग से होते हुए शिव मंदिर तेजस्वी नगर पहुंचेगी। इसके पश्चात मंचीय कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। सभी क्षेत्रीय राजस्थानी बंधुओं से गणगौर शोभा यात्रा में भाग लेने का आग्रह किया गया है ।

रविवार को हिंदू नव वर्ष एवं 9 दिवसीय चैत्र नवरात्र के अवसर पर कांग्रेस नेता एन.के. सिंह के निवास में घाट स्थापना की गई। इस अवसर पर सुखेन्द्र शास्त्री, एन.के. सिंह, श्रीमती मालथी देवी, नंदकिशोर सिंह, श्रीमती दीपिका सिंह, सूर्यांश, गायत्री, छवि और अन्य पूजा में भाग लिया।

महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद केंद्र द्वारा प्याऊ का उद्घाटन

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद केंद्र द्वारा सुल्तान बाजार में मेट्रो पिलर 1209 के पास शीतल जल शाला प्याऊ का उद्घाटन किया गया।

यहां एमआई मीडिया पब्लिसिटी कन्वीनर शीतल बरलोटा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बताया गया कि हैप्पी क्लब फाउंडेशन के सौजन्य से 2 महीने तक जलशाला प्याऊ स्थापित किया गया है। जिसके संयोजक शील कुमार जैन है।

हैदराबाद चेयरमैन वीर विनोद संचेती ने सभी का स्वागत व अभिनंदन किया । इसी अवसर पर हैप्पी क्लब फाउंडेशन के अध्यक्ष सीए मधुसूदन अग्रवाल, सेक्रेटरी राम अग्रवाल कोषाध्यक्ष अरविंद नाहर और उपस्थित सदस्यों का सम्मान शॉल अंग वस्त्र से किया गया।

कॉरपोरेटर डॉ. सुरेखा और श्री ओम प्रकाश बीश्वा हमारे मुख्य अतिथि जी का सम्मान महावीर इंटरनेशनल व हैप्पी क्लब फाउंडेशन द्वारा किया गया। एवं ज़ोन चेयरमैन विनय जांगड़ा ने अतिथि के रूप में इस वॉटर कैंप का उद्घाटन किया। उनकी उपस्थिति और समर्थन ने इस पहल को और भी महत्वपूर्ण बना दिया।सुरेखा जी ने अपनी शुभकामनाएं दी व कहा कि सुलतान बाजार में भीषण गर्मी में जल की आवश्यकता है। व ओमप्रकाश बिश्वा जी ने इस नेक कार्य की सराहना की और यह विगत 7 वर्ष से हर वर्ष जलशाला का आयोजन संयुक्त रूप में किया जा रहा है।साथ ही महावीर इंटरनेशनल हैदराबाद केंद्र द्वारा बड़े छातों (कैनोपी) का वितरण भी किया गया जिसे जरूरतमंद गर्मी में अपना व्यवसाय छाते के नीचे आराम से कर सके। इस सेवा कार्य में महावीर इंटरनेशनल रीजन10 के सचिव शील कुमार जैन, एपेक्स सदस्यता केंद्र विकास की सह-संयोजीका सीमा शील कुमार जैन ,वाइस चेयरमैन अजय नाहटा, सेक्रेटरी अर्चना नाहटा, अनिल बोहरा,मनोज सुराणा, साधना सिसोदिया, आदि कार्यक्रम में भाग लिया।

सचिव अर्चना नाहटा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

हिंदी की कहानी वापसी का मंचन

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व रंगमंच दिवस के अवसर पर दिनांक 27 मार्च 2025 को उस्मानिया विश्वविद्यालय के भक्ति साहित्य व सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र द्वारा हिंदी की सुप्रसिद्ध कहानीकार उषा प्रियंवदा की कालजयी कहानी वापसी का त्यागराय गान सभा, हैदराबाद में मंचन किया गया।
(2) इस कहानी की मूल आत्मा को यथावत बनाए रखते हुए इसका तेलुगु-एडॉप्शन व नाट्य रूपांतरण उस्मानिया विश्वविद्यालय के हिंदी व रंगमंच विभाग के पूर्व प्रोफ़ेसर प्रदीप कुमार ने पदवी विरमण तरुवाता तिरिगि शीर्षक से किया है और इसका निर्देशन डॉ.एच.के.वंदना किया।(3) 40 मिनट की यह प्रस्तुति बड़ी सफल रही। इसमें मुख्य भूमिका प्रोफ़ेसर प्रदीप कुमार व ॉ.एच.के.वंदना ने निभाई। इसमें यह चित्रित किया गया कि, आजकल परिवार क्यों बिखर रहे हैं? ज़माने में दिखावा व नशा किस तरह छाया हुआ है और वह समाज को कितना दूषित करता जा रहा है? बच्चों के सही पालन-पोषण के लिये माता और पिता दोनों के मार्गदर्शन व संरक्षण की कितनी आवश्यकता है ? अपने शहर व देश से दूर रहकर कमाने वाले पिता के मार्गदर्शन व संरक्षण के अभाव में माता-पिता और बच्चों के मध्य कैसी दूरियाँ आती जा रही हैं ? वह कितनी दुःखद है और उसका हल क्या है ???
(4) भाषाई व साहित्यिक आदान-प्रदान को पुष्ट करनेवाली इस सार्थक प्रस्तुति के लिए प्रस्तोताओं की जितनी भी सराहना की जाये कम है....।

अग्रवाल समाज घांसी बाजार झूला शाखा द्वारा चैत्र अमावस्या के उपलक्ष मे आर. नानकराम के निवास सिटी कॉलेज के पास अन्नदानम किया गया। जिसमें गोविंद पचेरिया, अनिल घरसुवाला, मनोज गौशालावाला, मनोज मित्तल, हरि अग्रवाल, पवन अग्रवाल, यश अग्रवाल, नारायण दास एवं अन्य सदस्यों न सेवा दी।

रक्तदान सहायता संगठन द्वारा किसी को भी रक्त सहायता के लिए रविवार को सिद्दिअंबर बाजार स्थित बाहेती भवन में रक्त दान शिविर का उद्घाटन भाग्यनगर गणेश उत्सव समित के अध्यक्ष डॉ भगवंत राव, मेंटू वैकुंठम, गोविन्द राठी ने किया। इस अवसर पर केवी श्रीनिवास, पीएस रोहित, पीएस तेजस, के. अक्षित, प्रवल टॉक, आगम सांकला, जे. लोहित, आशुपाल महादेव आदि उपस्थित थे।

विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुस्लिम जंग पुल स्थित ओंकारेश्वर शिव मंदिर में रविवार को विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ की बैठक सम्पन्न हुई।प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में संघ द्वारा अब तक किए गए कार्यों का ब्यौरा दिया गया तथा भविष्य में संघ द्वारा किए जाने वाले कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय ने सभी सदस्यों का अभिवादन किया और बैठक को संबोधित किया। संघ द्वारा किए गए कार्यों पर सभी सदस्यों ने सहमति जताई। इस अवसर पर हिंदू नववर्ष की बधाई दी गई।

बैठक में संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, रामपाल पाण्डेय, महन्त चेतन गिरी, बृजेश शुक्ला, राबेंद्र मिश्रा, अनिल कुमार पाण्डेय, नीरज तिवारी, मनीष द्विवेदी, सुरेन्द्र गौतम, आचार्य सत्य प्रकाश, परीक्षित द्विवेदी, शशिनारायण द्विवेदी, पुष्पेंद्र शुक्ला, विनय पाण्डेय, प्रकाश गर्ग, सुशील द्विवेदी, संजय पाण्डेय, अजय शुक्ला, महेन्द्र तिवारी, अखिलेश पाण्डेय, रूप करण तिवारी, कौशल पाण्डेय, भूपेंद्र गौतम, राजन शुक्ला, रघुनंदन पयाशी, देवेंद्र शुक्ला, नीरज त्रिपाठी, धीरज त्रिपाठी, प्रियांशु पाण्डेय, आनंद आदि उपस्थित थे।

तेजस्वी बहु मंडल मलकपेट ने किया जैन धर्मिक संस्कार शिविर आयोजित

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में तेजस्वी बहु मण्डल मलकपेट द्वारा त्रि दिवसीय जैन धर्मिक संस्कार शिविर का आयोजन किया गया।

आज यहां तेजस्वी बहु मंडल के अध्यक्ष त्रिशला कोठारी व उपाध्यक्ष पायल गादिया द्वारा जारी संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान के तेजस्वी बहु मंडल द्वारा आज की युवा पीढ़ी के अंदर जैनत्व के संस्कार व जीवन जीने की शैली के बारे में उपयोगी कलाओ के प्रति रुचि के लिए मलकपेट स्तिथ बम्ब सिंघी भवन में 25मार्च से 28मार्च तक त्रि दिवसिय जैन संस्कार शिविर का आयोजन किया गया।

आगे बताया कि इस शिविर में हैदराबाद त्रयनगर से करीब करीब 90 बालक-बालिकाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया एवं शिविर में करीब 76 बालक बालिकाओ ने भाग लिया. शिविर के प्रथम दिन करीब 7 बजे से शिविराररतियो का आना शुरू होगया एवं सभी शिविरारतियो को बहु मंडल द्वारा शिविर में उपयोग होनी वाली सभी वस्तुओं का एक किट भेट स्वरूप दिया गया।त्रिदिवसिय जैन संस्कार शिविर में सभी शिविरारतियो को सम्पूर्ण तीनो दिन वही भवन में रहना अनिवार्य था और इसका पूरा पालन किया गया. शिविर के तीनों दिनों में शिविरारतियो के लिए विभिन प्रकार के धार्मिक शिक्षण जैसे 25 बोल, प्रतिक्रमण,योगा, आर्ट एंड क्राफ्ट, कैलीग्राफी, मैडिटेशन, स्टोरी टेलिंग, गेम्स व अन्य का अध्ययन कराया गया।

आगे बताया कि शिविर में विशेष रूप से त्रिशला कोठारी, पायल गादिया, कोमल गादिया, दिव्या गादिया, अभिलाषा कोठारी व भावना सिसोदिया ने अपनी सेवाएं प्रदान की. शिविर के तीनो दिन योगा, मैडिटेशन, प्राथना,25 बोल, प्रतिक्रमण, भिक्षु गोचरी दया,आर्ट एंड क्राफ्ट, कैलीग्राफी, स्टोरी टेलिंग, गेम्स एवं रात्रि में धर्म चर्चा व इंटरेक्शन की रूप रेखा रखी गयी।

आगे पायल गादिया ने बताया कि प्रतिदिन श्रीमती मंजू खिंवासरा, श्रीमती सोनम कोठारी एंड टीम द्वारा योगा और मैडिटेशन, श्रीमती शिल्पा जोशी द्वारा आर्ट एंड क्राफ्ट, श्रीमती वनिता गादिया द्वारा कैलीग्राफी की क्लासेस ली गयी।

CHANGE OF NAME
I, ANITHA is legal spouse of No- 15211451W, Rank - L/HAV, Name - HARI MON KP, residing at Vill & PO-Punnakunnu West Eleri, Teh-Plachikara, Dist- Kasaragod, Kerala, That, I have to change my Name from - ANITHA to ANITHA HARI MON for all purpose vide affidavit dated: 22/03/2025.

हैदराबाद विश्वविद्यालय विरोध प्रदर्शन : पत्रकार हिरासत में, बाद में रिहा

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। एक प्रमुख ऑनलाइन समाचार मीडिया संगठन में कार्यरत एक पत्रकार, जो रविवार 30 मार्च को हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के पूर्वी परिसर के एक हिस्से को जेसीबी से साफ करने के खिलाफ छात्रों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन को कवर कर रहा था, को साइबराबाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

साउथ फर्स्ट के पत्रकार सुमित झा को छात्र प्रदर्शनकारियों के साथ हिरासत में लिया गया, जब वे पुलिस के साथ अपनी झड़प का वीडियो बना रहे थे। पुलिस वैन के अंदर से भेजे गए वीडियो संदेश में उन्होंने कहा कि एक अधिकारी ने उनका फोन जब्त कर लिया और उन्हें हिरासत में ले लिया, जबकि उन्होंने खुद को पत्रकार बताया और अपना प्रेस आईडी भी दिखाया। कुछ देर तक पुलिस वैन में विश्वविद्यालय के ईर्द-गिर्द घुमाने के बाद झा को कोल्लूर पुलिस थाने ले जाया गया। बाद में उनका फोन लौटा दिया गया और अब उन्हें रिहा कर दिया गया है।

रविवार को उस समय अराजकता फैल गई जब हैदराबाद विश्वविद्यालय के कई छात्रों को साइबराबाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया, क्योंकि वे तेलंगाना सरकार की 400 एकड़ बहुमूल्य भूमि को बेचने की योजना के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे, जिसमें जैव विविधता और मशरूम चट्टानें शामिल हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि वे लगभग दो अरब वर्ष पुरानी हैं। हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर के अंदर से परेशान करने वाले दृश्य सामने आए हैं, जिसमें सेना की वर्दी पहने पुलिस अधिकारी और अन्य सुरक्षाकर्मी छात्रों को बेरहमी से बसों में घसीटते हुए देखे जा सकते हैं। यह प्रदर्शन यूओएच परिसर के पूर्वी क्षेत्र में जेसीबी से सफाई के विरोध में किया जा रहा है। दोपहर 2 बजे के आसपास परिसर में जेसीबी आने के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ।

कैंपस में प्रदर्शन कर रहे छात्र, जो राज्य सरकार द्वारा कैंपस की जमीन बेचे जाने के खिलाफ हैं, ने बताया कि पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेते समय उनके साथ मारपीट की। कुछ छात्रों के कपड़े फाड़ दिए गए, जबकि अन्य को हाथापाई में मामूली चोटें आईं।

बीआरएस के नाम लिए बिना रेवंत रेड्डी ने हाल ही में विधानसभा में आरोप लगाया था कि विश्वविद्यालय के छात्रों को भड़काया जा रहा है और भूमि के नियोजित विकास के मुद्दे पर अप्रत्यक्ष रूप से अदालतों में जनहित याचिकाएँ दायर की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह भूमि शहर के आईटी हब के वित्तीय जिले में स्थित है। उन्होंने कहा कि सरकार निवेश, आईटी पार्क को बढ़ावा देने और बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने का प्रयास कर रही है। हालाँकि, हैदराबाद विश्वविद्यालय प्रशासन इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है।

नेहरू चिड़ियाघर पार्क आज खुला रहेगा

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत में सोमवार, 31 मार्च को ईद-उल-फितर का त्यौहार मनाया जाएगा, इस अवसर पर हैदराबाद स्थित नेहरू चिड़ियाघर पार्क ने घोषणा की है कि यह जनता के लिए खुला रहेगा। हाल ही में नेहरू चिड़ियाघर पार्क ने वयस्कों के लिए प्रवेश टिकट की कीमत बढ़ाकर 100 रुपये और बच्चों के लिए 50 रुपये कर दी है। यह निर्णय तेलंगाना के चिड़ियाघर और पार्क प्राधिकरण की 13वीं शासी निकाय की बैठक में लिया गया।

इससे पहले, वे सप्ताह के दिनों में वयस्कों के लिए 70 रुपये और 3 से 10 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए 45 रुपये लेते थे, और सप्ताहांत पर वयस्कों के लिए 80 रुपये और 3 से 10 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए 55 रुपये लेते थे। यह बदलाव तेलंगाना में स्कूलों और कॉलेजों में गर्मियों की छुट्टियों से पहले आया है, जब इस संरचना में आने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि देखी गई है।

बहादुरपुरा में मीर आलम टैंक के पास स्थित नेहरू प्राणी उद्यान का उद्घाटन 6 अक्टूबर, 1963 को हुआ था, जब तत्कालीन चिड़ियाघर के बाड़ों को पब्लिक गार्डन से स्थानांतरित कर दिया गया था। हैदराबाद में नेहरू चिड़ियाघर पार्क के निर्माण में चार साल लगे थे, जबकि इसका निर्माण 26 अक्टूबर, 1959 को शुरू हुआ था।

हैदराबाद के चिड़ियाघर पार्क में वर्तमान में कुल 2240 जानवर हैं, जिनमें 55 प्रजातियों के 664 स्तनधारी, 97 प्रजातियों के 1227 पक्षी, 38 प्रजातियों के 341 सरीसृप और 2 प्रजातियों के 8 उभयचर शामिल हैं। चिड़ियाघर का प्राकृतिक परिदृश्य कई प्रवासी और स्थानीय पक्षियों को आकर्षित करता है।

स्वर्ग वाटिका ने कई पर्यावरण अनुकूल सुविधाएं शुरू की

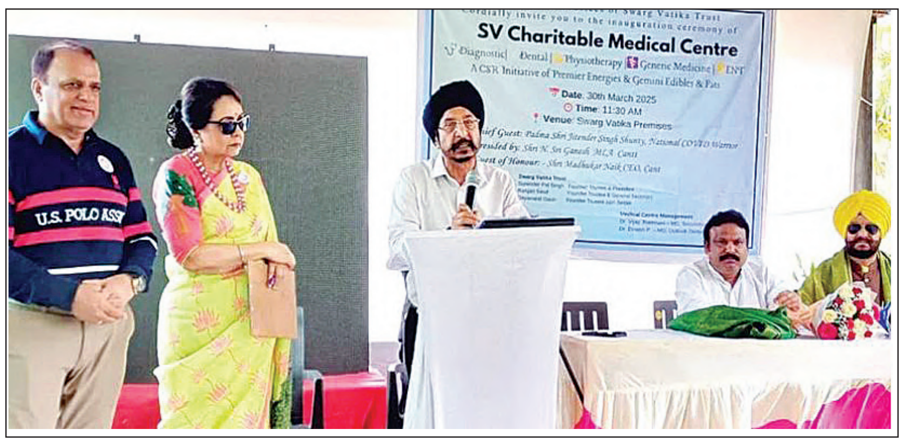

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्वर्ग वाटिका ट्रस्ट की पहल, त्रिमुलगिरी के आरटीसी कॉलोनी में स्वर्ग वाटिका ने रविवार को एक चिकित्सा केंद्र, समर्पित छत सौर संयंत्र, एलपीजी आधारित श्मशान और एक गौकास्ट विनिर्माण सुविधा सहित कई नई पर्यावरण अनुकूल सुविधाओं का शुभारंभ किया।नया चिकित्सा केंद्र वर्तमान बाजार दरों से लगभग 30 प्रतिशत कम कीमत पर नैदानिक, दंत चिकित्सा, फिजियोथेरेपी, ईएनटी सेवाएं और जेनेरिक दवाइयाँ प्रदान करता है, जिसका उद्देश्य मध्यम वर्ग और वंचित परिवारों को लाभ पहुँचाना है। छत पर लगे दो सौर ऊर्जा संयंत्र श्मशान घाट की 100 प्रतिशत हरित ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करेंगे।ट्रस्ट दाह संस्कार के लिए गाय के गोबर से बने पर्यावरण के अनुकूल विकल्प गौकास्ट का उपयोग करता है। गौकास्ट को अपनाने से पेड़ों को संरक्षित करने और हरित भविष्य के लिए संधारणीय प्रथाओं को बढ़ावा देने में मदद मिलती है। ट्रस्ट ने कहा कि परंपरागत रूप से, एक शव के दाह संस्कार के लिए लगभग दो पूर्ण विकसित पेड़ों की आवश्यकता होती है, लेकिन गौकास्ट लकड़ी की खपत को काफी कम करता है, जिससे पर्यावरण की रक्षा होती है।

रविवार को एक समर्पित ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म भी लॉन्च किया गया जो वास्तविक समय के अपडेट प्रदान करेगा, डिजिटल स्मारकों की सुविधा प्रदान करेगा और अंतिम संस्कार सेवाओं तक निर्बाध पहुँच प्रदान करेगा।

नई सुविधाओं का शुभारंभ राष्ट्रीय कोविड योद्धा, जितेन्द्र सिंह शंटी, विधायक छावनी, एन श्री गणेश, सीईओ, छावनी बोर्ड, मधुका नाइक ने स्वर्ग वाटिका ट्रस्ट के अध्यक्ष, सुरेन्द्र पाल सिंह, महासचिव, रंजन सूद और अन्य की उपस्थिति में किया।

गर्मियों में भीड़ को कम करने के लिए एससीआर चर्लापल्ली-हजरत निजामुद्दीन और नांदेड़ के बीच 52 विशेष ट्रेनें चलाएगा

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। गर्मी के मौसम में अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) चरलापल्ली-हजरत निजामुद्दीन और नांदेड़-हजरत निजामुद्दीन के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगा।

तदनुसार, ट्रेन संख्या 07023 चर्लापल्ली-हजरत निजामुद्दीन की 13 सेवाएं 6 अप्रैल से 29 जून के बीच रविवार को चलेंगी और ट्रेन संख्या 07024 एच.निजामुद्दीन-चर्लापल्ली की 13 सेवाएं 8 अप्रैल से 1 जुलाई के बीच मंगलवार को चलेंगी।

इस बीच, ट्रेन नंबर 07621 एचएस नांदेड़-एच. निजामुद्दीन की 13 सेवाएं 5 अप्रैल से 28 जून के बीच शनिवार को और ट्रेन नंबर 07622 एच. निजामुद्दीन-एचएस नांदेड़ की 13 सेवाएं 6 अप्रैल से 29 जून के बीच रविवार को संचालित की जाएंगी।

चर्लापल्ली - एच.निजामुद्दीन - चर्लापल्ली विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में काजीपेट, रामागुंडम, मंचेरियल, बेल्लमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, नागपुर, इटारसी, भोपाल, बीना, झांसी, ग्वालियर और आगरा कैंट स्टेशनों पर रुकेंगी। इन विशेष ट्रेनों में 2एसी, 3एसी, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे होंगे।

मलकाजगिरी में साइबर जालसाजों ने महिला से 10 लाख ठगे

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मलकाजगिरी जिले में एक बुजुर्ग महिला से हाल ही में साइबर जालसाजों ने दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अधिकारी बनकर 10 लाख रुपये की ठगी की। साइबर जालसाजों ने पीड़िता को यह कहकर फंसाया कि उसके मोबाइल नंबर का इस्तेमाल धोखाधड़ी की गतिविधियों के लिए किया जा रहा है और पीड़िता के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता की चिंता बढ़ाते हुए उन्होंने उसे बताया कि सुप्रीम कोर्ट के एक जज इस मामले की जांच करेंगे। उन्होंने उसे छद्म जज की बात मानने के लिए मजबूर किया, उसे सफेद पोशाक पहनाई और यहां तक कि 'जज' के आने पर उसे खड़ा भी किया। पीड़िता को लगातार धमकी भरे फोन कॉल करके परेशान किया गया तथा उसे अपने 'अवैध लेन-देन' के बारे में अपने परिवार के सदस्यों को न बताने की चेतावनी दी गई।

'आधिकारिक' वर्दी पहने जालसाजों ने उन्हें बताया कि वह 200 वरिष्ठ नागरिकों में से एक हैं, जो गोयल नामक एक व्यक्ति से जुड़े हुए हैं, जो बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की गतिविधियों के पीछे का दिमाग है।

उन्होंने उसे जमानत फॉर्म भरने के लिए राजी कर लिया। धोखेबाजों ने उसे बताया कि कॉल की निगरानी भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की जाएगी। शिकायतकर्ता ने बताया कि कानूनी नतीजों और संभावित गिरफ्तारी से बचने के लिए उसे 10 लाख रुपये देने की धमकी दी गई।

राचकोंडा साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अरुणा काशीनाथ पाटिल को डॉक्ट्रेट की मानंद उपाधि

पूना 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रतिभा किसी की मोहताज नही होती प्रतिभावान को तलाश ही लेते है यह कार्य मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड फाउंडेशन फरीदाबाद हरियाणा ने किया है। फाउंडेशन के चेयरमैन उझधर-वर्रो व निशा जी ने सोनेरी महाराष्ट्र के सवाददाता से चर्चा करते हुवे बताया की हमारी संस्था देश समाज और मानवता पर्यावर्ण मे अग्रणी भूमिका निभाने वाली प्रतिभाओ को खोजता रहता है जो निस्वार्थ भाव से अपने कार्य को करते है उन्हे खोजकर सम्मानित किया जाता है इसी कड़ी मे हमे नाशिक महाराष्ट्र से श्रीमती अरुणा

काशीनाथ पाटिल मिली जिनका अध्यात्म लेखन व समाजिक कार्यो मे विशेष योगदान मिला जिसे अवलोकन करने पर हमारे फाउंडेशन ने ऐसी प्रतिभा को डॉक्ट्रेट की मानंद उपाधी देने का निर्णय लिया है जिसे एक गरिमा पूर्ण समारोह मे 12अप्रैल को सम्मानित किया जायेगा इसके लिए सभी चयनित प्रतिभाओ को आमंत्रि किया है जिसमे लगभग सभी की सहमति प्राप्त हो चुकी है जिससे सभी आवश्यक कार्यवाहि पूरी की जा सके।हमारे संवाददाता ने जब अरुणा काशीनाथ पाटिल से सम्पर्क किया तो उन्होंने बताया की मुझे मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड से निमंत्रण मिला है और मुझे जो समान दिया जा रहा है उस प्राप्त करने मै 12अप्रैल को प्राप्त करूँगी श्रीमती पाटिल ने बताया की मेरी बचपन से पढाई लेखन और अध्यात्म मे रुचि रही लेकिन मैं जिन उचाई तक पहुंची उसमे मेरे सद्गुरु बृह्मऋषि गुरुवानंद स्वामी का विशेष आशीर्वाद रहा है मैं आभारी हु फाउंडेशन का जिन्होंने मेरा चयन किया।

पुष्पगिरि पीठाधिपति ने हैदराबाद में ब्राह्मण उत्कृष्टता केंद्र का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुष्पगिरि पीठाधिपति परमहंस परिव्राजकाचार्य श्री विद्या शंकर भारती स्वामीजी ने रविवार को बेगमपेट में अपने मठ में ब्राह्मण उत्कृष्टता केंद्र का शुभारंभ किया।

इस केंद्र का गठन सेवानिवृत्त सिविल सेवकों, पत्रकारों, व्यापारियों, शिक्षकों और अन्य पेशेवरों सहित 16 कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों के एक समूह द्वारा किया गया था और इसे एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत किया गया था। इस कार्यक्रम में भाग लेने वालों में एमएलसी वाणी देवी सुरभि, पूर्व एमएलसी रामचंद्र राव, पूर्व केंद्रीय मंत्री वेणुगोपाल चारी, राज्य सतर्कता आयुक्त एमजी गोपाल और कई अन्य हस्तियां शामिल थीं।केंद्र की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पदाधिकारी निम्नलिखित हैं: अध्यक्ष: विजय ओडिराजु, उपाध्यक्ष: एसवी राव, सचिव: वनम ज्वाला नरसिम्हा राव, संयुक्त सचिव: मरुमुला वेंकट रमण शर्मा, कोषाध्यक्ष: कोंडापल्ली शेष पीएसआर प्रसाद कार्यकारी समिति के सदस्य: एलवी सुब्रमण्यम, जीवीआर रवि, पूंडला कल्पवल्ली और नंदीवाड़ा अनंत लक्ष्मी।

केसीआर को तेलंगाना के ग्रामीण पुनरुत्थान का वास्तुकार बताया गया, उनकी यात्रा पर गीत जारी किया गया

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस संसदीय दल के उपनेता और राज्यसभा सांसद वद्दीराजू रविचंद्र ने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की सराहना करते हुए उन्हें तेलंगाना के ग्रामीण पुनरुत्थान का निर्माता बताया।तेलुगु नव वर्ष उगादी के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए , रविचंद्र ने तेलंगाना को भारत के अन्न भंडार में बदलने और इसके गांवों को पुनर्जीवित करने में चंद्रशेखर राव की भूमिका पर प्रकाश डाला।शुभ 'विश्वावसु नाम उगादि' के अवसर

पर रविचंद्र ने रविवार शाम अपने कैंप कार्यालय में एक गीत, करनजानमुडु का अनावरण किया।यह गीत चंद्रशेखर राव की यात्रा, आंदोलन युग के संघर्षों और विजयों की उनकी गहरी समझ को दर्शाता है।रविचंद्र ने सभी क्षेत्रों में तेलंगाना समाज को ऊपर उठाने के उनके दशक भर के प्रयासों की प्रशंसा की और उन्हें करनाजनमुडु कहा।फर्स्ट रील द्वारा निर्मित इस गीत की सराहना रविचंद्र ने चंद्रशेखर राव के योगदान के कलात्मक चित्रण के लिए की।उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि फर्स्ट रील 2025 की यात्रा इस सार्थक प्रस्तुति के साथ शुरू हुई।इस कार्यक्रम में जुलुरु गौरीशंकर, फर्स्ट रील के एमडी जुलुरु शिवसागर, गीतकार एम रजनीकांत और टी साईप्रवल्लिका ने भाग लिया।

आईआईएमसी ने आंध्र प्रदेश, तेलंगाना चैप्टर के लिए 13वें पूर्व छात्र सम्मेलन की मेजबानी की

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आईआईएमसी पूर्व छात्र संघ (आईआईएमसीए) ने शनिवार शाम शहर में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना चैप्टर के लिए 13वां वार्षिक पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित किया।इस अवसर पर चैप्टर के अध्यक्ष सत्य रथ ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की, जिसमें जनसंचार के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत दोनों राज्यों के पूर्व छात्र शामिल हुए। राजा बाबू को चैप्टर का महासचिव चुना गया।

यह सम्मेलन पेशेवर आदान-प्रदान और पुरानी यादों को ताज़ा करने के लिए एक जीवंत मंच के रूप में काम आया। बातचीत में आईआईएमसीएए की भूमिका को एक गतिशील और समावेशी नेटवर्क के रूप में मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस बैठक में मुख्य स्तंभों के रूप में मेंटरशिप, ज्ञान-साझाकरण और सहयोग पर जोर दिया गया।आईआईएमसीए के अधिकारी मनोज मलयानिल, दिल्ली से रितेश वर्मा, ओडिशा से ब्योमकेश बिस्वाल, कर्नाटक से चैतन्य कृष्णराजू, वेंकट रेड्डी, सुएंदु सेठ, प्रसाद निचेनामेतला, एहतेशाम हक, एएसएस अनिल, अस्मिता, अपराजिता और अन्य ने सभा को संबोधित किया।

विभाजनकारी ताकतों को सफल नहीं होने देगी कांग्रेस : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस उन लोगों को नहीं बख्शेगी जो विभाजनकारी एजेंडे के साथ चुनाव जीतने की कोशिश करते हैं।

रमजान के मौके पर अपने विधानसभा क्षेत्र कोडंगल में आयोजित इफ्तार में उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ लड़ाई में सबसे आगे रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान नफरत के बाजार' में 'मोहब्बत की दुकान' खोलने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, कुछ लोग चुनाव जीतने के लिए इस देश में लोगों को बांटकर राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। चुनाव जीतना गलत नहीं है। लेकिन, कुछ लोग चुनाव जीतने के लिए लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। यह गलत है। कांग्रेस पार्टी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे जी (कांग्रेस अध्यक्ष) या आपका भाई रेवंत रेड्डी उन्हें सफल नहीं होने देंगे।

धान की फसल के लिए पानी की आपूर्ति को लेकर किसान चिंतित

मंचेरियाल, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। काकतीय नहर के नीचे विभिन्न फसलों खासकर धान की बुआई करने वाले किसान आने वाले दिनों में फसल के लिए पर्याप्त पानी की आपूर्ति को लेकर चिंतित है अगले पखवाड़े में धान की फसल को पानी देना जरूरी है क्योंकि फसल अंतिम चरण में है हालांकि श्री राम सागर परियोजना (एसआरएसपी) से पानी छोड़ने का कार्यक्रम जल्द ही समाप्त हो जाएगा एसआरएसपी जोन-2 (लोअर मनेयर डैम के नीचे) डी-54 से डी-94 नहर तक पानी छोड़ना केवल 2 अप्रैल तक जारी रहेगा जबकि जोन-1 (एलएमडी से ऊपर) डी-5 से डी-53 तक पानी छोड़ना केवल 9 अप्रैल तक जारी रहेगा एसआरएसपी अधिकारियों ने इस संबंध में घोषणा की है तत्कालीन करीमनगर जिले में एसआरएसपी नहर के तहत करीब 7 लाख एकड़ में धान की बुआई की गई थी कुछ किसान जिन्होंने फसल देर से बोई थी वे पानी की आपूर्ति को लेकर चिंतित हैं क्योंकि फसल अंतिम चरण में है उन्हें खड़ी फसलों की सुरक्षा के लिए कुओं या बोरवेल पर निर्भर रहना पड़ता है यही उनकी एकमात्र चिंता नहीं है एसआरएसपी और में जल स्तर में भी भारी गिरावट आई है जबकिएसआरएसपी में 80.5 ढ्यउ की भंडारण क्षमता के मुकाबले 17.557 TMC पानी उपलब्ध है।

बेरोजगार युवाओं को ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 5 अप्रैल

वेमुलवाड़ा, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। दिनांक: 30 मार्च, 2025 तेलंगाना सरकार ने राजीव युवा विकास योजना के कार्यान्वयन के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इस योजना के तहत, जिले के बेरोजगार युवाओं को ऑनलाइन आवेदन जमा करना आवश्यक है और केवल एक व्यक्ति स्वरोजगार योजना के तहत राशन कार्ड पर पात्र है। परियोजना से जुड़े लोगों को 21-60 वर्ष की आयु के लोगों को, ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को 1,50,000 रुपये और शहरी क्षेत्रों के लोगों को 1,50,000 रुपये की सहायता मिलेगी। 2 लाख से अधिक नहीं। 50,000 रुपये तक 100 फीसदी सब्सिडी, 1 लाख रुपये तक 90 फीसदी सब्सिडी और 1 लाख रुपये तक के बैंक लोन पर 10 फीसदी सब्सिडी। इसमें से 80 प्रतिशत सब्सिडी, 20 प्रतिशत बैंक ऋण, 70 प्रतिशत सब्सिडी और 1,00,000 करोड़ रुपये की सहायता शामिल है।

तेलंगाना सरकार ने उगादि का भव्य उत्सव मनाया

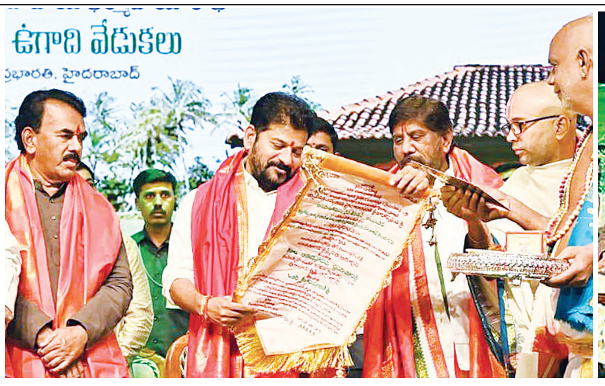

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार, 30 मार्च को कहा कि हैदराबाद के निकट प्रस्तावित फ्यूचर सिटी देश में निवेश के लिए एक गंतव्य के रूप में उभरेगी। हैदराबाद में रविन्द्र भारती में तेलुगु नववर्ष उगादी के अवसर पर आयोजित मुख्य आधिकारिक समारोह को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने यह भी कहा कि फ्यूचर सिटी के विकास से लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा।

देश के विकास को गति देने के लिए नए शहरों के विकास की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य के शहर की योजना तेलंगाना के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाई गई है। उन्होंने कहा, यह केवल एक शहर नहीं होगा जहां लोग रहेंगे, बल्कि यह एक निवेश गंतव्य होगा।

उन्होंने दावा किया कि तेलंगाना राइजिंग चमत्कार कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार तेलंगाना को पूरे देश के लिए एक आदर्श राज्य बनाने के उद्देश्य से काम कर रही है।

रेवंत रेड्डी ने उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क द्वारा पेश किए गए वार्षिक बजट 2025-2026 की तुलना 'उगादी पचड़ी' से की।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राजस्व बढ़ाने और उसे गरीबों में बांटने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बजट में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए बेहतर कानून व्यवस्था बहुत जरूरी है। उन्होंने मुसी नदी पुनरुद्धार परियोजना शुरू करने का संकल्प दोहराया। मूसी नदी परियोजना की विपक्ष द्वारा की जा रही आलोचना का स्पष्ट संदर्भ देते हुए उन्होंने कहा कि जब विकास होगा तो कुछ बाधाएं आएंगी।

उन्होंने कहा कि किसी भी नीति को 100 प्रतिशत समर्थन नहीं मिलेगा। 'विश्ववासु नाम' उगादि के अवसर पर तेलंगाना के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए रेवंत रेड्डी ने कामना की कि राज्य में कल्याण और विकास दोनों में वृद्धि हो और लोगों को रोजगार के प्रचुर अवसर भी मिलें।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीबों को अच्छी गुणवत्ता वाला चावल उपलब्ध कराने के लिए एक योजना शुरू कर रही है। उन्होंने याद दिलाया कि कांग्रेस सरकार ने ही देश में गरीबों की भूख मिटाने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिनियम बनाया था।

उन्होंने बताया कि तेलंगाना देश में धान उत्पादन में पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि पिछले साल राज्य ने 1.56 लाख टन धान का उत्पादन किया था। उन्होंने कहा कि अविभाजित आंध्र प्रदेश में भी इस स्तर का उत्पादन नहीं हुआ था।

सरकार बढ़िया किस्म का धान उगाने वाले किसानों को बोनस भी दे रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में 60-65 प्रतिशत किसान बढ़िया किस्म का चावल उगा रहे हैं। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विक्रमार्क, राज्य के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

रेवंत रेड्डी ने उत्तम अनाज चावल वितरण योजना शुरू की

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर गरीबों को बढ़िया अनाज चावल वितरित करने में असमर्थता पर सवाल उठाया।

रविवार, 30 मार्च को हुजूरनगर विधानसभा क्षेत्र से उत्तम चावल वितरण योजना का शुभारंभ करते हुए सीएम रेवंत ने याद दिलाया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) योजना पहली बार पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 73 साल पहले 1957 में शुरू की थी।

जब तेलंगाना में कांग्रेस सत्ता में आई, तो पता चला कि राज्य भर में कई चावल मिलों में 21,000 करोड़ रुपये का चावल बर्बाद हो गया था। हमने सुनिश्चित किया कि बिचौलियों को न्याय के कटघरे में लाया जाए, जो पीडीएस चावल रीसाइ-क्लिंग घोटाला चला रहे थे, लोगों के 10,000 करोड़ रुपये लूट रहे थे, सीएम रेवंत ने कहा।सीएम रेवंत ने आरोप लगाया कि केसीआर के कार्यकाल के दौरान बीआरएस सरकार ने किसानों से धान खरीदने से इनकार कर दिया, यहां तक कि उन्हें यह भी कहा कि अगर वे इसकी खेती करेंगे तो उन्हें फांसी लगानी पड़ेगी। मुख्यमंत्री ने दावा किया, तेलंगाना के किसानों को अपने धान के लिए 2,000 रुपये प्रति क्विंटल भी पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा और केसीआर ने अपने फार्महाउस से फसल को कावेरी सीड्स को 4,500 रुपये प्रति क्विंटल में बेच दिया।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ लोग राज्य सरकार के काम में बाधा डालने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि नलगोंडा क्षेत्र के लोग ऐसा करने की कोशिश करने वाले किसी भी बीआरएस कार्यकर्ता या किसी अन्य पार्टी के सदस्य पर मिर्च पाउडर फेंकने के लिए तैयार हैं।

मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से मुलाकात की मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलें तेज!

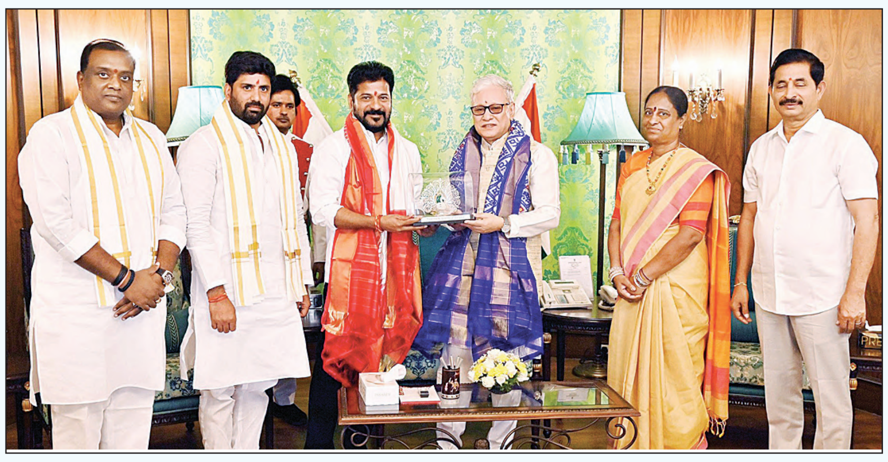

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना मंत्रिमंडल में आसन्न फेरबदल की चर्चा के बीच मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने रविवार 30 मार्च को यहां राजभवन में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात की।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें तेलुगु नववर्ष उगादी की बधाई दी।

यह बैठक एक घंटे तक चली। माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के साथ प्रस्तावित मंत्रिमंडल फेरबदल पर चर्चा की।

इस अवसर पर पर्यावरण एवं वन मंत्री कोंडा सुरेखा, सांसद अनिल कुमार यादव, मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेन्द्र रेड्डी तथा अन्य उपस्थित थे।

बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल फेरबदल 4 अप्रैल के बाद होने की संभावना है। चूंकि संसद सत्र 4 अप्रैल को समाप्त हो रहा है, इसलिए विस्तार उससे पहले होने की संभावना नहीं है।

पिछले हफ़्ते कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने मंत्रिमंडल में फेरबदल को मंज़ूरी दे दी थी। हालांकि, संभावित मंत्रियों के बारे में रिपोर्ट आने के बाद पार्टी के भीतर कुछ वर्गों में ज़ोरदार लॉबिंग शुरू हो गई।अनुसूचित जाति समुदाय मडिगा के विधायकों ने कांग्रेस की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन को पत्र लिखकर मंत्रिमंडल फेरबदल में उन्हें प्राथमिकता देने की मांग की है।

वे कथित तौर पर इस बात से खुश नहीं हैं कि चेन्नूर के विधायक जी विवेक को मंत्रिमंडल में शामिल किया जाएगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व जी वेंकटस्वामी के बेटे विवेक माला समुदाय से आते हैं।

इसी तरह, नेताओं का एक वर्ग मुनुगोड़े विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी को मंत्रिमंडल में शामिल करने के प्रस्ताव का विरोध कर रहा है, क्योंकि उनके भाई कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी पहले से ही मंत्री हैं। कुछ विधायक रेड्डी समुदाय से एक और मंत्री बनाने के प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं।

कांग्रेस नेतृत्व ने कथित तौर पर 3-4 मंत्रियों को शामिल करने का फैसला किया है। रेड्डी, एससी और बीसी समुदायों के लिए एक-एक कैबिनेट पद की संभावना है।

सरकार के सचेतक आदी श्रीनिवास को पिछड़ी जातियों से एक मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। चूंकि मंत्रिमंडल में कोई मुस्लिम प्रतिनिधित्व नहीं है, इसलिए कांग्रेस द्वारा समुदाय से किसी को शामिल किए जाने की संभावना है।

रेवंत रेड्डी और उनके 11 कैबिनेट सहयोगियों ने 7 दिसंबर, 2023 को शपथ ली। राज्य में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 18 मंत्री हो सकते हैं।

मंत्रिमंडल में जगह पाने के कई इच्छुक लोग एक साल से भी अधिक समय से विस्तार का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि पिछले साल लोकसभा चुनाव के बाद से ही मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें लगाई जा रही थीं और मुख्यमंत्री कई बार दिल्ली भी गए थे, लेकिन नेतृत्व ने इस मुद्दे को लंबित रखा।

119 सदस्यीय राज्य विधानसभा में कांग्रेस पार्टी के 65 विधायक हैं। पिछले साल भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के दस विधायक भी सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल हो गए थे।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप
हैदराबाद

श्रीमती उर्मिला धानुका
के मासिक पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में
Sri Dhanuka Pariwar, Delhi
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
MAHESH AGARWAL 98490 98502

एसएलबीसी सुरंग ढहने से फंसे श्रमिकों की तलाश 37वें दिन भी जारी

हैदराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अधिकारियों ने रविवार, 30 मार्च को बताया कि आंशिक रूप से ध्वस्त एसएलबीसी परियोजना सुरंग में छह लोगों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान के तहत पानी निकालने और मिट्टी हटाने की प्रक्रिया लगातार जारी है।

मिट्टी को कन्वेयर बेल्ट का उपयोग करके सुरंग से बाहर भेजा जा रहा था।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि सुरंग के अंदर मौजूद स्टील, जो तलाशी अभियान में बाधा बन रहा है, को भी हटाया जा रहा है और उसे लोको ट्रेन के माध्यम से बाहर ले जाया जा रहा है।आईएएस अधिकारी शिवशंकर लो-थेती, जिन्हें खोज अभियान की निगरानी के लिए विशेष अधिकारी नियुक्त किया गया था, ने बचाव दल को उगादी (तेलुगु नव वर्ष) के अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने विशेष रूप से बचाव कर्मियों की सराहना की, जिन्होंने तेलुगु नववर्ष के बावजूद अपने परिवारों से दूर रहकर अभियान में भाग लिया।

इसमें कहा गया है कि तलाशी अभियान पहले दिन से ही लगातार चल रहा है जिसमें सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, रेलवे, सरकारी खनन कंपनी सिंगरेनी कोलियरीज, आईआईटी मद्रास के प्रोफेसर, राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान (एनजीआरआई) के वैज्ञानिक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई), खदान में काम करने वाले लोग, केरल पुलिस के शव खोजी कुत्ते और अन्य शामिल हैं।एसएलबीसी परियोजना की सुरंग का एक हिस्सा 22 फरवरी को ढह जाने से उसमें इंजीनियरों और मजदूरों सहित कुल आठ लोग फंस गए थे।लापता व्यक्तियों की पहचान मनोज कुमार (उत्तर प्रदेश), श्री निवास (उत्तर प्रदेश), सनी सिंह (जम्मू और कश्मीर), गुरप्रीत सिंह (पंजाब), और संदीप साहू, जेगता जेस, संतोष साहू और अनुज साहू (सभी झारखंड) के रूप में हुई है।फंसे हुए आठ लोगों में से दो - गुरप्रीत सिंह और मनोज कुमार - के शव बरामद कर लिए गए हैं।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप
हैदराबाद

श्री भगतरामजी अग्रवाल
के पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में
Sri Badriprasadji Babulalji
Sri Seetaram Cut Piece Centre, Sec'bad
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
MAHESH AGARWAL 98490 98502

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..............................
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10x10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank
OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

आंध्र प्रदेश में कारोबारी और उसके परिवार के तीन सदस्य घर में मृत मिले

श्रीसत्यसाई जिला, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साईं जिले में एक कारोबारी और उसके परिवार के तीन सदस्य रविवार को अपने घर में मृत पाए गए। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस को संदेह है कि इन लोगों ने आर्थिक तंगी और परिवार की आंतरिक समस्याओं के कारण सामूहिक रूप से आत्महत्या कर ली।अधिकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान कृष्ण चारी, उसकी पत्नी सरला और दंपति के दो बेटों के रूप में हुई है। चारी की मदकासिरा के गांधी बाजार क्षेत्र में स्वर्ण आभूषणों की दुकान है।अधिकारी ने बताया, परिवार ने सायनाइड का सेवन कर लिया, जो स्वर्ण आभूषणों के कारोबार से जुड़े होने के कारण उसे उपलब्ध था। अधिकारी के अनुसार, चारी तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ा था और कर्ज में डूबा हुआ था। उन्होंने बताया कि वह अपने भाई-बहनों की सफलता से कथित तौर पर जलता था।अधिकारी के मुताबिक, चारी के पिता ने घर में चारों शव देखकर पुलिस को सूचित किया। उन्होंने बताया कि पुलिस को घर की तलाशी के दौरान सायनाइड की खाली बोतल मिली, जिससे यह संकेत मिलता है कि उनकी मौत सायनाइड के सेवन से हुई।

जहीराबाद में महिला की पीट- पीटकर हत्या

जहीराबाद, 30 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार 30 मार्च को संगारेड्डी जिले के जहीराबाद के पास पस्तापुर गांव में एक 47 वर्षीय महिला की उसके किराए के घर में हत्या कर दी गई।

पीड़िता का नाम मेथाई लक्ष्मी है। मूल रूप से झारासंगम मंडल के चीलामामिडी की रहने वाली लक्ष्मी कई साल पहले जहीराबाद आकर अपने इकलौते बेटे के साथ मजदूरी करती थी।

रिपोर्ट के अनुसार, अज्ञात हमलावरों ने उसकी आंखों में मिर्च पाउडर फेंका और छोटे एलपीजी सिलेंडर से उस पर जानलेवा हमला किया। स्थानीय लोगों से सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जहीराबाद के सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

॥ विश्व शांति, लोक कल्याणार्थ, सर्व कामना हेतु ॥
एक वर्षीय अखंड श्री रामचरितमानस पारायण
मंगला शासन
कार्यक्रम स्थल : श्री रंगनाथ मंदिर, नैमिषारण्य धाम, सीतापुर (उ.प्र.)
ऑनलाइन संकल्प रामायण एक दिवस ब्राह्मण भोज रु.1500/-
31-03-2025
अष्ट बैकुंठ श्री नैमिषारण्य धाम में शुक्रवार दि. 30 अगस्त 2024 को प्रारंभ कर अगस्त 2025 तक समापन में यज्ञ किया जाएगा।
ऑनलाइन संकल्प एक दिवसीय सहयोगी : एक यजमान न्योछावर राशि रु. 3100/-
अप्रत्यक्ष पूज्य वैकुंठवासी श्री अनंत विभूषित श्रीश्रीश्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी के आशीर्वाद से
अतिविशिष्ट यजमान :
श्रीमती अरुणा किशोर अग्रवाल
विशिष्ट यजमान :
तिरुमला वेंकटाचार्य कांति रेखा
तपोभूमि अष्ट बैकुंठधाम श्री नैमिषारण्य धाम में करने का अवसर प्राप्त करें एवं संकल्प प्रति दिवस लिया जाएगा। जन्म दिवस एवं विवाह की वर्षगांठ के दिन बुक करने के लिए शीघ्र अतिशीघ्र संपर्क करें। ऑनलइन वीडियो कॉल द्वारा संकल्प लिया जाएगा।
संकल्पकर्ता : श्री जगन्नाथ मठ एवं श्री रंगनाथ मंदिर नैमिष धाम
मठाधिपति अच्युत रामानुजाचार्य स्वामी (मो. 8099563154)
श्री जगन्नाथ मठ द्वारा संचालित :श्री जगन्नाथ स्वामी वृद्ध आश्रम, श्री जगन्नाथ गुरुकुल विद्यालय, श्री जगन्नाथ गौ सेवा संस्थान, श्रीमन नारायण शरणागति सेवा ट्रस्ट, श्री रंगनाथ मंदिर भैरमपुर रोड नैमिषारण्य, श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ समिति, श्री जगन्नाथ सेवा ट्रिप्स
मार्गदर्शक सहित : वेणु गोपाल लोया, कैलाश नारायण भांगडिया, श्रीगोपाल सोनी, डी.पी. शर्मा, नीरज यादव, कलावती जाजू, कांता देवी भांगडिया, महेंद्र सिग्नोडिया, ऊषा अग्रवाल, चक्रवर्ती ढ्रिया रमणा, ओमप्रकाश खंडेलवाल, पी. सुब्बा राव, रमेश गुप्ता, जसमत पटेल, श्री वैष्णव सत्संग मंडल एवं जगन्नाथ मठ परिवार
दीनबंधु अग्रवाल (रामायण पठन समिति - 9963910401), भरत कलंत्री (9440061537), वेणुगोपाल खंडेलवाल (9908222206)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.